RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2023-25
Desp. 02 August, 2023

अंक – 02 (मासिक) वर्ष – 19 अगस्त, 2023 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

हमारे नव-नक्षत्र

NEET

CA

XII

X

जनता और पुलिस की सेतु
पब्लिक पुलिस

PUBLIC POLICE NGO SERVICE TO PEOPLE

श्री महेश धाम उज्जैन में हुआ
श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2023
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-02 ▸▸ अगस्त 2023 ▸▸ वर्ष-19

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
CA दामोदर सारडा, चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

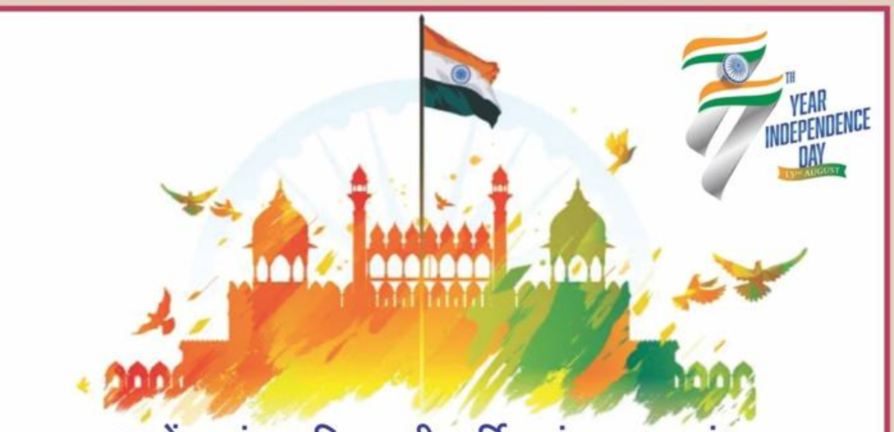

77 वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक मंगलकामनाएं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

धर्म, अर्थ और काम

विचार क्रान्ति

महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण की लोकहितैषी राजनीति और विदुर की लोकनीति जगप्रसिद्ध हैं किंतु कणिक की कूटनीति से लोग प्रायः कम परिचित है। कणिक द्वापरयुग में राजनीति और अर्थशास्त्र का प्रकांड पंडित था। हस्तिनापुर नरेश धृतराष्ट्र के महामंत्री विदुर थे और कणिक मंत्री था। विदुर पाण्डवों का पक्ष लेते थे अतः धृतराष्ट्र आवश्यकता पड़ने पर जिससे सलाह लेता था, उसमें कणिक प्रमुख था। कणिक श्रीकृष्ण या विदुर की भाँति सत्य का साथ देने वाला न था बल्कि राजा के हित में हर हाल में शत्रु के नाश की राय रखता था।

महाभारत के आदिपर्व की कथा प्रमाण है कि पाण्डवों की बढ़ती लोकप्रियता से विचलित धृतराष्ट्र ने कणिक से मंत्रणा के बाद ही लाक्षागृह की योजना बनाई थी। कणिक ने धृतराष्ट्र को दो टूक चेताया था कि भविष्य में विवाद से बचने के लिए बेहतर है कि समय रहते पाण्डवों को रास्ते से हटा दिया जाए। धृतराष्ट्र की सहमति से दुर्योधन ने लाक्षागृह बनवाया ताकि कुंती सहित पाण्डवों को जीवित दहन किया जा सकें। यह और बात है कि विदुरजी की सजगता के कारण पाण्डवों की प्राणरक्षा हो गई।

कणिक के कुटिल और क्रूर मंत्रों से आदिपर्व का 139 वाँ अध्याय भरा पड़ा है लेकिन इनमें एक श्लोक ऐसा भी है, जो सर्वकालिक और सर्वसाधारण से लेकर हरेक के लिए उपयोगी है। ध्यान रहे मनुष्य मात्र का जीवन धर्म, अर्थ और काम के बीच व्यतीत होता है। इन तीनों की अपनी-अपनी पीड़ा भी हैं और तीनों के फल भी। ऐसे में जो यह समझता है कि फल पाना है तो पीड़ा झेलना पड़ेगी, वह जीवन संघर्ष में विचलित नहीं होता। जो इस मर्म को नहीं समझता वह जीवनभर संघर्ष से त्रस्त होकर दुःख पाता है।

इसलिए कणिक कहते हैं कि 'त्रिवर्गे त्रिविधा पीडा ह्यनुबन्धस्तथैव च। अनुबन्धा शुभा ज्ञेयाः पीडास्तु परिवर्जयेत्।।' अर्थात् धर्म, अर्थ और काम इन त्रिविध पुरुषार्थों के सेवन में तीन प्रकार की अड़चन उपस्थित होती है, उसी प्रकार उनके तीन फल भी होते हैं। आशय है पीड़ा भोगकर ही फल प्राप्त होता है।

महत्वपूर्ण है कि धर्म का फल अर्थ और काम अर्थात् भोगों की प्राप्ति है। अर्थ का फल धर्म का सेवन और काम के रूप में भोगों की प्राप्ति है। इसी तरह काम का फल इंद्रियों की तृप्ति है। जो केवल धर्म में लिप्त रहता है वह अर्थ और काम से वंचित रह जाता है। जो केवल अर्थ साधता है वह धर्म और काम नहीं पा पाता। अंत में जो केवल कामासक्त रहता है, उसे धर्म और अर्थ से वंचित रहना पड़ता है।

साधो! सार यह है कि जीवन में तीनों आवश्यक हैं। तीनों के लिए संघर्ष है और संघर्ष की पीड़ा भी। इस सबके बीच जो तीनों में समन्वय करने की कला जानता है, वह न केवल तीनो को प्राप्त करता है बल्कि उन्हें पाने की पीड़ा से भी मुक्त रहता है।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

प्रतिभा ही समाज का भविष्य

किसी भी समाज या देश का भविष्य उसकी वह प्रतिभावान युवा पीढी होती है, जो अपनी मेहनत से अपना, अपने परिवार, अपने समाज तथा अपने देश का भविष्य लिखती है। यही कारण है कि प्रतिभा का हमेशा सम्मान होता है। जब कोई विद्यार्थी यह ठान लेता है कि उसे अपना लक्ष्य हासिल करना ही है, तो फिर उसके लिए यह महत्वपूर्ण नहीं हो जाता कि उस लक्ष्य को पाने के लिए उसके पास मार्गदर्शक और जरूरी संसाधन है या नहीं। वह अपनी एकाग्रता, लगन और परिश्रम से उस लक्ष्य को हासिल करके ही रहता है। लेकिन जो लक्ष्य पाने के लिए एकाग्र नहीं होते उनके लिए लाख बहाने हो सकते हैं। एकलव्य का उदाहरण है, जिसने न तिरस्कार की परवाह की और न ही किसी अभाव को ध्यान में रखा। तभी वनवासी होकर भी वह राजपरिवार के अर्जुन को भी पीछे छोड़ने में कामयाब माना गया। इस कहानी का सार यही है कि वे बच्चे ही अपनी मंजिल पर पहुंचते हैं जो बिना किसी किंतु-परंतु के अपने लक्ष्य को पाने की जिद पर अड़े रहते हैं।

हम अपने परिवारों में देख सकते हैं कि कई बच्चे सब कुछ साधन होने के बाद भी परीक्षा में अपेक्षित सफलता नहीं हासिल कर पाते, जबकि कुछ ऐसे होते हैं जो संसाधन विहिन होने के बाद भी ऊंचाइयों को छू लेते हैं। ऐसे विद्यार्थियों का ही समाज में सम्मान होता है। अखबारों में उनके फोटो छपते हैं और विभिन्न मंचों पर उन्हें बधाई के साथ पुरस्कार भी दिए जाते हैं। कई संस्थाएं उन्हें और भी प्रोत्साहित करने के लिए मदद के लिए भी आगे आती हैं। कहने का तात्पर्य यही है कि हमें अपने बच्चों को भी इसी तरह प्रेरित करना चाहिए। वे संसाधनों के भरोसे आगे बढ़ने की सीढ़ी तलाशने की बजाए अपने पैरों की मजबूती से आगे बढ़ाना सीखें। बच्चों के लिए भी यह महत्वपूर्ण संदेश है कि सब कुछ होने के बाद भी लक्ष्य हासिल करने के लिए किया गया परिश्रम ही वह अंतिम सीढ़ी है, जो मंजिल पर पहुंचा सकती है। इसलिए लक्ष्य पाने की पहली सीढ़ी हमारा परिश्रम ही बनायी जानी चाहिये।

श्री माहेश्वरी टाइम्स ने लक्ष्य हासिल करने वाले समाज के 10 वीं और 12 वीं के विभिन्न बोर्ड परीक्षा के उन बच्चों का अपने प्रतिभा विशेषांक के माध्यम से सम्मान गत वर्ष की तरह इस बार भी किया जा रहा है, जो ९० फीसदी से ज्यादा अंक हासिल करने में कामयाब हुए, इनके साथ सीए, नीट, तथा जेईई जैसी कठिन परीक्षाओं में भी समाज के बच्चों ने फिर हमेशा की तरह अपनी सफलता का परचम फहराया है। हम इनका भी अभिनंदन, सम्मान करते है। इन बच्चों में कई ऐसे हैं जिन्हें लक्ष्य हासिल करने में अभाव का भी सामना करना पड़ा। इन बच्चों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। वे दूसरों के लिए प्रेरणा भी बने हैं। हम उन बच्चों का भी अभिनंदन करते हैं जो इनसे कम अंक ला पाए और उनका भी जो सफलता की सीढ़ी नहीं चढ़ सके। जो मंजिल से दूर रह गए हैं, उनके लिए अभी अवसर खत्म नहीं हुए हैं। वे दोबारा मेहनत कर अपनी काबिलियत साबित कर सकते हैं। जो कमी रह गई उसे दोगुनी ताकत से पूरी करने का संकल्प कर आगे बढ़ें।

जो समाज के बच्चे इन परीक्षाओं में तमाम प्रयासों के बावजूद इच्छित सफलता नहीं प्राप्त कर पाऐ वे भी हताश न हों। याद रखें प्रतिभा का अर्थ सिर्फ परीक्षा में अच्छे अंक लाना ही नहीं होता। प्रतिभा तो वह श्रेष्ठता होती है, जो किसी भी क्षेत्र में हो सकती है। हर बच्चे को प्रकृति ने कुछ न कुछ विशिष्ट प्रतिभा के साथ जन्म दिया है, यह सत्य है। बस जरूरत अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसमें महारथ हासिल करने की है। आप अपनी जिस विशेषता को तलाशेंगे वही आपकी प्रतिभा बनकर आपको शिखर की ऊंचाई प्रदान करवाऐगी, इसमें कोई संदेह नहीं।

यह अंक समाज की प्रतिभाओं को समर्पित है। इसमें सभी स्थायी स्तंभों के साथ पठनीय और ज्ञानवर्द्धक सामग्री का समावेश किया गया है। निश्चित तौर से यह अपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। अगला अंक पर्यावरण पर आधारित होगा। तो आईये पर्यावरण दिवस की इस पावन बेला में हम सभी न सिर्फ एक पौधा लगाये बल्कि उसे पेड़ बनने तक उसकी सम्पूर्ण देखरेख का भी संकल्प ले। अपनी प्रतिक्रिया से भी अवश्य अवगत करवाऐं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ग्राम मारवाड़ा मुंडवा, जिला नागौर (राज.) में श्री शिवराज व श्रीमती बसंतीदेवी सारडा के यहाँ जन्मे व प्रमुख रूप से चंद्रपूर (महाराष्ट्र) को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले श्री दामोदर सारडा की पहचान एक प्रतिष्ठित सीए के रूप में तो है ही साथ ही ऐसे समाजसेवी के रूप में भी है, जो हमेशा समाज की सेवा के लिये निःस्वार्थ भाव से तत्पर रहते हैं। व्यावसायिक रूप से श्री सारडा प्रसिद्ध सीए फर्म डी.ए. वी.ए. एण्ड एसोसिएट्स का लम्बे समय से संचालन कर रहे हैं, जिसका मुख्यालय चंद्रपुर तथा शाखा कार्यालय मुम्बई, नागपुर व कोलकाता में स्थित हैं। आप इन्कम टैक्स बार एसोसिएशन चंद्रपुर के अध्यक्ष तथा चंद्रपुर सीए एसोसिएशन के संयोजक रहे हैं। लायंस क्लब, जे.सी.आय आदि अन्तर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्थाओं से भी सम्बद्ध रहते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। समाज संगठन अंतर्गत चंद्रपुर जिला युवा संगठन, जिला सभा अध्यक्ष तथा तालुका संगठन के अध्यक्ष रहे हैं। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन में भी संगठन मंत्री तथा मंत्री पद का दायित्व निभा चुके हैं और वर्तमान में इसी संगठन में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसके साथ आप वर्तमान में माहेश्वरी सेवा समिति चंद्रपुर (महेश भवन) के अध्यक्ष, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र में सदस्य तथा विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष भी हैं। आपकी धर्मपत्नी दुर्गादेवी सारड़ा भी चंद्रपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष रह चुकी हैं। आपको कोरोना काल में विशिष्ट सेवा के लिये कलेक्टर द्वारा कोराना वॉरियर सम्मान से नवाजा गया था। आपने अनुकरणीय व्यक्तित्व पर एक कहानी संग्रह "सेठजी" लिखा है, जो पाठकों में काफी लोकप्रिय है।

शिक्षा के साथ संस्कार का पाठ भी जरूरी

किसी भी देश या समाज का भाग्य युवा वर्ग को माना जाता है। कारण यह है कि समाज में युवाओं का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। युवा समाज की वो कड़ी होती है, जो वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव बालकों तक पहुंचाते हैं। समाज के सामाजिक स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त संस्कारों को, नई पीढ़ी तक ले जाने का कार्य युवा पीढ़ी ही कर सकती हैं। सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की जिम्मेदारी युवाओं की होती हैं। समाज मे कार्य करना है, तो अपने रोजगार के कार्य को अनदेखा कर या अपनी व्यावसायिक, परिवारिक जिम्मेदारी को भूलकर, केवल सामाजिक कार्यों को महत्व देना नहीं होता..., अपने आवश्यक कार्यो में से समय निकालकर, हम छोटे छोटे सहयोग देकर भी समाज को योगदान दे सकते है।

हमारे द्वारा हुई भलाई पलट-पलट कर हमारे ही जीवन को सुधारने आ जाती है। इस कारण भलाई करते रहें, फल किसी ना किसी रूप में जरूर मिलेगा और आत्मसंतोष के भाव से मन हमेशा प्रफुल्लित रहेगा। किसी भी समाज की प्रगति का मार्ग शिक्षा के क्षेत्र से ही गुजरता है। शिक्षा, यह ऐसा तंत्र है जो व्यक्तित्व को निखारता है, जिसका लाभ व्यक्ति की सोच को मिलाता है। यदि हम पढ़लिखकर व्यापार करते है तो उसका दूरगामी लाभ जरूर मिलता है। अतः शिक्षा हमारे व्यवसाय के लिए भी अति महत्वपूर्ण हैं। हमारे समाज मे नई पीढ़ी इस संदर्भ में आगे बढ़ रही है, पालक वर्ग भी जागृत हो रहा है, यह खुशी की बात है।

इसमें भी एक दुःखद पहलू यह है कि कॉन्वेंट शिक्षा के साथ मे हम अपने संस्कारों को भूल रहे है। मोबाईल और सोशल मिडिया के चक्कर मे हम आत्मकेंद्री बन रहे है। वास्तविकता ये है कि मानवीय उन्नति की कसौटी पर हमारे संस्कार आज भी खरे उतरते है। यह बात युवा ही अमल में ला सकता है और इस जागृती का कार्य युवा करेंगे, इसका मुझे विश्वास है। संस्कारो के साथ शिक्षित युवा ही हमारे समाज मे परिवर्तन ला सकते हैं। कारण यह है कि संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी है। शिक्षा यदि हमारी क्षमताओं को तराशती है और हमें हीरा बनाती है तो संस्कार उस हीरे को परिशुद्ध कर किसी भी पवित्र स्थान पर उपयोग के योग्य बना देते हैं। वास्तव में संस्कार ही हमें परिपूर्ण मानव बनाते हैं। यदि हम संस्कारों का साथ छोड़ देंगे तो मानवता से भी दूर हो जाऐंगे। इसी से सामाजिकता व पारिवारिकता की भावना उत्पन्न होती है। अतः परिवारिक समरसता की भावना को ही सर्वोपरी समझकर हमें भविष्य में कार्य करना है जिससे कि समाज में नई उर्जा का संचार हो और देश की उन्नति में हम भागीदार बन सकें।

CA दामोदर सारडा, चंद्रपुर (महाराष्ट्र)
अतिथि सम्पादक

श्री द्विजेश्वरी माताजी

■ टीम SMT

श्री द्विजेश्वरी माताजी माहेश्वरी समाज की पचीसिया खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर माताजी के प्रति अन्य लोगों की भी अच्छी श्रद्धा है।

द्विजेश्वरी माताजी का मंदिर राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील में भुकरका गाँव में स्थित है। आसोज व चेत्र नवरात्रि में यहाँ विशेष आयोजन होते हैं। पचीसिया नख वाले परिवार में जन्में बच्चे का मुण्डन संस्कार व नवविवाहित दम्पत्ति का जात संस्कार यहाँ किया जाता है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिये मंदिर में कमरों की व्यवस्था है।

कैसे पहुँचें

यह मंदिर नोहर-रावतसार मार्ग पर नोहर से 9 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। सड़क मार्ग द्वारा नोहर से यहाँ बस द्वारा पहुँचा जा सकता है।

श्रीमद् भगवत ज्ञान, भक्ति व वैराग्य का संगम - पं. मनावत

श्री महेशधाम में हुआ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव-देशभर से आये श्रद्धालु

उज्जैन। श्रीमद् भागवत ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का संगम है। भागवत जीवन को संतुलित करती है। जीवन को श्रृंगारित करती है और जीवन को सदुपयोगी करती है। भागवत से चित्त की शुद्धि, मन की वृद्धि और धन की समृद्धि प्राप्त होती है। भागवत ना केवल अध्यात्म का बल्कि यह समाज का शास्त्र भी है। उक्त उद्‌गार श्री महेश धाम, अंकपात क्षेत्र में 18 से 24 जुलाई तक आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के अंतिम दिवस के समापन अवसर पर व्यासपीठ पर विराजमान मानस मर्मज्ञ पं. श्याम मनावत ने व्यक्त किये।

समापन के दिन कथा के पश्चात आयोजक सदस्य दिलीप लोया परिवार द्वारा तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। तुलसी विवाह पूरे विधि विधान के साथ मनाया। भगवान श्री कृष्ण की बारात का भव्य स्वागत किया गया। पूरा कथा परिसर तुलसी विवाह के उत्सव से कृष्णमय हो गया। समापन से पूर्व प्रातः हवन हुआ एवं सभी मूलपाठी बटुकों तथा पंडित राजेश उपाध्याय का आयोजन समिति द्वारा सम्मान किया गया। आयोजन के सभी सदस्यों ने भागवत पूजन कर व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी कार्यकर्ता और संगीत सहयोगियों का भी सम्मान किया।

आरती में अतिथि के रूप में माहेश्वरी समाज के कुलगुरु पंडित सोहन भट्ट, अक्षर विश्व के संपादक सुनील जैन, रश्मि माहेश्वरी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कथा की पूर्णाहुति पश्चात महाप्रसादी का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के सदस्य दिलीप लोया तथा शैलेंद्र राठी ने पंडित श्याम मनावत, सभी श्रोतागण तथा सभी सहयोगियों का आभार माना। संचालन कैलाश डागा ने किया।

घर के बने 56 भोग से लगा नैवेद्य

श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ 18 जुलाई को दोपहर 2 बजे निकली भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। शुभारम्भ राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग से हुआ। अगले दिवस 19 जुलाई को श्री ध्रुव चरित्र एवं नृसिंह अवतार, 20 जुलाई को श्री वामन अवतार, श्री रामजन्म व भरत कथा का आयोजन हुआ। 21 जुलाई को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। पं. मनावत जी ने कही कि विधि से विश्वास बड़ा होता है। ध्रुव को विधि से और प्रहलाद को विश्वास से भगवान मिले। 22 जुलाई को श्री गोवर्धन लीला प्रसंग के अवसर पर पं. मनावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपने सुख के लिए औरों के सुख को छीनना अतिक्रमण है परंतु औरों को सुख मिले इसके लिए अपने अधिकार से पीछे हट जाना प्रतिक्रमण है। अतिक्रमण से ही संघर्ष खड़ा होता है, प्रतिक्रमण से हर्ष पैदा होता है। जीवन में यदि किसी को सुख पहुंचाना चाहते हो तो जीवन में प्रतिक्रमण सीखो। संसार में वे ही पूज्य हुए हैं जो परमार्थ में आगे आए। स्वार्थ से अतिक्रमण और परमार्थ से प्रतिक्रमण की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर भव्य रूप से गोवर्धन पूजा की गई। सभी आयोजकगण परिवार अपने घरों से 56 से अधिक पकवान श्री गोवर्धन के निमित्त प्रसाद बना कर लाए थे। यहां पर गौ पूजन भी किया गया। 23 जुलाई को श्री कृष्ण मथुरा गमन आदि प्रसंग तथा अंतिम दिवस 24 जुलाई को सुदामा चरित्र एवं भागवत सार, हवन, पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी के साथ आयोजन का समापन हुआ।

इन्होंने सम्भाली कार्यक्रम की जिम्मेदारी

इस गरिमामय धार्मिक आयोजन के लिये "श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव आयोजन समिति" का गठन किया गया था। इस आयोजन समिति में पद्मश्री बंसीलाल राठी (चैन्नई), रामरतन लड्डा, महेश लड्डा, जगदीश राठी (तराना), रमेश हेड़ा, संदीप कुलश्रेष्ठ, जयप्रकाश राठी, दिनेश माहेश्वरी (इंदौर), दिलीप लोया, कैलाश डागा, भूपेंद्र भूतड़ा, मनसुख झंवर, नवल माहेश्वरी, उमेश मालू, महेंद्र परवाल, प्रेमलता देवपुरा, पुष्पा मंडोवरा, मंजू मंत्री (तराना), ओम पलोड, नरेंद्र चितलांग्या, प्रखर काकाणी, संतोष काबरा, अमित ईनाणी (इंदौर), लोकेन्द्र काबरा, अनिल मानधन्या, नवीन बाहेती, शैलेंद्र राठी, पुष्कर बाहेती आदि शामिल थे।

दक्षिणी राजस्थान युवा संगठन ने ली पद की पथ

भीलवाड़ा। दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान व नगर माहेश्वरी युवा संगठन के सान्निध्य में राष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के कोषाध्यक्ष राजकुमार काल्या, महासभा के संगठन मंत्री प्रवीण सोमानी, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद सोनी ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राघव कोठारी को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। समारोह में युवा, महिला व महासभा प्रदेश, जिला नगर के क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष व मंत्री, अन्य पदाधिकारी व समाज सेवक भी मौजूद थे। कार्यक्रम में दौरान सभी को जीवन संस्कारों की कई पुस्तिका वितरीत की गई व सभी को दुपट्टा व तिलक लगा कर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। दक्षिणी प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में प्रदेश के विभिन्न जगह कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें शुरुआत 20 तारीख से उदयपुर, कपासन, श्री सांवरिया सेठ भादशोदा में रात्रि विश्राम कर सुबह भगवान श्री सांवरिया के मंगला आरती के दर्शन किए। बाद में वहां से चित्तौड़गढ़, कन्नौज, सावा, सम्भूपुरा, बस्सी, नगरी, गंगरार, सोनियाना व अंत में भीलवाड़ा में सम्मान, अभिनंदन व शपथ ग्रहण समारोह श्री रामस्नेही वाटिका, भीलवाड़ा में संपन्न हुआ।

गीता मून्दड़ा हुई सम्मानित

दिल्ली। वन बन्धु परिषद को शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु लायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतर्गत लायंस काउंसिल ऑफ इंडिया SDG अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड पास्ट इंटरनेशनल प्रेसिडेंट नरेश अग्रवाल एवं तृतीय इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट ए पी सिंह के हाथों वनबंधु परिषद की ओर से राष्ट्रीय महामंत्री गीता मून्दड़ा ने ग्रहण किया।

संजीवनी को ग्लोबल अवार्ड

बैंगलौर। समाज सदस्य मधुसूदन काकानी की सुपुत्री संजीवनी ने अन्तर्राष्ट्रीय डिबेट स्पर्धा में ग्लोबल अवार्ड प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता दोहा (कतर) में आयोजित हुई थी।

विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन

इंदौर। श्री महेश सामाजिक पारमार्थिक संस्था द्वारा आगामी 30 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक त्रिदिवसीय अ.भा. माहेश्वरी विवाह योग्य - युवती एवं विशिष्ट प्रत्याशी परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र राठी, संस्था अध्यक्ष गोपाल कृष्ण मानधन्या तथा सचिव पुरुषोत्तम मानधन्या ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि यह युवक-युवती परिचय सम्मेलन दस्तूर गार्डन, फूटी कोठी चौराहा, स्कीम नं. 71, इन्दौर पर आयोजित होगा। इसमें शामिल होने के लिये पंजीयन फार्म श्री माहेश्वरी बोरवेल, 13 रत्नदीप टॉवर, नवलखा बस स्टेण्ड इन्दौर से प्राप्त कर जमा किये जा सकेंगे। इसमें शामिल होने के लिये पंजीयन शुल्क 2000 रुपये निर्धारित किया गया है। ई-मेल द्वारा भी पंजीयन फार्म प्रेषित किये जा सकेंगे।

हर इंसान हमेशा एक जैसा नहीं रहता, वक्त, हालात और लोग उसे बदलने पर मजबूर कर देते हैं।

ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं माँ नर्मदा चुनरी समर्पण

नागपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन और नगर माहेश्वरी महिला समिति के संयुक्त तत्वाधान में त्रि-दिवसीय उज्जैन, ओंकारेश्वर एवं महेश्वर ज्योतिर्लिंग यात्रा, श्रावण अधिक मास के पावन अवसर पर आयोजित की गई। यात्रा के प्रथम दिवस महिलाओं द्वारा उज्जैन महाकाल के दर्शन, पूजन तथा शयन आरती का लाभ लिया गया तथा महाकाल लोक का भ्रमण किया गया। साथ ही उज्जैन के विभिन्न मंदिरों और मां क्षिप्रा के दर्शन किए। यात्रा के द्वितीय दिवस ओंकारेश्वर ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग का दर्शन एवं पूजन-अर्चन किया। साथ ही नाव द्वारा मां नर्मदा परिक्रमा, मां नर्मदा-कावेरी संगम दर्शन का लाभ लिया। यात्रा के तृतीय दिवस महेश्वर में मां नर्मदाजी का पूजन एवं चुंदड़ी समर्पित कर उत्सव मनाया गया और रानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा प्रस्थापित महेश्वर भगवान के भी दर्शन किये। नागपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष प्रगति माहेश्वरी और नगर माहेश्वरी महिला समिति नागपुर की अध्यक्ष नीता सारडा के नेतृत्व में 25 महिलाओं ने इस यात्रा का आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन पूर्वाध्यक्ष डॉ विद्या लद्दड, आशा दुजारी, कांता चांडक, शांति कोठारी, सचिव मीनू भट्टड़ व ज्योति मंत्री, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ पूजा माहेश्वरी ने सहयोग दिया।

श्रावण सेवा शिविर का उद्घाटन

हरिपाल। माहेश्वरी सेवा समिति (अंतर्गत माहेश्वरी सभा) द्वारा संचालित माहेश्वरी सेवा सदन, बासुदेवपुर हरिपाल में आयोजित श्रावण सेवा शिविर का शुभारम्भ पश्चिम बंगाल सरकार के पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के राज्य मंत्री बेचाराम मन्ना के कर कमलों से हुआ। स्थानीय विधायिका डॉ. मन्ना भी विशेष रूप से उपस्थित थीं। दिनेश सोनी का कांवड़ियों की सुविधा के लिए शेड का निर्माण एवं नरेंद्र डागा का सेवा सदन प्रांगण में विश्राम कक्ष के बाहर शेड निर्माण तथा महेश राठी का इलेक्ट्रिकल सप्लाई मीटर रूम के नवीनीकरण एवं इलेक्ट्रिक सप्लाई की सुदृढ़ व्यवस्था हेतु दिए गए योगदान के लिए अभिनंदन किया गया। समिति के उपमंत्री पंचानन भट्टड़, सेवा सदन मंत्री महेश बिनानी, सदस्य प्रतिनिधि किशोर कुमार दम्माणी, मार्गदर्शक गोपाल बाकड़ी समाजसेवी लक्ष्मीकांत करवा आदि का विशेष सहयोग रहा। समाजोत्थान समिति के मंत्री मनमोहन राठी, शंकर लाल भट्टड़, अशोक सोनी, दिनेश सोनी, हरि मिमानी, राजेश कल्याणी आदि उपस्थित थे।

गट्टानी म.प्र. शासन से सम्मानित

भोपाल। वरिष्ठ साहित्यकार एवं सक्रिय समाजसेवी राजेन्द्र गट्टानी को मप्र सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा सम्मानित किया गया है! रवीन्द्र भवन में आयोजित समारोह में संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर, प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा, संस्कृति संचालक अदिति त्रिपाठी और साहित्य अकादमी निदेशक विकास दवे ने यह प्रतिष्ठित सम्मान शाल, श्रीफल, सम्मान पट्टिका के साथ 51 हजार रुपये की राशि भेंट कर प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी श्री माहेश्वरी टाइम्स में खरी-खरी कालम के नियमित लेखक हैं। इस अवसर पर वैद्यराज रमेश माहेश्वरी, त्रिलोक जाजू, रमेश लाखोटिया, संदीप मिज़ाजी, राजेन्द्र माहेश्वरी और दिनेश माहेश्वरी (जखोटिया) ने आदि ने उनका अभिनन्दन भी किया।

गुजरात प्रांतीय युवा संगठन की नयी टीम का गठन

अहमदाबाद। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन में सत्र 2023- 2026 के लिए रामप्रकाश झंवर अध्यक्ष (सूरत), मयंक बागडी मंत्री एवं प्रवीण माहेश्वरी का चयन उपाध्यक्ष के लिए अहमदाबाद से एवं ऋषि झंवर कार्य समिति राजकोट, निखिल काबरा संगठन मंत्री मोरबी, दिनेश राठी सांस्कृतिक मंत्री सूरत, सूनील हिरानी खेल मंत्री मोडासा का निर्विरोध चयन हुआ। विकास मुंदडा निवर्तमान अध्यक्ष एवं मनीष चांडक निवर्तमान कार्यसमिति सदस्य व वर्तमान संयुक्त मंत्री मध्यांचल ने सभी को धन्यवाद दिया।

विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित

पुणे। इस साल भी सांगवी परिसर महेश मंडल (पुणे) की ओर से सांगवी (पुणे) स्थित मराठी प्राथमिक शाला के 350 से ज्यादा जरूरतमंद विद्यार्थियो में शैक्षणिक सामग्री का वितरण सतीश लोहिया के हाथो किया गया। शैक्षणिक सामग्री में कंपास, नोटबुक, पेन्सिल, स्केच पेन, आदि शामिल रहे। इस मौके पर महेश मंडल के अध्यक्ष सतीश लोहिया, मुख्य अध्यापिका कल्पना सोनवणे, अनुप धीरन दिनेश लोहिया, दीपेश मालानी, पंकज पंपालिया आदि उपस्थित थे।

अखिल बने सबसे कम उम्र के CFO

भीलवाड़ा। चार्टर्ड अकाउंटेंट, मोटिवेशनल स्पीकर और अमेजन बेस्टसेलर 'लव इज बियॉन्ड एवरीथिंग' के लेखक अखिल माहेश्वरी को टाटा ग्रुप कंपनी नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम लिमिटेड का सीएफओ नियुक्त किया गया है। यह कंपनी डिफेंस सेक्टर में दिल्ली, नोएडा और हैदराबाद में कार्य करती है। 30 वर्ष की आयु में कामयाबी हासिल करने वाले अखिल कई सेक्टर्स जैसे कि एजुकेशन, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल, बैंकिंग, आईटी, एयरोस्पेस, डिफेंस आदि के लिए काम करने के साथ मुंबई की कुछ NGO संस्थाओं में अंडरप्रिविलेज्ड बच्चों के लिए भी काम करते हैं। राजेश माहेश्वरी और राधा माहेश्वरी आपके माता-पिता हैं।

सोनी अध्यक्ष, बांगड़ मंत्री मनोनीत

भीलवाडा। तिलक नगर माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित तिलक नगर महेश बचत समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन गत दिनों हुआ। इसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष जगदीश प्रसाद सोनी, मंत्री मनोज बांगड़, कोषाध्यक्ष सीएस अनिल सोमानी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा, संयुक्त मंत्री नवीन झंवर को मनोनीत किया गया। तिलक नगर क्षेत्र के अध्यक्ष राजेंद्र जागेटिया व मंत्री राजेंद्र पोरवाल ने नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

पूल स्नूकर टूर्नामेंट का आयोजन

रांची। स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 23 जुलाई को गेमर्स गैराज में पूल, स्नूकर और रेड बॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट चेयरमैन अक्षय मालपानी, रौनक सारडा और रितेश खटोर ने माहेश्वरी युवा संगठन के सदस्यों के साथ अपनी योजना और कुशल निष्पादन से इस आयोजन को सफल बनाया। यह आयोजन कौशल और मनोरंजन का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन रहा। इसमें पूल विजेता-विनय मंत्री, पूल उपविजेता-अंकित फलोड, स्नूकर विजेता-विवेक शारदा, स्नूकर उपविजेता-विनय मंत्री, रेड बोल विजेता-रौनक सारदा तथा रेड बोल उपविजेता-अभिषेक सोढानी घोषित किये गये। माहेश्वरी युवा संगठन रांची के अध्यक्ष विनय मंत्री सचिव हेमंत माहेश्वरी, पूर्व अध्यक्ष सौरभ साबू एवं पंकज साबू, पूर्व सचिव अंकुर डागा के साथ उत्सव मंत्री श्याम बिहानी तथा माहेश्वरी युवा संगठन और माहेश्वरी महासभा के सदस्य भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

हिरेन्द्र लखोटिया ICAS में प्रथम

जयपुर। प्रशासनिक सेवाओं में से एक अतिमहत्वपूर्ण Indian Cost Accounting Service IAS समकक्ष जैसी कठिन परीक्षा में पूरे भारत में प्रथम स्थान स्वर्गीय जुगलकिशोर, रमेशकुमार लखोटिया के सुपुत्र हितेन्द्र लखोटिया ने प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

महिला संगठन की बैठक संपन्न

(सनावद म.प्र.)। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी बैठक अभिव्यक्ति का आयोजन 5 जुलाई को बंधन रिसोर्ट मोरटका (सनावद) में खरगोन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष उषा सोडानी, प्रदेश मंत्री शोभा माहेश्वरी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनुपमा बाहेती, अरुणा बाहेती, राष्ट्रीय समिति प्रभारी नम्रता बियानी आदि उपस्थिति थी। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रदेश सभा अध्यक्ष पुष्प माहेश्वरी, प्रकाश बाहेती, भरत तोतला भी उपस्थित थे। इस गौरवमयी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि- सरोज नागोरी, शारदा अजमेरा एवं स्मिता बियानी थीं। जिला व प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत उद्बोधन के पश्चात, बेबी वियांशी बाहेती का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर सम्मान किया गया। स्वास्थ्य सुरक्षा पर डॉ. दीपिका मूंदड़ा एवं मोनिका चोखड़ा ने जानकारी दी। चिंतन सत्र में श्री रामचरितमानस के प्रसंगों की वर्तमान में प्रासंगिकता पर संवाद सत्र आयोजन संयोजिका आरती सोडाऩी, अर्चना भूतड़ा द्वारा किया गया। ज़िलाध्यक्षों ने अपने जिलों के सामाजिक कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। उम्र के आखरी मोड़ पर आर्थिक सुरक्षा-वसीयत पर आधारित लघु नाटिका एवं प्रेरणा गीत पर विशेष प्रस्तुति खरगोन जिला संगठन द्वारा दी गई। विभिन्न ट्रस्ट द्वारा दी जाने वाली सहायता पर प्रमिला गिलडा ने जानकारी दी। आभार जिला सचिव व प्रदेश सचिव द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन वनिता राठी एवं दीप्ति मुंदडा द्वारा व्यक्त किया गया।

सावन महोत्सव का किया आयोजन

भीलवाडा। आरकेआरसी माहेश्वरी महिला संगठन की सदस्याओं द्वारा अध्यक्ष चेतना जागेटिया व सचिव मीनू झंवर के सान्निध्य में सावन महोत्सव का आयोजन आरकेआरसी माहेश्वरी भवन में किया गया। इसमें सभी सदस्याएं लहंगा चुन्नी व रंग-बिरंगे लहरिए में सज धज कर आई। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा व पुराना शहर माहेश्वरी महिला मंडल की सचिव पूनम पोरवाल उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान लड्डू गोपाल की झांकी सजाई गई और सेल्फी प्वाइंट भी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। मीडिया प्रभारी सुनीता काबरा ने बताया कि सावन महोत्सव में विभिन्न तरह के गेम्स, हाउजी, अंताक्षरी व मिसेज सावन आदि प्रतियोगिताएं रखी गई। निवर्तमान अध्यक्ष इंदिरा हेड़ा, लाड लढ़ा, वंदना नवाल, स्नेहलता तोषनीवाल, सुनीता मूंदड़ा, चंद्रकांता गगरानी, सुनीता नरानीवाल, रंजना बिड़ला, विनीता नवाल आदि कई सदस्याएं उपस्थित थी।

सावन महोत्सव का किया आयोजन

भीलवाडा। तिलक नगर माहेश्वरी महिला मंडल ने नेहरू विहार सेक्टर 13 के पार्क में अध्यक्ष साधना बाहेती व सचिव आभा सोमानी के नेतृत्व में हर्षोल्लास से सावन महोत्सव मनाया। इस दौरान सभी सखियों ने उमंग व उत्साह के साथ सावन के पारंपरिक परिधान लाल गुलाबी हरा पचरंगी लहरिया पहन कर सज धज कर बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया। मीडिया प्रभारी अरुणा सारड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के शुभारंभ पर दिवंगतों को दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजली अर्पित की। तत्पश्चात सभी ने एक दूसरे को अपना परिचय दे कर अवगत कराया। विभिन्न तरह के कार्यक्रम में भाग लिया। पौधारोपण कर के प्रकृति को स्वच्छ व सुंदर संजोए रखने का संकल्प लिया। महिलाओं का पसंदीदा गेम हाऊजी खेला गया व सावन के झूले का लुत्फ उठाने के साथ फोटोग्राफी, वीडियो बनाकर सेल्फी पॉइंट का इंजॉय किया। कार्यक्रम में शशि कला डाड, मोनिका माहेश्वरी, अंकिता कोगटा, अमिता नुवाल, चंद्रकला लड्ढा, ऊषा नकलक, अंतिमा बसेर, बबीता मूंदड़ा, सपना नकलक, पूनम सोमानी, उमा मूंदड़ा, स्वाति नुवाल आदि सदस्याएं उपस्थित रहीं।

दिव्यांगों को व्हील चेयर भेंट

कोयंबटूर। गत 19 जुलाई को माहेश्वरी सुरभि महिला मंडल, कोयंबटूर द्वारा चार दिव्यांग (विकलांग) लोगों को 4 व्हील चेयर प्रदान करके उनकी सहायता की गई। इस कार्यक्रम के लिए सुरभि महिला मंडल कोयंबटूर अध्यक्षा समेत अन्य सदस्यों ने पहल की। उक्त जानकारी मनोज गग्गड़ कोयंबटूर ने दी।

कल्याणी बने व्यापार उद्योग मंडल अध्यक्ष

बीकानेर। बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के अध्यक्ष पद पर मनमोहन कल्याणी निर्वाचित घोषित किए गए हैं। बीकानेर व्यापार उद्योग मंडल के कुल 345 सदस्यों में से 319 सदस्यों द्वारा मतदान किया गया। श्री कल्याणी ने कुल 213 मत प्राप्त किए। श्री कल्याणी ने निकटतम प्रतिद्वंदी से 118 मत अधिक प्राप्त कर उपरोक्त जीत हासिल की है। बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के संगठन मन्त्री डॉ. राधेश्याम लाहोटी ने उक्त जानकारी देते हुए जिला सभा की ओर से श्री कल्याणी को शुभकामनाऐं दीं।

योग शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। स्थानीय माहश्वरी मंडल द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सप्तदिवसीय योग शिविर का आयोजन फरीदाबाद शाखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। 15 से 21 जून 2023 तक सुबह 5.30 बजे से योगाचार्य अमन सिंह शास्त्री एवं योग संयोजिका नीतू माहेश्वरी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस मौके पर योगाचार्य अमन सिंह शास्त्री ने योग करने से होने वाले फायदों से अवगत कराया। इस शिविर में महेश्वरी मंडल से अध्यक्ष राम कुमार राठी, सचिव महेश गट्टानी, रमेश झंवर, महिला संगठन अध्यक्षा पुप्पा झंवर, मंडल उपाध्यक्ष महावीर बिहानी आदि उपस्थित थे।

विधायक ने किया सोनी का सम्मान

नागपुर। विधायक कृष्णा खोपड़े ने शरद श्याम सोनी का अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन का अध्यक्ष चुने जाने पर पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया। संगठन का अध्यक्ष चुने जाने के बाद शरद सोनी पहली बार नागपुर पहुंचे। श्यामसुंदर सोनी परिवार से उषा सोनी, रूपाली सोनी, विहान सोनी आदि उपस्थित थे।

लोकतंत्र के सेनानी बजाज का हुआ सम्मान

नोखा (राज.)। हाल ही में असम सरकार ने लोकतंत्र के सेनानियों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें नोखा के आनंदीलाल बजाज का भी सम्मान किया गया। गौरतलब है कि 25 जून 1975 को लगे आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा के लिये इन्होंने कारावास में कठोर यातनाऐं सहन की थी। असम सरकार से सम्मानित होकर नोखा आने पर बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा व माहेश्वरी सभा नोखा द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन

कोलकाता। दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा और दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सुबह 6.30 बजे से देशो प्रिया पार्क कोलकाता में योग शिविर का आयोजन किया गया। श्रीमती चिरना एवं हीरेन कपाड़िया ने सभी को योग एवं ध्यान के बारे में जानकारी दी एवं सभी को योग एवं ध्यान की शिक्षा भी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेश नागौरी, मंत्री मुरली मनोहर मंधाना, वित्त मंत्री अरुण गगन, दक्षिण कोलकाता से माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष राम किशोर मंधाना, सचिव देवेश नागोरी, उपाध्यक्ष पुनीत डागा, वित्त मंत्री अभिषेक तोषनीवाल सहित सभी सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। डॉ. एस.बी. नागौरी, किशन मल्ल, सुंदर काबरा, अशोक मल्ल, श्याम सुंदर मंधाना, सुरेंद्र खेमानी आदि उपस्थित थे।

सोनी व चांडक का हुआ स्वागत

नागपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष शरद सोनी एवं उपाध्यक्ष (मध्यांचल) हिमांशु चांडक का नगर आगमन पर झोन-06 और झोन-05 ने भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन मंत्री नगर माहेश्वरी सभा सुरेश गांधी, झोन-5 के अध्यक्ष-हरीश राठी, झोन 6 के सचिव-अजय नबीरा, अजय डागा, मुकेश राठी, संतोष राठी, प्रकाश जावंधिया, हरीश कलंत्री, मनोज चांडक आदि उपस्थित थे।

कैंसर जाँच परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर। एचसीजी कैंसर सेन्टर द्वारा रामजीदास फाउण्डेशन के संयोजन में निःशुल्क कैंसर जांच व परामर्श शिविर का गत 24 जून को आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला के अध्यक्ष रमेश भय्या तथा जिला माहेश्वरी संगठन जोन-5 की अध्यक्ष रेखा धूत थे। रामजीदास मोदानी फाउण्डेशन के अध्यक्ष एस.एन. मोदानी तथा सचिव डॉ. रवि मोदानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में डॉ. कार्तिक रस्तोगी द्वारा प्रातः 11 से 2 बजे तक रोगियों का निःशुल्क परीक्षण कर परामर्श प्रदान किया गया। इस आयोजन में रमेश भराड़िया, राधेश्याम काबरा, लक्ष्मीनारायण मोदानी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

युवा संगठन अध्यक्ष-कोषाध्यक्ष का स्वागत

बागोर। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष शरद सोनी एवं कोषाध्यक्ष रूपेश सोनी ने बागोर कुलदेवी श्री सेवल्या माताजी के दर्शन कर समाज एवम राष्ट्र की खुशहाली की कामना की। दर्शन के पश्चात् सोनी निवास पर सोनी परिवार के बालमुकुंद रामजस सोनी, माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राम बगस सोमानी, रामप्रकाश सोमानी व बागोर उप सरपंच घनश्याम देपुरा आदि ने उनका स्वागत किया।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का स्वागत

नागपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के गत 25 जून को जयपुर में हुए चुनावों में नागपुर निवासी हिमांशु जुगलकिशोर चांडक का प्रचंड मतों से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मध्यांचल) के पद पर निर्वाचन हुआ। चुनाव में विजय के बाद हिमांशु चांडक का नागपुर आगमन गत 27 जून को हुआ। उनके नगर आगमन पर नागपुर के युवाओं द्वारा उनका स्वागत पंचायत भवन सीताबर्डी में किया गया। इस अवसर पर हेमंत राठी, शैलेश मोकाती, योगेश सावल, संजय नबीरा, नारायण तोषनीवाल, श्रीकांत पनपलिया, नीरज गांधी, अखिल राठी, प्रतीक बागड़ी, सुमित मोहता, शिरीष मूंधड़ा, शरद लखोटिया, सुमित बागड़ी, निखिल गांधी, आशीष लाहोटी, यश गोदानी आदि उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु पूजन

शाजापुर। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर खजांची मंदिर में श्री गुरु महाराज का पूजन गुरु भक्तों एवं माहेश्वरी समाज द्वारा किया गया। उक्त जानकारी कमल नारायण माहेश्वरी ने दी।

ऐप प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

कानपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में युगल सिद्धा गठबंधन समिति ने 12 जून 2023 जूम प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ की उपस्थिति में ऐप की प्रशिक्षण प्रश्नोत्तरी की कार्यशाला आयोजित की। इसमें ऐप का नवीनीकरण किया गया व नाम और logo बदल कर ABMMS युगल सिद्धा गठबंधन का नाम दिया गया। पहले सिर्फ एंड्राइड फोन वाली महिलाऐं इस पर काम कर सकती थी, लेकिन अब आईफोन व लैपटॉप से भी लॉगिन करके यूज कर सकते हैं। ऐप में लॉगिन के लिए फॉर्म बनाया गया जिसके जरिए 200 महिलाओं ने फॉर्म भरा। इन सभी को एप में रजिस्टर करके प्रशिक्षण देने के लिए 5 वीडियो की एक प्रशिक्षण सीरीज बनाई गई जिसमें एप के सभी पहलुओं को विस्तार से समझाया गया। अभिषेक राठी ने सभी के प्रश्नों के उत्तर दिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ व महामंत्री ज्योति राठी का शाब्दिक स्वागत समिति प्रदर्शक अनिता जावंदिया व समिति प्रभारी शर्मिला राठी ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा आज के दौर में समाज में बच्चों के विवाह संबंधों की समस्या जटिल होती जा रही है जिसके निवारणार्थ टेक्नोलॉजी का प्रयोग करते हुए ऐप के माध्यम से बच्चों के रिश्ते कराने का प्रयास राष्ट्रीय महिला संगठन के अंतर्गत उक्त समिति द्वारा किया जा रहा है। आभार दक्षिणांचल सह प्रभारी सरिता ने व्यक्त किया।

व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 18 जून को माहेश्वरी भवन के मुख्य सभागार में किसी भी व्यक्ति के जीवन में स्व प्रयासों और अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाने के जीवन संदर्भित विषय पर एक व्याख्यान कार्यशाला का आयोजन विषय 'मैं और मेरी पहचान' पर किया गया। इस कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय प्राइम ट्रेनर तथा लब्ध प्रतिष्ठित लाइफ कोच अनिल जाजोदिया ने श्रोताओं को जीवन संदर्भ के इस उपयोगी विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इस आयोजन का शुभारंभ भरानी युगल द्वारा महेश स्तुति के पाठ के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत और कार्यक्रम की अध्यक्षता इन्दू चाण्डक, संचालन रश्मि राठी व सरिता दम्मानी द्वारा किया गया। आभार प्रकाश मंत्री, सुषमा कोठारी तथा कोषाध्यक्ष वीणा मूंदड़ा द्वारा व्यक्त किया गया।

आपकी उपस्थिति से कोई व्यक्ति स्वयं के दुख भूल जाय यही आपकी उपस्थिति की सार्थकता है।

महारुद्राभिषेक का किया आयोजन

रायपुर। माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा गत 9 जुलाई सावन माह में माहेश्वरी भवन डूंडा में सामूहिक महारुद्राभिषेक करवाया गया। इसमें 31 जोड़ों ने भगवान शिव का अभिषेक कर पुण्य फल अर्जित किया। इसमें 11 पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण से रुद्राभिषेक करवाया गया। तत्पश्चात महाआरती कर सभी ने प्रसादी का आनंद उठाया। नीलिमा लड्ढा ने बताया कि इस कार्यक्रम में अखिल भारती माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री ज्योति राठी, स्वास्थ्य सिद्धा मध्यांचल सह प्रभारी प्रतिभा नत्थानी, प्रदेश कोषाध्यक्ष नन्दा भट्टर, अध्यक्ष प्रगति कोठारी, सचिव कल्पना राठी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत काबरा,सचिव कमल किशोर राठी, कार्यक्रम संयोजिका शशि बागड़ी, संगीता चांडक, रमा मल, शशिकला काबरा सहित सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ।

शांति धाम में पूजा कक्ष का निर्माण

चंद्रपूर। माहेश्वरी सेवा समिति (महेश भवन) द्वारा शांतिधाम में पूजा कक्ष का निर्माण किया गया। इस शांति पूजा कक्ष के लिए चांडक परिवार के उमेश चांडक और गिरीश चांडक ने अपने पिता स्वर्गीय श्री सूरजमल चांडक की स्मृति में मुख्य दानदाता के रूप में अपनी सेवाएं दी। लोकार्पण विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलकिशोर माहेश्वरी की प्रमुख उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर शांतिधाम संस्था के कमलकिशोर राठी, हरीशभाई गांधी भी उपस्थित थे। संचालन माहेश्वरी सेवा समिति के सचिव सुरेश राठी ने किया। आभार प्रदर्शन चंद्रपुर जिला माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष और माहेश्वरी सेवा समिति के कोषाध्यक्ष शिव सारडा ने किया। समारोह में चांडक परिवार का भी अतिथियों की ओर से सत्कार किया गया। कार्यक्रम में युवक मंडल के अध्यक्ष शक्ति धूत, सचिव श्रीकांत भट्टड़ एवं उनकी टीम, सेवा समिति के सुनील भट्टड, सुधीर बजाज, राजकुमार जाजू, राजेश काकानी एवं महेश्वरी सेवा समिति के अन्य कार्यकारिणी सदस्यों आदि का योगदान रहा। कमल जाजू, गिरधर राठी, मोहन मूंदड़ा, हेमंत चांडक, दिनेश बजाज, संदीप माहेश्वरी, अनील राठी, अरुण भूतड़ा, राजू मालू, गौरीशंकर मंत्री, प्रभाकर मंत्री, संदीप बजाज, श्रवण मंत्री आदि उपस्थित थे।

महेश नवमी पर हुए आयोजन

फरीदाबाद। माहेश्वरी मंडल द्वारा महेश नवमी के पावन पर्व को बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। गत 29 मई 2023 को प्रात 6:00 बजे महेश्वरी भवन से प्रभातफेरी का भव्य आयोजन किया गया। शाम को 6:00 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। कार्यक्रम उपरांत भोजन प्रसादी का आनंद लिया। 4 जून 2023 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर को 2:30 बजे तक ठंडे शरबत की छबील एवं भंडारे का आयोजन किया गया। माहेश्वरी मंडल सचिव महेश गट्टानी ने बताया कि महिला संगठन अध्यक्षा पुष्पा झंवर, ममता भट्ट, संगीता केला, शकुंतला बागड़ी एवं उनकी पूरी टीम, युवा संगठन अध्यक्ष मोहित झावर, विकास झंवर, हितेश पेरीवाल, रामस्वरूप चांडक, हितेश बिहानी एवं उनकी टीम, पूर्व अध्यक्ष नारायण प्रसाद झांवर, मंडल सह सचिव राकेश सोनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महावीर बिहानी, उपाध्यक्ष संजय सोमानी, संगठन मंत्री मनीष नेवर आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। 28 मई 2023 को प्रशासनिक सेवा - कॅरियर गाइडेंस एवं मोटिवेशन प्रोग्राम का आयोजन माहेश्वरी मंडल फरीदाबाद द्वारा युवा संगठन, महिला संगठन एवं मिशन माहेश्वरी आईएस 100 के तत्वावधान में किया गया।

तुलसी पौधारोपण का आह्वान

झारखंड बिहार प्रदेश महिला समिति अध्यक्षा श्रीमती निर्मला लड्ढा तुलसी पौधा रोपण करते हुए

झारखंड-बिहार प्रदेश। देवशयनी एकादशी के दिन झारखण्ड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला समिति ने हर घर तुलसी के विचार द्वारा प्रदेश के सभी घरों में तुलसी पौधारोपण का आह्वान किया। प्रदेश की सभी शाखाओं की महिला समिति ने इस में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। समिति की सदस्यों के साथ समाज की अन्य महिलाओं ने भी हरिप्रिया तुलसी महारानी के पौधे को रोपित किया। प्रदेश द्वारा आयोजित प्रथम कार्यक्रम देवशयनी एकादशी पर रांची, चाईबासा, कोडरमा, देवघर, मुजफ्फरपुर, पटना, गुलाबबाग, जमशेदपु, करजाइन, फारबिशगंज, जोगबनी, गुमला आदि की सदस्याओं ने बहुत उत्साहित होकर अपने घरों में तुलसी पौधारोपण किया।

किसी को गलत समझना बहुत आसान होता है पर जिस बात के लिए गलत समझ रहे हो उस बात को समझना बहुत ही मुश्किल होता है।

महिला संगठन द्वारा रेम्पवॉक कार्यक्रम

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-2 द्वारा गत 5 जुलाई को अम्बाबाडी में जे.के. जे. ज्वैलर्स के हाल में रेम्पवॉक कार्यक्रम आयोजित किया गया । क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष राजोल तापड़िया के अनुसार जोन-2 की 15 महिलाओं ने प्रस्तुतियाँ दी। क्वीन का अवार्ड पूजा झंवर को, प्रथम रनरअप अवार्ड रूचि मेहता, द्वितीय रनरअप अवार्ड मृदुला सोमानी को प्राप्त हुआ। चार्मिंग महिला अवार्ड खुशबू झंवर तथा श्रेष्ठ हास्य अवार्ड शोभना मालपानी को दिया गया। क्षेत्रीय संगठन की मंत्री मंजू मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रेम्पवाक थीम पर बना तम्बोला खेल था। इसका संचालन संयुक्त मंत्री मीता लाखोटिया एवं कोषाध्यक्ष रेखा लड्ढा ने किया। संयुक्त मंत्री शोभा साबू ने बताया कि निर्णायक मंडल में ग्रेटर निगम जयपुर की पार्षद प्रियंका अग्रवाल एवं सीमा साबू शामिल थी। सभी पुरस्कारों की प्रायोजक मनीषा - सुरेश कालानी थी। उपाध्यक्ष ज्ञान लाहोटी ने बताया कि कार्यक्रम में जिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष - उमा सोमानी, जिला मंत्री सविता राठी सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थीं।

पुत्री जन्म पर बहू सम्मानित

जयपुर। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम परवाल ने परवाल परिवार की एक बहू डॉ. शालिनी परवाल को 3 पुत्रियों को जन्म देने पर परिवारजनों की उपस्थिति में सम्मानित किया। श्रीमती शकुन्तला देवी राधेश्याम परवाल फाउन्डेशन के सौजन्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा डॉ. शालिनी को 3 चांदी के सिक्के प्रदान किए गए। इससे पूर्व भी श्री परवाल 10 बहुओं को सम्मानित कर चुके हैं - यह ग्यारवीं बहू का सम्मान था। डॉ. शालिनी डॉ. मोहित परवाल की पत्नी तथा लक्ष्मी एवं गिरधर दास परवाल की पुत्रवधु हैं। शालिनी की तीन पुत्रियाँ है। सभी का जन्म अमेरिका में ही हुआ था। कई वर्षों बाद पारिवारिक समारोह में भाग लेने हेतु जयपुर आने पर उसको सम्मानित करने का अवसर मिला। इस अवसर पर डॉ. मोहित एवं उनकी तीनों पुत्रियाँ भी उपस्थित थी।

लहरिया उत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-6 द्वारा 7 जुलाई, 2023 को सावन के स्वागत में लहरिया उत्सव मनाया गया। क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष सुलभा सारड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुषमा सोनी एवं सुधा मोदानी तथा विशिष्ट अतिथि पूनम काबरा, इन्दिरा लोहिया एवं शशि परवाल थी। संगठन की सचिव अनिला मेघा झंवर ने बताया कि कार्यक्रम में सभी महिलाएं रंग-बिरंगे लहरिया पहन कर आई थी। इस अवसर पर किचन क्वीन के रूप में एक प्रतियोगिता भी रखी गई थी जिसमें महिलाओं ने केटवॉक कर सुन्दर प्रस्तुतियाँ दी। साथ ही तम्बोला एवं अन्य प्रतियोगिताएं भी हुई। सभी श्रेष्ठ प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया। नुपूर मोदानी, हेमलता शारदा, सुलोचना बांगड, मंजु जाजू, सीमा मूंदड़ा, अनिता परवाल आदि उपस्थित रहीं।

डॉ. सोमानी अध्यक्ष - लखोटिया सचिव

इन्दौर। लायन्स क्लब ऑफ इन्दौर ईस्ट के वर्ष 2023 -24 के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन निर्विरोध हुआ। इसमें अध्यक्ष डॉ. मनोहर दास सोमानी, प्रथम उपाध्यक्ष आरती शरद मेहता, सचिव किरण कैलाश लखोटिया, सहसचिव डॉ. डी. के. गुप्ता का मनोनयन हुआ।

खरी-खरी...

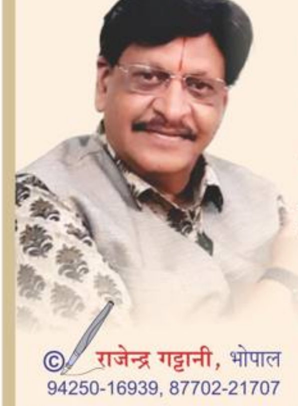

मानव मन से शुष्क हुआ
संवेदन का निर्झर लगता है

वाणी से नवनीत बरसता
किन्तु हृदय पत्थर लगता है

ऐसे दुहरे चिंतन वालों से
प्रभु रक्षा करें आप ही

सह तो लूँगा चुभन शूल की
किन्तु फूल से डर लगता है

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

हनुमान चरित्र कथा का आयोजन

डीडवाना। बाल ब्रह्मचारी हनुमानजी ने युवा वर्ग का आह्वान करते विवाह का महत्व बताया, साथ ही नारी की भूमिका पर भी प्रकाश डाला है। उक्त विचार माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल एवम् मध्य क्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित हनुमान चरित्र में कथा वाचक पंडित पवन तिवारी कांटा फोड वाले ने व्यक्त किए। अध्यक्ष सुषमा मालू ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय प्रमुख रामदयाल महाराज के आशीर्वाद एवं रमेश शकुंतला व मनोज किरण की यजमानी में शोभायात्रा निकाली गई। सचिव सविता भंगड़िया ने बताया कि अतुल आशा सिंगी से पूजन करवा कर कथा का श्री गणेश किया गया। कार्यक्रम संयोजक ज्योति मुछाल व प्रीति काबरा थीं। संचालन वीणा सोनी एवं आभार प्रदर्शन प्रचार सचिव सुधा मालू ने किया। इस अवसर पर इंदौर जिला माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामस्वरूप धूत, पवन भलिका, डिंपल माहेश्वरी, मंजु भलिका, ऊषा काबरा, शशि पटवा, उर्मिला मूंदड़ा आदि उपस्थित थे।

महेश नवमी का हुआ आयोजन

बिराटनगर। माहेश्वरी समाज बिराटनगर ने महेश नवमी कार्यक्रम आनन्द मारू की अध्यक्षता एवं अमित सारडा के संयोजन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। 26 मई दिन शनिवार को डी.पी.एस. स्कूल में खेल-कूद की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। 28 मई दिन सोमवार को सत्यनारायण मंदिर में एक शाम महेश के नाम भजन कार्यक्रम रखा गया। 29 मई को प्रातः समाज बन्धुओं के साथ विभिन्न झांकी सहित प्रभातफेरी एवं तदुपरान्त सत्यनारायण मंदिर में भगवान उमा महेश की पूजा-अर्चना की गई। इसी दिन गोशाला में गायों को रोटी, गुड़, हराचारा खिलाने के साथ समाज बन्धुओं से एकत्रित राशि गोशाला प्रबंधक को भेंट की गई। इसी दिन शाम को स्पोर्ट्स में स्विमिंग तथा स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। 3 जून को गोपाल फन पार्क कटहरी में महेश नवमी पर विशेष समारोह आयोजित किया गया। समारोह के प्रमुख अतिथि नेपाल माहेश्वरी परिषद के मूलचंद राठी थे। नेपाल माहेश्वरी परिषद के संस्थापक 5 सदस्यों का केंद्र पत्र प्रदान कर विशेष समारोह में सम्मान किया गया।

महेश नवमी का शताब्दी वर्ष

कासगंज (उ.प्र.)। श्री डीडू माहेश्वरी युवक मंडल (रजि.) द्वारा महेश नवमी महोत्सव का शताब्दी वर्ष मनाया गया। इस महोत्सव में साप्ताहिक कार्यक्रमों को बहुत ही सादगी के साथ मंडल कमेटी एवं महिला समिति द्वारा मनाया गया। साप्ताहिक कार्यक्रमों का शुभारंभ शिवालय मंदिर पर भगवान शिव की प्रतिमा पर पूजा अर्चना एवं जलाभिषेक से शुरू हुआ। महेश्वरी समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक एवं मनोरंजन के साथ समाज को संदेश देने वाले भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मंडल कमेटी द्वारा वृक्षारोपण में अपने ही समाज की जमीन पर एक सौ एक वृक्ष लगाए गए। इसी क्रम में मेधावी छात्र-छात्राओं एवं वृद्धजन का सम्मान भी किया गया। मुख्य अतिथि अशोक सोमानी उप सभापति उत्तरांचल एवं रजनीकांत माहेश्वरी सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश सरकार एवं मीना माहेश्वरी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कासगंज मौजूद थे। मुख्य अतिथि श्री सोमानी ने महासभा की योजनाओं के बारे में कासगंज समाज के माहेश्वरी बंधुओं को जानकारी दी। अंतिम पड़ाव पर महेश भोज का आयोजन किया। मंडल कार्यकारिणी के अध्यक्ष अरविंद काबरा, मंत्री सुनील कांत दरक, उपाध्यक्ष देवेंद्र मुंदड़ा, उप मंत्री ह्रदेश करबा, प्रबंधक राजीव काबरा, उप प्रबंधक दीपक कासट, गोपाल झंवर, राहुल माहेश्वरी कोषाध्यक्ष सुनील दरगढ, निरीक्षक प्रदीप खटोड़ आदि उपस्थित थे।

भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग

बीकानेर। ग्रुप ऑफ भगत सिंह के कार्यकारिणी सदस्यों ने ग्रुप के संरक्षक नित्यानंद पारीक के नेतृत्व में संभागीय आयुक्त बीकानेर डॉ. नीरज के. पवन से भेंट करते हुए शहीद भगत सिंह की प्रतिमा बीकानेर में भी स्थापित करने के लिए स्थान उपलब्ध करवाने की मांग की। ग्रुप के महासचिव पवन राठी ने बताया कि संभागीय आयुक्त महोदय ने तुरंत प्रभाव से कार्यवाही करते हुए पब्लिक पार्क स्थित तुलसी सर्किल के पास शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापना करने हेतु स्थान उपलब्ध करवाने की स्वीकृति देते हुए अपने स्तर पर आदेश जारी किए।

शब्दों के दाँत नहीं होते पर ये काट लेते हैं
दीवारें खड़ी किये बगैर हमको बाँट देते हैं।

अबैकस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

मुम्बई। माहेश्वरी मंडल भायन्दर, (युवा समिति) मुम्बई एवं ब्रेनविटा अबेकस द्वारा लेखिका कविता जाखोटिया के सान्निध्य में जयपुर से आई टीम ने बच्चों को गणित विषय में रुचि पैदा करते हुए उन्हें कठिन से कठिन प्रश्न मात्र 10 दिन में, चुटकियों में हल करना सिखाया। माहेश्वरी मंडल युवा समिति के अध्यक्ष संजीव जाखोटिया और सचिव पवन बाहेती के प्रयास से ब्रेनविटा अबैकस प्रशिक्षण के इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण शिविर मे शिक्षा प्राप्त कर चुके बच्चों एवं अभिभावकों ने युवा टीम की सराहना की एवं भविष्य में ऐसे शिक्षाप्रद कार्यक्रमो का आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह मे मंडल अध्यक्ष नटवर डागा, सचिव नारायण तोषनीवाल, महिला समिति अध्यक्ष मंजु मालपानी, सचिव सुधा कांकाणी आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

राठी का पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया

नागपुर। पौधारोपण कर नगर माहेश्वरी सभा 'झोन-6 ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के मध्यांचल संयुक्त मंत्री दिनेश राठी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर अनिल सोले (माजी आमदार), शांतनु येरपुडे संपर्क प्रमुख भाजपा दक्षिण-पश्चिम, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यकारणी सदस्य योगेश नावंदर, निरज लखोटिया, कोषाध्यक्ष विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन सीए राजेश काबरा की प्रमुख उपस्थिति में पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया गया। प्रकाश पनपालिया, अजय नबीरा, प्रशांत मूंधड़ा (प्रकल्प संयोजक), सुनील डागा, संतोष राठी, गिरीश चांडक, अजय डागा, मुकेश राठी, पवन झंवर आदि उपस्थित थे।

प्रवासी माहेश्वरी परिवारो का मिलन समारोह

हरसोर। आगामी 18-19 नवंबर को दीपावली के शुभ अवसर पर हरसोर ग्राम में ग्राम के सभी प्रवासी माहेश्वरी समाज बन्धुओ का मिलन समारोह रखा गया है। हरसोर ग्राम के माहेश्वरी परिवार पूरे भारतवर्ष में विभिन्न शहरों मे बसे हुए हैं, जो लगभग 100 से 200 वर्ष पूर्व से आये हुए हैं। नांदेड़, लातूर, सोलापुर, राजौरा, वाशिम, नागपुर, बीजापुर, सेडम, गुलबर्गा, हैदराबाद, इचलकरंजी, पूणे, मुबंई, सुरत आदि शहरों से हरसोर आने हेतु अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इच्छुक हरसोर निवासी इसके लिये अशोक बाहेती, रामअवतार तापड़िया, रमेश चितलांगिया आदि से सम्पर्क कर सकते हैं।

सोनी का किया स्वागत

नागपुर। श्री माहेश्वरी युवक संघ द्वारा जयपुर में संपन्न हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव में जीत के बाद प्रथम नागपुर आगमन पर नवनिर्वाचित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संघटन के अध्यक्ष शरद सोनी का भव्य स्वागत किया गया। श्री माहेश्वरी युवक संघ परिवार से 100 समाज बंधु हवाई अड्डे पर ढोल नगाड़े, फूलों की माला, मिठाई के साथ स्वागत हेतु पहुँचे। भाई शरद सोनी आगमन पश्चात सीधे गणेश टेकड़ी मंदिर भगवान गणेशजी का आशीर्वाद लेने पहुँचे। वहाँ से अपने निवास स्थान के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्षः पुरुषोत्तम मालु व सचिव रमावतार तोतला, श्री माहेश्वरी युवक संघ परिवार से संस्थापक शिवराज लाहोटी, राधेश्याम सोनी, भूतपूर्व अध्यक्ष सचिव मधुसूधन सारडा, कमल तापड़िया, ओमप्रकाश बंग, बृजगोपाल दरक आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रचार मंत्री श्रीनाथ चाँडक द्वारा दी गई।

मासिक बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, मुंबई के तत्वावधान में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल, भीलवाड़ा द्वारा 2 जुलाई माह के प्रथम रविवार को 18 वां मासिक परिचय-पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम एक बजे से चार बजे तक दोपहर में माहेश्वरी भवन, नागोरी गार्डन, भीलवाड़ा में संपन्न हुआ। मुरली मनोहर गट्टानी पूर्व अध्यक्ष माण्डलगढ़ तहसील सभा, सत्यनारायण सोमानी मंगरोप, ओम प्रकाश मालू, सत्यनारायण तोषनीवाल, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, सुनील मुंधड़ा आदि ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष अशोक बाहेती ने बायोडाटा केंद्र की प्रशंसा की और जिला सभा की ओर से सहयोग देने की बात कही। कार्यकम में भीलवाड़ा शहर व भीलवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र, चित्तोड़ जिला, उदयपुर जिला से माहेश्वरी जन ने भाग लिया। अब तक की उपलब्धि 987 संबंध हुए है। कार्यालय में युवको के 1262 व युवतियों के 1563 बायोडाटा संजोकर रखे गए है। कार्यक्रम के अंत में सम्पत माहेश्वरी व श्रवण समदानी ने सबका आभार व्यक्त किया।

मर्दा ने पूर्ण की 2065 कि.मी. पदयात्रा

टोंक फाटक (जयपुर)। समाज सदस्य राधेश्याम मर्दा ने एक 'आध्यात्मिक पदयात्रा' गत 6 अप्रैल हनुमान जयंती के दिन सालासर बालाजी धाम से प्रारंभ कर गत 8 जून को तिरूपति बालाजी धाम पर पूर्ण की। 2065 किमी. की यह यात्रा उन्होंने 64 दिन में निर्विघ्न सम्पन्न की। इस उपलब्धि पर उनके निवास पर पहुँच कर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा उनका सम्मान किया गया। इसमें उन्हें पगड़ी, शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा टोंक फाटक, जयपुर से लक्ष्मीकांत तोतला (अध्यक्ष), कृष्ण कुमार समधानी (मंत्री), एल एन राठी (कोषाध्यक्ष) एवं ललित समधानी के साथ सहित कैलाश सोनी (महासभा कार्यसमिति सदस्य), नवल किशोर झंवर (प्रदेश संयुक्त मंत्री), सुरेन्द्र बजाज (जिला अध्यक्ष), गोविन्द परवाल (जिला मंत्री), राधेश्याम काबरा (जिला कोषाध्यक्ष) आदि उपस्थित थे।

शिक्षा दान में दिया सहयोग

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन द्वार रजत जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षा का महा प्रोजेक्ट 'विद्यादानम सर्व प्रधानं' अंतर्गत माहेश्वरी सखी संगठन की अध्यक्षा अनुराधा अजमेरा एवं सचिव निक्की राठी के नेतृत्व में आनंद विद्यालय (बोडक देव) के 10 असहाय विद्यार्थियों जिन्होंने कोरोना महामारी में अपने माता अथवा पिता को खो दिया या जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत नाजुक है ऐसे बच्चों की 3 साल की फीस भरने का संकल्प लिया गया। साथ ही उन बच्चों में जोश और आत्मविश्वास का संचार भी किया गया। इस नेक काम में सखी संगठन की संरक्षक इंदिरा राठी भूतपूर्व अध्यक्षा, अन्य दानदाता एवं कमिटी मेंबर्स के साथ काफी सखियां भी उपस्थित रही। इसी कार्यक्रम के दौरान सखी अध्यक्षा द्वारा सभी दानदाताओं को धन्यवाद दिया गया।

किसी व्यक्ति की मदद करके आप दुनिया तो नहीं बदल सकते लेकिन उस व्यक्ति की दुनिया जरूर बदल सकते हैं।

डॉ. सोमानी का हुआ सम्मान

अजमेर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् की अजमेर इकाई की ओर से गुरु पूर्णिमा की पूर्व बेला पर गत 2 जुलाई को साहित्यकार विनोद सोमानी 'हँस' का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री सोमानी ने राजस्थानी की श्रेष्ठ रचनाएँ सुनाई। उमेश कुमार चौरसिया, डॉ. विष्णुदत शर्मा, डॉ. के. के. शर्मा, बनवारीलाल शर्मा, राजेन्द्र पंवार आदि कई साहित्यकार उपस्थित थे।

गुरू पूर्णिमा उत्सव का आयोजन

उदयपुर (राज.)। माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा गुरु पूर्णिमा उत्सव नोबल इन्टरनेशनल स्कूल रानी रोड़ पर आयोजित किया गया। अध्यक्ष आशा नरानीवाल ने बताया कि इसमें 40 से 45 शिक्षकों का सम्मान किया गया। सभी को उपरणा, नारियल, पेन डायरी संस्था सरंक्षक कौशल्या गट्टानी व जनक बांगड द्वारा भेंट कर सम्मानित किया गया। पूर्व अध्यक्ष सरिता न्याति, जिला अध्यक्ष मंजू गाँधी आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन कविता बल्दवा व आरती न्याति ने किया। सह सचिव श्रीमती कला ने आभार व्यक्त किया।

असावा का हुआ सम्मान

अहमदनगर। जिलाधिकारी कार्यालय स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू सभागार में राजस्व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील, जिलाधिकारी सिद्धराम सालीमठ, मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष येरेकर व जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी सुधाकर बोराले द्वारा कृषि दिवस समारोह में कृषिभूषण पुरस्कार प्राप्त विठ्ठलदास बालकिसन आसावा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

गुरुपूर्णिमा पर संतो का वंदन

भीलवाड़ा। गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर महामंडलेश्वर हंसारामजी महाराज, महंत बाबूगिरी जी महाराज, महंत मोहनशरण जी महाराज, महंत संतदासजी महाराज, महंत ललदास जी महाराज, महंत बनवारी शरण जी महाराज काठिया बाबा, स्वामी शिवानंद जी महाराज, महंत बलरामदास जी महाराज, महंत लक्ष्मणदास जी महाराज, महंत ललदास जी महाराज, महंत जयरामदास जी महाराज, महंत आशुतोषदास जी महाराज, महंत गोपालदास जी महाराज आदि संतो का उनके स्थान पर पहुंच कर दुपट्टा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया। विहिप के जिलाध्यक्ष रामप्रकाश बहेड़िया के सान्निध्य में प्रांत के पदाधिकारी डॉ. भवानीशंकर, बद्रीलाल सोमानी, विभाग मंत्री गणेश प्रजापत, बजरंग दल संयोजक अखिलेश व्यास, गोपाल सोमानी आदि उपस्थित थे।

'लक्ष्य' का हुआ आयोजन

नईदिल्ली। ए.बी. माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट, नई दिल्ली सिविल सर्विसेज में जाने की महत्वाकांक्षा रखने वाले हर माहेश्वरी शिक्षार्थी के लिए एक ऐसा आधारस्तंभ सिद्ध हो रहा है। ट्रस्ट द्वारा 'लक्ष्य' नाम से 8 और 9 जुलाई 2023 को मध्य दिल्ली में एक सम्मान समारोह और बैठक का आयोजन किया गया। इसमें संस्था ने 2030 तक के लिए एक लक्ष्य लिया कि पूरे भारत से हम कम से कम 100 और माहेश्वरी सिविल सर्विसेज अधिकारी बनाने में अपना योगदान देंगे। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के जज जितेंद्र माहेश्वरी, राज्यसभा के सेक्रेटरी प्रमोद चंद्र मोदी, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी, हिमाचल प्रदेश रेरा के चेयर पर्सन डॉक्टर श्रीकांत बाल्दी, मध्यप्रदेश STF के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विपिन माहेश्वरी, भारत सरकार के सचिव संजय जाजू, ट्रस्ट के अध्यक्ष नंदकिशोर करवा के साथ-साथ महासभा के पूर्व सभापति और वर्तमान सभापति तथा महामंत्री की गरिमामय उपस्थिति रही।

उमंग सावन मेला का किया आयोजन

रांची। माहेश्वरी महिला समिति रांची द्वारा 11,12 एवं 13 जुलाई को "उमंग सावन मेला सह एग्जीबिशन" का स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजन किया गया। उद्घाटन रांची पूर्व की मेयर आशा लकड़ा, झारखण्ड की पहली महिला आइसीएआइ की रीजनल मेम्बर मनीषा बियानी, लॉयन्स क्लब के अध्यक्ष रतन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार मारू, कोषाध्यक्ष शिवशंकर साबू, रांची सभा अध्यक्ष किशन साबू की टीम एवं युवा संगठन अध्यक्ष विनय मंत्री की टीम ने किया। मेला का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाना और उन्हें एक मंच प्रदान करना था। इस मेले में 50 स्टाल लगे, जिसमें राखी, सोने-हीरे की ज्वेलरी, साड़ी, सलवार सुट, हाथ से बनी ज्वेलरी, गिफ्ट आइटम्स जैसे और भी अनेक प्रकार के सामान के स्टाल लगे। इस मेले की संयोजिका सुमन चितलांगिया, संगीता चितलांगिया, शशि डागा व विजयश्री साबू थी। मंच संचालन विनीता चितलांगिया, भावना काबरा, पूनम राठी ने किया। समापन समारोह में बेस्ट स्टाल, बेस्ट सेल्सपर्सन, बेस्ट कलेक्शन को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष भारती चितलांगिया, सचिव बिमला फलोर, कोषाध्यक्ष सरला चितलांगिया, संगठन मंत्री सरिता चितलांगिया पूर्व अध्यक्ष रेनू फलोर, उपाध्यक्ष वंदना मारू एवं अनीता साबू आदि उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

बीकानेर। स्थानीय गूगल रोड स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में गुरु पूर्णिमा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉक्टर श्रेया थानवी ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय के ट्रस्टी तोलाराम पेरीवाल व नारायण चांडक के साथ-साथ प्रधानाचार्य ने महर्षि वेदव्यास की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापकों ने गुरु अष्टकम का सामूहिक पाठ किया। विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा एवं भारतवर्ष की समृद्ध गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन करते हुए एक सुंदर नाटक प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि दमयंती द्वारा आर्ट ऑफ लिविंग के महत्वपूर्ण सूत्र बताए गए।

कावड़िया सेवा शिविर का आयोजन

मुजफ्फरपुर (बिहार)। श्री माहेश्वरी सभा, महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन किया गया। मुजफ्फरपुर सभा द्वारा हर वर्ष मानव सेवा का यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। यह सेवा कार्य पूरे सावन महीने चलता रहता है। इसमें समाज के प्रत्येक सदस्य का भरपूर सहयोग मिलता है। इस सेवा शिविर के अंतर्गत पहलेजा घाट से स्थानीय गरीब स्थान मंदिर तक की 78 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय कर आने वाले कांवड़ियों के लिए निशुल्क भोजन, दही चूड़ा, सत्तू, निंबू शिकंजी, चाय, गरम पानी, शुद्ध पेयजल, मरहम पट्टी, दवा, तेल मालिश, नहाने के लिए झरना, डॉक्टर, विश्राम के लिए टेंट आदि की व्यवस्था की गई। महेश्वरी सभा के अध्यक्ष सुनील मुंदड़ा, सचिव किशन डागा, युवा संगठन अध्यक्ष आकाश गट्टाणी, ललित बिरला, सुमित गट्टानी, सुशांत गट्टानी, विकास गट्टानी, राज चांडक, पूनम गट्टानी सहित सभी सदस्यों ने योगदान प्रदान किया।

पौधारोपण अभियान प्रारम्भ

बूंदी। सामर्थ्य सोसायटी से जुड़े सदस्यों द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ शहर के नैनवां रोड़ स्थित सुदामा सेवा संस्थान 'वृद्धाश्रम' से पौधारोपण अभियान की विधिवत शुरुआत कर उन्हे पोषित व पल्लवित करने की शपथ ली गई। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने पर्यावरण का महत्व बताते हुए सोसायटी सदस्यों एवं वृद्धाश्रम में निवासरत प्रवासियों को रोपें गए पौधों की देखभाल करने की शपथ दिलाई। इस दौरान सोसायटी सदस्य अनिशा जैन, नम्रता शुक्ला, आराधना जांगिड़, नेहा जोशी सहित सुदामा सेवा संस्थान में निवासरत वयोवृद्ध जन उपस्थित रहे।

कर्मों का लिखा हर हाल में भुगतना पड़ता है दुःख बेचे नहीं जा सकते और सुख खरीदे नहीं जा सकते।

जैसलमेरिया व मानधना सम्मानित

जोधपुर (राज.)। फेंड्स महिला क्लब के द्वितीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित कर सामाजिक एवं साहित्यिक सेवा कार्य करने पर 101 महिलाओं को 14 जुलाई को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका सपना गोयल ने बताया है कि इस अवसर पर मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद बंसल अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल चेतना शक्ति सम्मेलन मथुरा व विशिष्ट अतिथि डॉ. अनिल मर्मिट राष्ट्रीय संयोजक रक्तकोष फाउंडेशन थे। फाउंडेशन व समर्पण ब्लड डोनेर संस्था की ओर से जिला अध्यक्ष नन्दलाल केसरी, सचिव साजिद अली, प्रवक्ता सुरेन्द्र बरखेडी आदि का भी सम्मान किया गया। पूरे भारत से 101 प्रतिभाशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इनमें माहेश्वरी समाज जोधपुर से स्वाति जैसलमेरिया व बालोतरा से स्वाति मानधना को उनके सामाजिक एवं साहित्यिक सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया।

वर्कशॉप का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी-सखी संगठन, संगिनी संगठन, मणिनगर महिला मंडल, जैसलमेर महिला मंडल, आदिवासी समाज के मित्र (FTS) महिला समिति द्वारा 'Be Smart with a Smart phone' वर्कशॉप का गत 12 जुलाई को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन में आयोजन किया गया। मंच का संचालन अवनी माहेश्वरी, अध्यक्ष मणिनगर महिला संगठन द्वारा किया गया। शुभारम्भ - गीता काबरा, अध्यक्षः FTS महिला समिति ने किया। स्वागतीय उद्बोधन अनुराधा अजमेरा अध्यक्ष सखी संगठन द्वारा दिया गया। उर्मिला कलंत्री (रा. उपाध्यक्षः मध्यांचल) ने आशीर्वचन दिया। ज्योति लाहोटी (अध्यक्षः संगिनी संगठन) द्वारा प्रशिक्षक का परिचय दिया गया। वर्कशॉप का संचालन भाग्यश्री चांडक (संचारसिद्धाः तकनीकी ज्ञान समिति) द्वारा किया गया। इसमें मोबाइल बैंकिंग-डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन धोखाधड़ी और ओटीपी साझा करने से सुरक्षा, पासवर्ड आकर्षक ऑफर वाले अज्ञात लिंक और मेल का उपयोग करने से बचें आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

अपनों से मदद की अपेक्षा

बेगू (चित्तौड़गढ़)। समाज का अर्थ एक वृहद परिवार है जिसमें सभी एक दूसरे के सुख-दुःख के सहभागी होते हैं। ग्राम बलकुंडी, तहसील बेगू जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.) की रहने वाली उमा परवाल ने अपने दोनों पैर कट जाने की स्थिति में चिकित्सा में सहयोग के लिये समाज से अपेक्षा की है। उमा परवाल मध्यप्रदेश में ट्रेन से जा रही थी। वे रास्ते में पानी लेने के लिए स्टेशन पर उतरी और पांव स्लीप हो जाने से ट्रेन से नीचे गिर गयी। इस हादसे में इनके दोनों पैर कट गये। पेसेन्ट को लेकर जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल के सर्जरी महिला वार्ड में भर्ती कराया गया। वहीं पर सुनीता सोमानी किसी कारण से उस वार्ड में गयी थी। उन्होंने उमा परवाल को देखा और उनके ईलाज के लिए अस्पताल में दवाई की व्यवस्था की। उन्होंने समाज के लोगों से भी सहायता ली। उमा परवाल के पति एक साधारण सी नौकरी करते हैं। इनके तीन बच्चे हैं। अतः बिना सहयोग के ईलाज कराना व मरीज को एम्बुलेंस से उनके गांव भेजना, वहाँ से ईलाज के लिए जयपुर वापस आना आदि खर्चे के लिए सुनीता सोमानी ने माहेश्वरी क्लब, श्याम नगर के पूर्व अध्यक्ष पुष्पकांता मोदानी से सम्पर्क किया एवं सहायता के लिए कहा। उन्होंने माहेश्वरी क्लब की अध्यक्ष सुषमा माहेश्वरी को कहा और उन्हें साथ लेकर उमा परवाल को देखने वे अपने क्लब के सदस्यों सहित पुनः देखने सवाई मानसिंह अस्पताल गई। उन्होंने क्लब से श्रीमती परवाल के खाते में सहायता राशि जमा करायी। जो समाज बंधु इनकी सहायता करना चाहते हैं, वे उमा परवाल के खाते में सहयोग राशि भिजवा सकते हैं।

उमा परवाल, बैंक ऑफ बड़ौदा (बाल कुंडी)

- खाता संख्या - 57260100005141
- IFSC Code - BARBOJAWADA
- सम्पर्क सूत्र - 9829042419

श्रावण में किया पौधारोपण

जावरा। माहेश्वरी महिला मंडल जावरा जिला रतलाम द्वारा सावन मास के प्रथम सोमवार को अकेला हनुमान मंदिर पर नीम, तुलसी, बेलपत्र आदि कई प्रकार के पौधों का पौधारोपण किया गया। महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल के समस्त पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

'कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्' का विमोचन संपन्न

नागपुर। श्री रामदेवबाबा अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन महाविद्यालय के संचालक मंडल सदस्य तथा चिंतक श्यामसुंदर राठी लिखित पुस्तक ''कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्'' का विमोचन महाविद्यालय के सभागार में इस्कॉन नागपुर के उपाध्यक्ष तथा महाविद्यालय के स्थापत्य अभियांत्रिकी संकाय के पूर्व छात्र हरिकीर्तन दासजी के करकमलो द्वारा संपन्न हुआ। महाविद्यालय के अध्यक्ष सत्यनारायण नुवाल, पुस्तक के लेखक श्री राठी, महासचिव राजेंद्र पुरोहित तथा प्राचार्य डॉ. राजेश पांडे आदि व्यासपीठ पर उपस्थित थे। वंदना गांधी ने प्रस्तावना में पुस्तक की जानकारी दी। महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष तथा पंजाब के महामहिम राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित एवं महाविद्यालय के उपाध्यक्ष चंद्रकांत भाई ठाकर द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश का वाचन डॉ. विशाल शुक्ला ने किया।

पौधारोपण का हुआ आयोजन

निजामाबाद। जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्थानीय माहेश्वरी भवन में सावन मास के शुभ अवसर पर पौधारोपण के महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अंतर्गत 21000 सीडबॉल और हर माहेश्वरी परिवार में एक तुलसी का कुंडा युवा संगठन के साथियों द्वारा वितरित किया गया। युवा संगठन के अध्यक्ष गोविन्द झंवर ने सभी समाज बंधुओं का स्वागत किया। निजामाबाद माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्षा निशा छापरवाल, निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश कुमार डालिया एवं कुंजबिहारी मुंदड़ा भी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्य अतिथि अशोक कुमार झंवर थे। अतिथि का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक आनंद झंवर, दीपक कॉलानी, संदीप राठी द्वारा किया गया। युवा संगठन के उपाध्यक्ष गोविंदा मालू, मंत्री राजगोपाल बंग, उप मंत्री मोहित बजाज, कोषाध्यक्ष श्रीगोपाल मुंदड़ा एवं सदस्यगण कौशल राठी, हर्षद राठी, गोविंद मूंदड़ा, मधुसूदन मालू, श्रीकांत झंवर, पवन मुदंडा, आनंद मोदानी, श्रीकांत डालिया, अनूप मालू, राहुल बजाज, राहुल डालिया, शुभम झंवर एवं महिला मंडल से उपाध्यक्षा सीमा मालू, मंजू सारडा आदि सदस्य उपस्थित थे।

सेवा गतिविधि का किया आयोजन

कोयंबटूर। गत 9 जुलाई को कोयंबटूर माहेश्वरी युवा परिषद के सदस्यों ने अन्नदान कार्यक्रम के तहत कोयम्बटूर से दूर सीनकुली एंव थोवईपटी गांव में जाकर आदिवासी बच्चों, महिलाओं एंव पुरुषो को दिनचर्या की जरूरत का सामान यानि चावल, शक्कर, दाल व अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इसमें कोयंबटूर माहेश्वरी सभा सहकोषाध्यक्ष हरिश भुराड़िया, युवा परिषद के अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया, सदस्य अभिषेक बागड़ी, गिरीराज चांडक एंव सुनील पनपालिया आदि शामिल थे।

वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कोयंबटूर। गत 18 जून को कोयंबटूर माहेश्वरी युवा परिषद द्वारा रंगारंग वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न आयुवर्ग के सदस्यों के लिए अलग-अलग प्रकार की स्पर्धाएं रखी गई थी। विजेताओं के चयन के लिए स्वतंत्र निर्णायको को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगिताओ के सफल आयोजन मे कोयंबटूर माहेश्वरी सभा सहसचिव राजेन्द्र भट्टड़, सहकोषाध्यक्ष हरिश भूराड़िया, युवा परिषद के अध्यक्ष पुरुषोत्तम भुराड़िया, सदस्य शिव मंत्री, श्री सोमानी, लक्ष्मीकांत भुराड़िया, यश मालाणी, आशीष चंडक, रौनक राठी, सुनील पनपालिया, शिव मंत्री आदि सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

माहेश्वरी चौक का उद्घाटन

बठिंडा। माहेश्वरी सभा बठिंडा द्वारा माहेश्वरी चौक में लगवाए गए बोर्डो का उद्घाटन पंजाब हरियाणा प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सचिव जगदीश मंत्री व भूतपूर्व अध्यक्ष पवन होलानी ने किया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष के. के. मालपानी, सचिव सुप्रीम कोठारी, भूतपूर्व अध्यक्ष सुशील मुंधड़ा, वरिष्ठ सदस्य डॉ. राजेश माहेश्वरी, सुरेश चांडक, डॉ. चिराग माहेश्वरी व डॉ. इशिता माहेश्वरी आदि उपस्थित थे। जिला सभा अध्यक्ष के. के. मालपानी ने बताया कि इस चौक को और सुन्दर बनाने के लिए नगर निगम बठिंडा से अनुमति मांगी गई है।

बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम सम्पन्न

मनासा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल भीलवाड़ा के बायोडाटा अवलोकन कार्यक्रम के लिए नवीन शाखा कार्यालय के कार्यक्षेत्र का विस्तार करते हुए उदयपुर, चित्तौड़गढ़ के बाद मनासा जिला नीमच में गत 16 जुलाई को द्वारकापुरी धर्मशाला में कार्यालय का शुभारंभ किया गया। परिचय पत्रक (बायोडाटा) अवलोकन कार्यक्रम के साथ विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकगण का परिचय सम्मेलन भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि-माधव लाल मारू-विधायक (मनासा), मानक चंद बिडला पूर्व जिला अध्यक्ष- नीमच माहेश्वरी सभा, विशेष अतिथि- सुरेश अजमेरा अध्यक्ष माहेश्वरी समाज नीमच, प्रद्युम्न मारू अध्यक्ष-माहेश्वरी समाज मनासा, दिलीप बांगड़ अध्यक्ष, माहेश्वरी समाज (जावद), रमेश राठी-मंत्री भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष रमेशचंद्र मूंदड़ा, एडवोकेट एवं सहसचिव मध्य प्रदेश पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा विशेष रूप से उपस्थित थे। इसमें लगभग 500 समाज जन सेवा लाभ हेतु उपस्थित हुए।

वर्चुअल चिंतन का हुआ आयोजन

कानपुर। गत 29 जुलाई 2023 को ज्ञानसिद्धा राष्ट्रीय साहित्य समिति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित वर्चुअल वैचारिक कार्यक्रम ''एक यक्ष प्रश्न की प्रस्तुति'' का आयोजन जूम सभागार में हुआ। कार्यक्रम आरंभ होने के पहले ही 500 संपूर्ण उपस्थितियां दर्ज हो गई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ ने आशीर्वचन देते हुए समिति के प्रथम राष्ट्रीय कार्यक्रम के मंचन की बधाई दी। महामंत्री ज्योति राठी ने शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि मीठी बात से कड़वी नीम भी बेची जा सकती है। समिति प्रदर्शक मंजू मानधना द्वारा समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं भावी योजनाओं का विवरण दिया गया। समिति प्रभारी अनुराधा जाजू के नेतृत्व में ज्ञान सिद्धा की टीम की क्षणिक नाट्य प्रस्तुतियों द्वारा बताया गया कि रिश्तों को बनाए रखने में हमारी बोली, शब्द, बात करने का लहजा बहुत मायने रखता है। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से वाचन, भावों, शब्दों से रिश्तों की मिठास को बनाए रखने के भी गुर बताए गए। कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, बिमला साबू, शोभा सादानी, सुशीला काबरा, कल्पना गगरानी, आशा माहेश्वरी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लढा सहित कई राष्ट्रीय, आंचलिक एवं प्रादेशिक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम को टेक्निकल सहायता अंजलि तापड़िया, भाग्यश्री चांडक एवं सपना लाहोटी ने प्रदान की।

इंसान के गुरुर की औकात बस इतनी सी है ना खुद पहली बार नहा पाता और ना आखरी बार खुद नहा सकता है।

प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की प्रथम कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

हरियाणा। पंजाब हिमाचल जम्मु-कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की सत्र 30 की प्रथम कार्यसमिति की बैठक गत 16 जुलाई को ज़िला सभा रेवाड़ी के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश की 12 ज़िला सभाओं में से 11 ज़िला सभाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में महासभा कार्यसमिति सदस्य अशोक सोमानी, प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कलंत्री, प्रदेश सचिव जगदीश मंत्री, अन्य पदाधिकरियों, प्रादेशिक ट्रस्ट, महिला संगठन, युवा संगठन व सभा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में समाज में पनप रही कुरीति - विवाह पूर्व फोटो शूट को निरुत्साहित करने व परिधान संबंधी अनुशासन का पालन करने का आह्वान किया गया। महासभा द्वारा संचालित पोर्टल 'सम्पर्क' में सदस्यों एवं उनके परिवार की सूचना अपडेट करने में शीघ्रता की आवश्यकता पर ज़ोर डाला गया। महासभा कार्यसमिति सदस्य अशोक सोमानी के प्रादेशिक ट्रस्ट में कार्पस / जमाकोश निधि बढाने हेतु आह्वान पर सदस्यो ने उसी समय करीब 20 लाख से ऊपर के धन की प्रतिबद्धता प्रकट की। प्रदेश सभा के सत्र 30 के निर्वाचन जो अभी सम्पन्न हुये थे, के पश्चात 2 उपाध्यक्ष पद रिक्त रह गये थे। इनकी पूर्ति सभा स्थल पर हरिकिशन परवाल, हिसार और सुरेश झालरिया, पंचकुला को सर्वसम्मत्ति से चयनित कर की गई। ओ. पी. राठी को प्रादेशिक ट्रस्ट के उपाध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया। सत्र 30 के लिये राष्ट्रीय युवा संगठन में प्रदेश के बहादुरगढ क्षेत्र से आशीष शारदा को संगठन मंत्री और प्रादेशिक युवा संगठन में सन्योग माहेश्वरी को अध्यक्ष और पुनीत साबू को प्रदेश सचिव निर्वाचित किया गया।

दिल्ली प्रादेशिक महिला संगठन की 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा

दिल्ली। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा उत्तम श्रावण मास के पावन अवसर पर चार दिवसीय 12 ज्योतिर्लिंग की मानसिक व आध्यात्मिक यात्रा आयोजित की गई। दिल्ली प्रदेश से दक्षिणी क्षेत्र की होनहार बहन संस्कारसिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति सह संयोजिका शुभ्रा माहेश्वरी सचिव लक्ष्मी बाहेती ने सभी अतिथियों तथा उपस्थित भक्तजनों का स्वागत अभिनन्दन किया। अध्यक्ष श्यामा भांगड़िया द्वारा चारों ही दिन के मुख्य अतिथि, राष्ट्रीय पदाधिकारी आदि का स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता शुभ्रा ने सभी 12 ज्योर्तिलिंग सोमनाथ, मल्लिकार्जुनम, महाकाल, ओंकारेश्वर-ममलेश्वर, वैद्यनाथ (परली, देवघर, कांगड़ा), भीमाशंकर, रामेश्वरम, नागेश्वर (द्वारका, अल्मोड़ा, औंधा नागनाथ), विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर (महाराष्ट्र, राजस्थान) के बारे में वीडियो तथा लाइव ऑडियो के साथ अद्वितीय, बेमिसाल, अकल्पनीय ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करके सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। सभी को ये लग रहा था कि हम तीर्थ यात्रा पर जाकर साक्षात दर्शन कर रहे हैं। शुभ्रा ने पौराणिक तथा लोक कथाओं के माध्यम से ज्योर्तिलिंग का इतिहास, उत्पति, महत्ता, रहस्य आदि के बारे में बहुत ही ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। साथ में दर्शन स्थल तक कैसे पहुंचे, वहां पर जाकर रहने तथा खाने की व्यवस्था, ड्रेस कोड, ऑनलाइन टिकट बुकिंग, दर्शन, प्रसाद कहां से लें, रूद्राभिषेक तथा आरती समय तथा ज्योर्तिलिंग के साथ-साथ और आस- पास में कौन-कौन से दर्शन कर सकते हैं, सभी के बारे में बहुत ही अच्छी तथ्यात्मक जानकारी करवाई।

भरत एम ए उत्तीर्ण

अहमदनगर। समाज सदस्य नंदकुमार झंवर के सुपुत्र भरत झंवर ने एम. ए. (अर्थशास्त्र) की परीक्षा दूसरे स्थान से अहमदनगर कॉलेज से उत्तीर्ण की। उन्हें इस परीक्षा में 74 प्रतिशत अंक मिले हैं। इस से पूर्व 2008 मे उन्होंने कंपनी सेक्रेटरी की अत्यंत कठिन परीक्षा भी पुणे शहर से छठे स्थान से उत्तीर्ण की थी। 2019 में उन्होंने सी.एम.ए. सीए फायनल की परीक्षा भी दूसरे प्रयास में उत्तीर्ण की थी।

प्रिया को एमबीए में प्रवेश

अहमदाबाद। सीए कुशल व सरोज सोमानी की सुपुत्री ने एनआईटी, सूरत से बी.टेक किया है। वर्तमान में उन्हें जमशेदपुर के प्रतिष्ठित संस्थान में एमबीए हेतु प्रवेश प्राप्त हुआ है।

भूमिका ने उत्तीर्ण की आईसीएसआई परीक्षा

डेगाना (राज.)। समाज सदस्य सुरेश मोदानी की सुपुत्री भूमिका ने 12वीं बोर्ड (कॉमर्स) परीक्षा 90.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। इसके साथ ही उन्होंने सीएसईईटी की आईसीएसआई परीक्षा भी प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की।

मनुष्य स्वयं ही अपने कर्मों के द्वारा जीवन में दुखों को बुलाता है मतलब की बात सब समझ लेते हैं लेकिन बात का मतलब बहुत कम लोग ही समझ पाते हैं।

श्री माहेश्वरी टाईम्स के महेश नवमी विशेषांक का लोकार्पण

उज्जैन। महाराष्ट्र इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप लि. के एम.डी. आईएएस सुरेश काकाणी धार्मिक यात्रा पर सपरिवार भगवान महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में पधारे। इस यात्रा के दौरान आपका श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय पर भी आगमन हुआ। इस अवसर पर श्री काकाणी ने श्री माहेश्वरी टाईम्स के महेश नवमी विशेषांक का विमोचन भी किया। विमोचन अवसर पर श्री काकाणी के साथ उनकी धर्मपत्नी ज्योति काकाणी, पुत्र शशांक काकाणी तथा पुत्रवधू श्वेता काकाणी भी मौजूद थे। अतिथि स्वागत श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती, निदेशक सरिता बाहेती तथा प्रबंध सम्पादक मुनि बाहेती ने किया।

म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय सभा ने ग्रहण किया दायित्व

ग्वालियर। महासभा की योजनाओं का क्रियान्वयन और अधिकाधिक समाज बंधुओं को लाभान्वित कराने हेतु प्रदेश सभा और जिला सभाओं के कार्यकर्ताओं को अपने दायित्व समझते हुए और सजगता से कार्य करना चाहिये। इस आशय के विचार माहेश्वरी महासभा के महामंत्री अजय काबरा ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के दायित्व ग्रहण समारोह में व्यक्त किये। इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में समाज के युवा वर्ग को प्रशासनिक सेवाओं में अधिक सहभागिता हेतु वातावरण बनाने और प्रेरित करने पर जोर दिया। गत 16 जुलाई को ग्वालियर जिला सभा, जिला महिला संगठन और युवा संगठन के आतिथ्य में मध्यप्रदेश में आयोजित प्रदेश सभा का दायित्व ग्रहण समारोह एवं कार्यकारी मंडल की प्रथम बैठक के साथ ही महिला संगठन की क्षेत्रीय बैठक और युवा संगठन की कार्यकारी मंडल की बैठक भी सम्पन्न हुई। शायद प्रदेश के इतिहास में यह पहली बैठक थी जब तीनों संगठनों का दायित्व ग्रहण समारोह द्वितीय सत्र में और तीनों संगठनों की बैठक प्रथम सत्र में संपन्न हुई। राष्ट्रीय महामंत्री अजय काबरा ने प्रदेश सभा अध्यक्ष अतुल माहेश्वरी, मानद मंत्री श्यामसुंदर जेठा, महासभा कार्यसमिति सदस्य नंदकिशोर राठी सहित सभी पदाधिकारी, प्रदेश युवा संगठन के अध्यक्ष उदित जांवदिया, सचिव डॉ. सुषेन माहेश्वरी तथा प्रदेश महिला संगठन अध्यक्ष रंजना बाहेती और राजश्री राठी को दायित्व ग्रहण कराते हुए समाजनिष्ठा की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला संगठन की राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) अनीता राठी, महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती एवं युवा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उदित जांवदिया उपस्थित थे।

श्रृष्टि को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

जगदलपुर। नुशनल युनिवर्सिटी सिंगापुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''Infinite Global Research Conference'' का आयोजन किया गया। इसमें MSME की Technical Service विषय पर पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र लिखने पर श्रृष्टि-निखिल चाण्डक को जगदलपुर बेस्ट रिसर्च पेपर अवार्ड से सम्मानित किया गया। श्रृष्टि अशोक-मंजू भूतड़ा बेमेतरा (बीकानेर) की सुपुत्री तथा संतोष-निर्मला चांडक जगदलपुर की पुत्रवधु हैं।

गौ सेवा का किया आयोजन

कलकत्ता। पिंजारपोल सोसायटी, सोदपुर ने दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा व दक्षिण कोलकाता माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से गौसेवा का आयोजन किया। कृष्ण मुरारी तपंगिया, हीरामणि नागौरी, मुरली मनोहर मंधना, हरीश दम्माणी, सत्यनारायण केदारमल झंवर, अनिल लाखोटिया, विनय बिनानी, कृष्ण गोपाल राठी आदि समाजजनों ने इस सराहनीय कार्य में सहयोग किया।

महा रुद्राभिषेक का हुआ आयोजन

कोलकाता। मध्य कोलकाता माहेश्वरी सभा महिला एवं युवा संगठन के संयुक्त तत्वाधान में महा रुद्राभिषेक का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन अमृत हाल में गत 9 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे से किया गया। इसमें 57 जोड़ों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुशील सादानी, मयूर मालानी ने पंडित किराडु का माल्यार्पण एवं सुमित्रा मंत्री एवं नीरू मूंदड़ा ने दुपटा पहनाकर स्वागत किया। मुख्य जजमान सुदर्शन शर्मिला मुधडा व पंकज अपर्णा मूंधड़ा का भी स्वागत किया। महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्याम राठी, चुनाव समिति सदस्य गोपाल दम्मानी, निर्मला मल, प्रदेश महिला अध्यक्ष मंजू पेडीवाल, कुसुम मूंधड़ा प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाजू, मंत्री संपत मांधना, प्रदेश युवा के मंत्री राजीव लखोटिया एवं कोलकाता प्रदेश के सभी दसों अंचलों के पदाधिकारियों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया।

मधुर वाणी बोलना एक महंगा शौक है, जो हर किसी के बस की बात नहीं है।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थान के समीप स्थित

इन्दौर शहर में
अपने सपने साकार करने के लिए घर से दूर रहने वाले स्टूडेंट्स के लिए घर जैसा सर्व सुविधायुक्त बॉयज़ हॉस्टल

श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी बॉयज़ हॉस्टल

SHRIMATI SITADEVI JAINARAYAN JAJU MAHESHWARI BOYS HOSTEL

रिंग रोड, 248 मूसाखेड़ी, तीन इमली चौराहा के समीप
पानी की टंकी के सामने, इन्दौर 452 016 (म.प्र.)
फोन : +91-731-2403051, 094258-55437
sjjmhostel@gmail.com • www.boyshostelindore.com
http://www.facebook.com/Boys Hostel Indore

सर्व सुविधा युक्त विशेष तौर से
उच्च शिक्षा
सीए के लिए आरक्षित

बॉयज़ हॉस्टल में सुविधाएं:

- विद्यार्थियों के निवास हेतु सर्व सुविधायुक्त 76 ए.सी. कमरें अटेज्ड वाशरुम • कम्प्यूटर एवं वाई-फाई युक्त ई-लाईब्रेरी • रीडिंग रुम
- सीसीटीवी कैमरा द्वारा सिक्युरिटी • आधुनिक जिम
- कॉन्फ्रेंस रुम • जनरेटर • वॉशिंग मशीन
- आधुनिक ऑडिटोरियम • 2 हाई स्पीड लिफ्ट
- कवर्ड पार्किंग सुविधा • अल्टा मॉर्डन किचन
- डायनिंग हॉल • सोलर वॉटर हीटर
- आर.ओ वॉटर • कूलर • बस सुविधा

◆ हॉस्टल पहुंच मार्ग ◆

हॉस्टल में प्रवेश संबंधी पूछताछ एवं विज़िट हेतु
समय प्रात: 11 से सांय 5 बजे

चेयरमेन : रामअवतार जाजू - 98260 44000, सचिव : सी.ए. भरत सारड़ा - 0731-2510070, कोषाध्यक्ष : मुकेश कचोलिया - 96306 00001

श्रीमती सीतादेवी जयनारायन जाजू माहेश्वरी हॉस्टल
ए बी माहेश्वरी एज्युकेशनल ट्रस्ट, इंदौर

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की प्रेरणा से गठित

प्रतिभाओं ने फहराया सफलता का परचम

माहेश्वरी विशिष्ट प्रतिभा सम्पन्न होते हैं, यह गत दिनों आये विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम ने ही सिद्ध कर दिखाया। इसमें चाहे आईसीएसई बोर्ड हो, सीबीएसई अथवा राज्य बोर्ड सभी की 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षाओं में समाज के विद्यार्थियों ने अपनी सफलता से नये कीर्तिमान बना दिये। प्राप्त जानकारी के अनुसार 300 से अधिक बच्चों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया। श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार इन्हें एवं इनके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ देता है। साथ ही इनके उज्ज्वल भविष्य की भगवान महेश से मंगलकामना करता है।

आकांक्षा करनानी 91%

कोलकाता। समाज सदस्य घनश्याम व प्रतिमा करनानी की सुपुत्री आकांक्षा ने आईएससी बोर्ड 12वीं की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया। आकांक्षा सीए व सीएफए प्रिंस करनानी की बहन तथा यूएस में कार्यरत सीए रिद्म करनानी की साली हैं।

मयंक मंडोरे 93.60%

जलगाँव। समाज सदस्य राहुल-उर्मिला मंडोरे के सुपुत्र मयंक ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.60% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पीयूष भूतड़ा 93.60%

कोलकाता। समाज सदस्य नरेंद्र कुमार भूतड़ा के सुपुत्र पीयूष ने बारहवीं आईएससी बोर्ड की परीक्षा 93.75% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यशवर्धन मूंधड़ा 96%

झारखण्ड। समाज सदस्य श्रीकांत मूंधड़ा के सुपुत्र यशवर्धन ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पलक माहेश्वरी 91.%

उज्जैन। समाज सदस्य विशाल माहेश्वरी की सुपुत्री पलक ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 91.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आर्ची मालानी 90%

चालावापी (गुज.)। समाज सदस्य तपन मालानी की सुपुत्री आर्ची ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पूर्वी डागा 96%

बीकानेर (राज.)। समाज सदस्य विकास डागा की सुपुत्री पूर्वी ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भुवन गाँधी 91.6%

अमरावती (महा.)। समाज सदस्य भूवन गाँधी के सुपुत्र निलेश दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

योगिता गग्गड़ 93.80%

अंजूरफाटा भिवंडी। समाज सदस्य शंकर लाल गग्गड़ की सुपुत्री योगिता ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.80% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अर्चिता परवाल 91.6%

ग्वालियर। समाज सदस्य अमित-आरती परवाल की सुपुत्री अर्चिता ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 91.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ध्रुव खटोड 94%

नागपुर। समाज सदस्य अभिषेक खटोड के सुपुत्र ध्रुव ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निश्का बाहेती 99.25%

गुवाहाटी। समाज सदस्य शैलेष बाहेती की सुपुत्री निश्का बाहेती ने बारहवीं आईएससी बोर्ड की परीक्षा 99.25% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

विकल्प कालानी 96%

दिल्ली। समाज सदस्य राज-रेखा कालानी के सुपुत्र विकल्प ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दीपेश राठी 95.8%

नीमच। समाज सदस्य जगदीश राठी के सुपुत्र दीपेश ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 95.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ओम माहेश्वरी 94.2%

मुजफ्फरनगर। समाज सदस्य अमित - अंशु डागा के सुपुत्र ओम ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जान्हवी तापड़िया 95.83%

बैंगलौर। समाज सदस्य रमेश-एकता तापड़िया की सुपुत्री जान्हवी पीयूसी बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 95.83% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हेमन्त लाहोटी 92.6%

गुवाहाटी। समाज सदस्य सुरेन्द्र लाहोटी के सुपुत्र हेमन्त ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 92.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जतिन मूंदड़ा 93.2%

आगरा। समाज सदस्य गोपालकिशन मूंदड़ा के सुपुत्र जतिन ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 93.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मनस्वी राठी 95.29%

मुंबई। समाज सदस्य मनीष राठी की सुपुत्री मनस्वी ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा 95.29% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नित्या माहेश्वरी 92.2%

हरियाणा। समाज सदस्य नितिन व भावना माहेश्वरी की सुपुत्री नित्या ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 92.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रतीक बिहानी 93%

फरीदाबाद (हरियाणा)। समाज सदस्य विनोद-कुसुम बिहानी के सुपुत्र प्रतीक ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गौरव राठी 91.2%

अमरावती (महा.)। समाज सदस्य राजेश राठी के सुपुत्र ने गौरव बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 91.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अर्शिता माहेश्वरी 93.8%

आगरा। समाज सदस्य वैभव माहेश्वरी की सुपुत्री अर्शिता ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सानिध्य मूंदड़ा 93.80%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य नितिन मूंदड़ा के सुपुत्र सानिध्य ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.80% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नमन लड्ढा 97.6%

दिल्ली। समाज सदस्य आशीष लड्ढा के सुपुत्र ने नमन ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 97.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सौम्या माहेश्वरी 97%

आगरा। समाज सदस्य पराग माहेश्वरी की सुपुत्री सौम्या माहेश्वरी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 97% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राजिका चाण्डक 97.6%

कोलकाता। समाज सदस्य राजेश कुमार चाण्डक की सुपुत्री ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा 97.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

माधुरी मालपानी 91.2%

संभाजी नगर। समाज सदस्य गोपाल-मनोरमा मालपानी की सुपुत्री माधुरी ने दसवीं की परीक्षा 9.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दिव्यांशी सोमानी 94.2%

गाजियाबाद। समाज सदस्य विकास-रूचि सोमानी की सुपुत्री दिव्यांशी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

याशिका तापड़िया 95%

दिल्ली। समाज सदस्य अनिल - शर्मिला तापड़िया की सुपुत्री याशिका ने सीबीएसई बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वंश झंवर 90.6%

दिल्ली। समाज सदस्य मनोज-रश्मि झंवर के सुपुत्र वंश ने बारहवीं सीबीएसई की परीक्षा 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

याशिका राठी 91%

जोधपुर। समाज सदस्य अनिल कुमार राठी की सुपुत्री याशिका ने दसवीं की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

केशव लाहोटी 91.1%

मैनपुरी (उ.प्र.)। समाज सदस्य रामदेव-नीलम लाहोटी के सुपुत्र केशव ने दसवीं की परीक्षा 91.1% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मिताली काबरा 93.40%

मंदसोर म.प्र.। समाज सदस्य रजनीश-सुनीता काबरा की सुपुत्री मिताली ने बारहवीं सीबीएसई की परीक्षा 93.40% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मनस्वी साबू 95%

अहमदाबाद। समाज सदस्य राहुल- मीनू साबू की सुपुत्री मनस्वी ने बारहवीं की परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नव्या झंवर 93.2%

मकराना। समाज सदस्य सुरेशचंद्र-मधु झंवर की सुपुत्री नव्या झंवर ने बारहवीं की परीक्षा 93.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अभिषेक राठी 91%

जयपुर। समाज सदस्य प्रकाश कुमार-अर्चना राठी के सुपुत्र अभिषेक ने बारहवीं सीबीएसई की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रौनक मालपानी 91.6%

शोभापुर म.प्र.। समाज सदस्य कपिल-पूजा मालपानी के सुपुत्र रौनक ने दसवीं की परीक्षा 91.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पुष्टि काबरा 93.8%

मुंबई, महाराष्ट्र। समाज सदस्य पवन-दीप्ति काबरा की सुपुत्री पुष्टि ने बारहवीं की परीक्षा 93.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रजत चाण्डक 92%

जोधपुर, राजस्थान। समाज सदस्य दिलीप-वंदना चाण्डक के सुपुत्र रजत ने बारहवीं सीबीएसई की परीक्षा 92% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सौम्या सोडानी 91%

भीलवाड़ा (राज.)। समाज सदस्य मुकेश कुमार-अनिता सोडानी के सुपुत्र सौम्या ने बारहवीं सीबीएसई की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पार्थ देव माहेश्वरी 94.2%

नोएडा। समाज सदस्य आशीष-अल्पा माहेश्वरी के सुपुत्र पार्थ ने दसवीं की परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तनुश्री बियानी 91.17%

अकोला। समाज सदस्य प्रकाश-हेमलता बियानी की सुपुत्री तनुश्री ने बारहवीं की परीक्षा 91.17% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वृंदा मोहता 91.4%

फ़रीदाबाद, हरियाणा। समाज सदस्य राजीव-पिंकी मोहता की सुपुत्री वृंदा ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हिमांशी काबरा 95.80%

दिल्ली। समाज सदस्य प्रहलाद काबरा की सुपुत्री हिमांशी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 95.80% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आसमां लखोटिया 93%

श्रीगंगानगर, राज.। समाज सदस्य रामनिवास लाखोटिया की सुपुत्री आसमां ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रिद्दिमा जाजू 98.40%

बेंगलुरु। समाज सदस्य स्नेहकुमार-दीपाक्षी जाजू की सुपुत्री रिद्दिमा ने आईसीएसई बोर्ड दसवीं की परीक्षा 98.40% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्षिता मंधाना 96.4%

जोधपुर। समाज सदस्य हेमरत्न-रेखा मंधाना की सुपुत्री हर्षिता ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

युक्ता तापड़िया 90.2%

अमरावती । समाज सदस्य जितेन्द्र-अर्चना तापड़िया की सुपुत्री युक्ता ने दसवीं एसएससी बोर्ड की परीक्षा 90.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पार्थ करवा 93.6%

लुधियाना। समाज सदस्य भरत-प्रीति करवा के सुपुत्र पार्थ ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नवनी काबरा 90.6%

इंदौर (म.प्र.)। समाज सदस्य रितेश-शानु काबरा की सुपुत्री नवनी ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनुज बाहेती 93%

बैंगलोर। समाज सदस्य अनिल - माधुरी बाहेती के सुपुत्र अनुज ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

लक्ष सोडानी 90%

बेंगलुरु। समाज सदस्य योगेश-तनुश्री सोडानी के सुपुत्र लक्ष ने दसवीं आईजी-सीएससी बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

चिराग जेथलिया 98.4%

बैंगलोर। समाज सदस्य पुनीत जेथलिया के सुपुत्र चिराग ने बारहवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 98.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भूमिका मोदानी 90.2%

डेगाना (राज.)। समाज सदस्य सुरेश मोदानी की सुपुत्री ने बारहवी बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कार्तिक मूंदड़ा 96.4%

चित्तौड़गढ़ । समाज सदस्य पंकज मूंदड़ा के सुपुत्र कार्तिक ने बारहवीं की परीक्षा 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जान्हवी पंसारी 94.6%

जैसलमेर। समाज सदस्य अनिल पंसारी की सुपुत्री जान्हवी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तन्वी मूंदड़ा 90.2%

शहडोल (म.प्र.)। समाज सदस्य रीतू मूंदड़ा की सुपुत्री तन्वी ने बारहवीं की परीक्षा 90.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

समृद्धि धूत 91.32%

अहमदनगर। समाज सदस्य लक्ष्मीकांत-तृप्ति धूत की सुपुत्री समृद्धि ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 91.32% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनुषा राठी 96.4%

दुर्ग छत्तीसगढ़। समाज सदस्य संजय कुमार-कंचन राठी की सुपुत्री अनुषा ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भावना बाहेती 92.8%

ओरियापारा हावड़ा। समाज सदस्य जोगराज - रेखा बाहेती की सुपुत्री भावना ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 92.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वत्सल मूंदड़ा 91.1%

झारखंड। समाज सदस्य जुगल - प्रभा मूंदड़ा के सुपुत्र वत्सल ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.1% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ईशान चांडक 91.20%

बुलडाणा। समाज सदस्य संतोष चंपालाल चांडक के सुपुत्र ईशान ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.20% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गोविंद सोमानी 94.6%

फरीदाबाद। समाज सदस्य मनमोहन - संगीता सोमानी के सुपुत्र गोविंद ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

इशिका काबरा 94.6%

कोटा। समाज सदस्य मनीष-साधना काबरा की सुपुत्री इशिका ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अपेक्षा माहेश्वरी 93%

बठिंडा, पंजाब। समाज सदस्य मनीष - प्राची माहेश्वरी की सुपुत्री अपेक्षा ने सीबीएसई दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ध्रुव लोहिया 91.2%

दिल्ली। समाज सदस्य नवीन - हर्षा कुमार लोहिया के सुपुत्र ध्रुव ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निधि राठी 90.6%

अमरावती। समाज सदस्य अनूप राठी की सुपुत्री निधि ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वैष्णवी माहेश्वरी 90.8%

कासगंज। समाज सदस्य पवन-अनुराधा माहेश्वरी की सुपुत्री वैष्णवी ने सीबीएसई बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सुरुचि लड्ढा 93.6%

नीमच (म.प्र.)। समाज सदस्य माधव-मीना लड्ढा की सुपुत्री सुरूचि ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

माहिया माहेश्वरी 97.25%

छपरा, बिहार। समाज राजीव-सुलेखा माहेश्वरी की सुपुत्री माहिया ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 97.25% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पलक रांदड 96%

कर्नाटक। समाज सदस्य केशव रघुनाथ रांदड की सुपुत्री पलक ने दसवीं एसएसएलसी बोर्ड की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अवनि माहेश्वरी 93.6%

भोपाल। समाज सदस्य आनंद-कल्पना माहेश्वरी की सुपुत्री अवनि ने बारहवीं की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वैभव कांकाणी 95.7%

बेंगलुरु। समाज सदस्य दीपक कांकाणी के सुपुत्र वैभव ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा 95.7% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यश मारू 98%

मुम्बई। समाज सदस्य संजय नवीन मारू के सुपुत्र यश ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा 98% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ध्रुव सोमानी94%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य मनोज कुमार-आशा सोमानी के सुपुत्र ध्रुव ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भूमिका राठी 90.4%

फ़रीदाबाद। समाज सदस्य दीपक-प्रीति राठी की सुपुत्री भूमिका ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 90.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निखिल माहेश्वरी 93%

रांची । समाज सदस्य सुभाष-काजल माहेश्वरी के सुपुत्र निखिल ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हार्दिक हेड़ा 98.3%

हावड़ा । समाज सदस्य अनिल-कृष्णा के सुपुत्र हार्दिक ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 98.3% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संजना मोहता 90%

नई दिल्ली। समाज सदस्य संजय-ममता मोहता की सुपुत्री संजना ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अक्षिता सोमानी 90.4%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य अनिल-रेखा सोमानी की सुपुत्री अक्षिता ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सारिका करवा 92.33%

बीकानेर। समाज सदस्य ललित कुमार-तारा देवी करवा की सुपुत्री ने दसवीं आरबीएसई बोर्ड की परीक्षा 92.33% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

ऐश्वर्या बाहेती 93.6%

नीमच। समाज सदस्य दीपक-ज्योति बाहेती की सुपुत्री ऐश्वर्या ने बारहवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अक्षय माहेश्वरी 93.8%

नई दिल्ली। समाज सदस्य अमित-ऐश्वर्या माहेश्वरी के सुपुत्र अक्षय ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शिवम काबरा 93%

लेसवा। समाज सदस्य सांबररमल-सीमा काबरा के सुपुत्र शिवम ने बारहवी बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

काव्या सुदा 91.8%

चेन्नई । समाज अनुपम-परिणीता सुदा की सुपुत्री काव्या ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आर्थिक साबू 92.6%

गुमला। समाज सदस्य नितिन-पूनम साबू के सुपुत्र आर्थिक ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 92.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यशस्वी पनपालिया 93.5%

जोधपुर। समाज सदस्य धर्मेश पनपालिया की सुपुत्री यशस्वी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.5% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कल्याणी भट्टड़ 90.50%

अकोला। समाज सदस्य दीपक भट्टड़ की सुपुत्री कल्याणी ने बारहवीं एसएससी बोर्ड की परीक्षा 90.50% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जाह्नवी बाहेती 94%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य प्रकाश - शिल्पा बाहेती की सुपुत्री जाह्नवी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नवेद्यम पेड़ीवाल 92.8%

बैंगलौर। समाज सदस्य राजेश कुमार - रितु पेड़ीवाल के सुपुत्र नवेद्यम ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 92.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

विनिशा राठी 90%

अजमेर (राज.)। समाज सदस्य मनीष-निर्मला राठी की सुपुत्री विनिशा ने बाहरवीं बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनमोल टावरी 90%

राजनांदगांव। समाज सदस्य अनिल-शारदा टावरी के सुपुत्र अनमोल ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अदिति भूतड़ा 91.83%

लातूर। समाज सदस्य कचरूलाल भूतड़ा की सुपुत्री अदिति ने बारहवीं एचएससी बोर्ड की परीक्षा 91.83% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्राची तोषनीवाल 97.4%

लातूर। समाज सदस्य मनीष-बरखा तोषनीवाल की सुपुत्री प्राची ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 97.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कौस्तुभ बांगुर 95.54%

डांडेली। समाज सदस्य नवलकिशोर बांगुर के सुपुत्र कौस्तुभ ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 95.54% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शौर्य चांडक 98.6%

कोलकाता। समाज सदस्य सुशांत - सुमन चांडक के सुपुत्र शौर्य ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 98.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पूर्वेश तोशनीवाल 93%

यवतमाल। समाज सदस्य के सुपुत्र ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यशिका माहेश्वरी 94.8%

जयपुर। समाज सदस्य संजय-प्रीति माहेश्वरी की सुपुत्री याशिका ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नैना माहेश्वरी 92.8%

आगरा। समाज सदस्य अनूप रचना माहेश्वरी की सुपुत्री नैना ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 92.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अदिति राठी 94.2%

बेंगलुरु। समाज सदस्य श्वेता काबरा की सुपुत्री अदिति ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हेमंत मोहता 91.75%

हावड़ा। समाज सदस्य सुशील कुमार-शालिनी मोहता के सुपुत्र हेमंत ने बारहवीं आईएससी बोर्ड की परीक्षा 91.75% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आयुष दरक 94.4%

थाणे। समाज सदस्य सुनील - संगीता दरक के सुपुत्र आयुष ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अवनि लड्ढा 94%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य पवन कुमार-चेतना लड्ढा की सुपुत्री अवनि ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अक्षिका काकानी 94.6%

अजमेर। समाज सदस्य राजेश कुमार - अनिला काकानी की सुपुत्री अक्षिका ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

विशेष लाठी 94.6%

देवास। समाज सदस्य निलेश-शिल्पा लाठी के सुपुत्र विशेष ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वृजेश राठी 91%

यवतमाल। समाज सदस्य पंकज राठी के सुपुत्र वृजेश राठी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्वस्ति सोमानी 96.6%

जयपुर। समाज सदस्य करुणेश प्रसाद - इंदिरा सोमानी की सुपुत्री स्वस्ति ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 96.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आर्यन झंवर 96.2%

सोलापुर। समाज सदस्य रघुनंदन झंवर के सुपुत्र आर्यन ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 96.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राधिका चाण्डक 96%

श्रीगंगानगर। समाज सदस्य किशन चाण्डक की सुपुत्री राधिका ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गौरी मूंदडा 93.6%

हनुमंतवाड़ी लातूर। समाज सदस्य सतीश सोनल मूंदडा की सुपुत्री गौरी ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्षल काबरा 91%

रतलाम। समाज सदस्य जितेंद्र-सीमा काबरा की सुपुत्री हर्षल ने बारहवीं सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राजश्री अजमेरा 92%

चित्तौड़गढ़ (राज.)। समाज सदस्य गोविंद प्रसाद अजमेरा की सुपुत्री राजश्री ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 92% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कुन्दन बियानी 95.6%

रायपुर। समाज सदस्य गिरिराज-शिखा बियानी के सुपुत्र कुन्दन ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 95.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वेदिका अजमेरा 91%

चित्तौड़गढ़, (राज.)। समाज सदस्य गोविंद प्रसाद अजमेरा की सुपुत्री वेदिका ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

संकल्प लड्ढा 93.17%

बेंगलुरु। समाज सदस्य मदन गोपाल - स्वाती लड्ढा के सुपुत्र संकल्प ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.17% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्नेहा राठी 94.2%

जोरावरपुरा नोखा। समाज सदस्य रमेश राठी की सुपुत्री स्नेहा ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा में 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राजेश्वरी चांडक 94.80%

बीकानेर। समाज सदस्य सीताराम-इंद्रा देवी चांडक की सुपुत्री राजेश्वरी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 94.80% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हीरल बिहानी 94.6%

बीकानेर। समाज सदस्य श्यामसुंदर-शीतल की सुपुत्री हीरल ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राघव करनानी 97%

जयपुर। समाज सदस्य अजय कुमार - रश्मि करनानी के सुपुत्र राघव ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 97% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रांशी सारडा 96%

भोपाल। समाज सदस्य प्रदीप कुमार-पूनम सारडा की सुपुत्री प्रांशी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पवन कुमार राठी 90%

बीकानेर। समाज सदस्य शिवप्रकाश - अल्पना राठी के सुपुत्र पवन ने बारहवीं आरबीएसई बोर्ड की परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तन्वी माहेश्वरी 94.6%

फ़रीदाबाद। समाज सदस्य अनुभव-मंजुल माहेश्वरी की सुपुत्री तन्वी ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शिवानी सोमानी 97%

ग्वालियर । समाज सदस्य अभिषेक-वंदना सोमानी की सुपुत्री शिवानी ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 97% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनिरुद्ध राठी 95.6%

चेन्नई। समाज सदस्य श्याम-रेनू राठी के सुपुत्र अनिरुद्ध ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

लक्षिता राठी 91.33%

बीकानेर। समाज सदस्य मनोज-रश्मि राठी की सुपुत्री लक्षिता ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 91.33% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तनय चांडक 97.8%

अकोला। समाज सदस्य महेंद्र-सपना के सुपुत्र तनय ने दसवीं एसएससी बोर्ड की परीक्षा 97.8 अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

चहक चांडक 93%

बीकानेर। समाज सदस्य शिव रतन -मधु चांडक की सुपुत्री चहक ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 93% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भावेश दमानी 96.6%

बैंगलोर। समाज सदस्य राजेश कुमार-जमुना दमानी के सुपुत्र भावेश ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 96.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निशिका राठी 99.6%

महाराष्ट्र। समाज सदस्य विकास राठी की सुपुत्री निशिका ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड की परीक्षा 99.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दिव्यम खटोर 95%

अहमदाबाद। समाज सदस्य नितेश-बेला खटोर के सुपुत्र दिव्यम ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राधिका मूंदडा 90.40%

नारायणगढ़। समाज सदस्य प्रमोद -मंजू मूंदड़ा की सुपुत्री राधिका ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 90.40% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पलख मुथा 96%

बेंगलुरु। समाज सदस्य आशीष मूथा की सुपुत्री पलख ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आर्या तापड़िया 97.4%

लातुर (महा.)। समाज सदस्य महेश-अंजलि तापड़िया की सुपुत्री आर्या ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 97.40% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रिया भंडारी 90.8%

उज्जैन (म.प्र.)। समाज सदस्य विवेक-दिव्या भण्डारी की सुपुत्री श्रिया ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कृष्ण दमानी 91%

नवी मुंबई । समाज सदस्य शरद-शिल्पा दम्मानी के सुपुत्र कृष्ण ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 91% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रेया माहेश्वरी 97.6%

बठिंडा, पंजाब। समाज सदस्य डॉ. रविंदर -डॉ. अन्नू माहेश्वरी की सुपुत्री श्रेया ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 97.6 % अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राधिका मुंधड़ा 96.6%

चंद्रपुर महाराष्ट्र। समाज सदस्य मनीष मुंधड़ा की सुपुत्री राधिका ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 96.6 % अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रीतीश तापड़िया 96.8%

अहमदाबाद। समाज सदस्य सुनील - पूजा तापड़िया के सुपुत्र प्रीतीश ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 96.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रिधिका लखोटिया 97%

कोलकाता। समाज सदस्य अंजनी कुमार-सुमन लखोटिया की सुपुत्री रिधिका ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 97% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नकुल करवा 94.17%

सोलापुर। समाज सदस्य प्रशांत-शिल्पा करवा के सुपुत्र नकुल ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 94.17 % अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनुराधा राठी 95.8%

कोलकाता । समाज सदस्य मनोज कुमार - मंजू राठी की सुपुत्री अनुराधा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शौर्य मालपानी 91.4%

जयपुर। समाज सदस्य चंद्र प्रकाश-अर्चना मालपानी के सुपुत्र शौर्य ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हंसिका माहेश्वरी 95.8%

बैंगलोर। समाज सदस्य रोहित कुमार - पूनम महेश्वरी की सुपुत्री हंसिका ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 95.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शुभ राठी 90.8%

मुजफ्फरनगरा। समाज सदस्य रूचि-रजत राठी के सुपुत्र शुभ ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

देवांश सोनी 96.5%

हावड़ा । समाज सदस्य संदीप - विजयश्री के सुपुत्र देवांश ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96.5% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अंशुल मूंदड़ा 93.8%

भीलवाड़ा। समाज सदस्य द्वारकाप्रसाद - अनिता मूंदड़ा के सुपुत्र अंशुल ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मुकुंद सोमानी 92.40%

अलीराजपुर (म.प्र.)। समाज सदस्य विनोद सोमानी के सुपुत्र मुकुंद ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 92.40% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

विदित माहेश्वरी 92.8%

आगरा (उ.प्र.)। समाज सदस्य असित माहेश्वरी के सुपुत्र विदित ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 92.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कृष्णा मूंदड़ा 93.2%

पुणे। समाज सदस्य सचिन-सपना के सुपुत्र सचिन ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

लिजा मूंदड़ा 90.6%

जोधपुर (राज.)। समाज सदस्य संतोष-मनीष मूंदड़ा की सुपुत्री लिजा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मेघा माहेश्वरी 96.4%

रेवाड़ी, हरियाणा। समाज सदस्य विनोद कुमार माहेश्वरी (लड्ढ़ा) की सुपुत्री मेघा ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रिद्धिमा माहेश्वरी 95.6%

रेवाड़ी, हरियाणा। समाज सदस्य जयंत कुमार माहेश्वरी की सुपुत्री रिद्धिमा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रोहन भराड़िया 90.6%

लातूर, महाराष्ट्र। समाज सदस्य श्रीकांत-संतोष भराड़िया के सुपुत्र रोहन ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रोहित भराड़िया 90%

लातूर, महाराष्ट्र। समाज सदस्य श्रीकांत-संतोष भराड़िया के सुपुत्र रोहित ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आदिश्री भट्टड़ 90%

सोलापुर। समाज सदस्य सुजीत - जोशना भट्टड़ की सुपुत्री आदिश्री ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वेदिका मोदी 96.8%

जोधपुर। समाज सदस्य राखी-शैलेष मोदी की सुपुत्री वेदिका ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 96.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सार्थक भुराड़िया 92.8%

रेवाडी। समाज सदस्य सचिन - श्वेता भुराड़िया के सुपुत्र सार्थक ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 92.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मेहुल झंवर 90.2%

रूड़की, उत्तराखंड। समाज सदस्य मनोज - शशि देवी झंवर के सुपुत्र मेहुल ने बाहरवीं बोर्ड परीक्षा 90.2 % अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हितार्थ चांडक 92.6%

अहमदाबाद। समाज सदस्य अमित कुमार चांडक के सुपुत्र हितार्थ ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 92.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रेयांश सोमानी 91.4%

बस्तर (छत्तीसगढ़)। समाज सदस्य स्वर्गीय कमल सोमानी के सुपुत्र श्रेयांश ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निश्चल मंडोवरा 97.4%

अहमदाबाद। समाज सदस्य सुनीता- नवीन कुमार मंडोवरा के सुपुत्र निश्चल ने बारहवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 97.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राधा सोनी 95.33%

बीकानेर। समाज सदस्य जया-विजय कुमार सोनी की सुपुत्री राधा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 95.33% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निलय झंवर 91%

चित्तौड़गढ़। समाज सदस्य ललित कुमार - सपना झंवर के सुपुत्र निलय ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 91 अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तन्मय बिहानी 95%

फरीदाबाद, हरियाणा। समाज सदस्य अजय-सरोज बिहानी के सुपुत्र तन्मय ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नित्या लखोटिया 92%

कोलकाता । समाज सदस्य गोवर्धन-संजू लखोटिया की सुपुत्री नित्या ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 92% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

केशव लड्ढा 90.6%

पाली, राजस्थान । समाज सदस्य अनिता-देवकिशन लड्ढा के सुपुत्र केशव ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 90.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भव्या दुधानी 96%

फरीदाबाद। समाज सदस्य शंकरलाल - सुनीता दुधानी की सुपुत्री भव्या ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मधुर झंवर 96.5%

यवतमाल। समाज सदस्य अमित - एकता झंवर के सुपुत्र मधुर ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96.5% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

राशि चांडक 94%

अहमदाबाद। समाज सदस्य गौरव चांडक की सुपुत्री राशि ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94 % अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कोमल राठी 92.2%

अकोला महाराष्ट्र। समाज सदस्य सुरेश - राजश्री राठी की सुपुत्री कोमल ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 92.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सार्थक लड्ढा 93.6%

भीलवाड़ा । समाज सदस्य अरविंद लड्ढा के सुपुत्र सार्थक ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

यजत माहेश्वरी 90%

आगरा। समाज सदस्य अंकिता - गौरव माहेश्वरी के सुपुत्र यजत ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वैभव नारानिवाल 90%

बस्सी, चित्तौड़गढ़। समाज सदस्य यशोदा-रामपाल नारानिवाल के सुपुत्र वैभव ने बाहरवीं बोर्ड परीक्षा में 90% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सलोनी माहेश्वरी 93.4%

विदिशा। समाज सदस्य आशीष-सोनल माहेश्वरी की सुपुत्री सलोनी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 93.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वृंदा आगाल 92.2%

बाग जिला (धार)। समाज सदस्य नीलेश आगाल की सुपुत्री वृंदा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 92.% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अथर्व लड्ढा 97.2%

मुंबई। समाज सदस्य पीयूष-अनुश्री लड्ढा के सुपुत्र अथर्व ने दसवीं आईसीएसई बोर्ड परीक्षा 97.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कुशल सोमानी 92.75%

सिलीगुड़ी। समाज सदस्य दीपा-नवीन सोमानी के सुपुत्र कुशल ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 92.75% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

खनक मूंदड़ा 96%

कोलकाता। समाज सदस्य ओम प्रकाश-दुर्गा मूंदड़ा की सुपुत्री खनक ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दिवा सोमानी 94.2%

बस्तर (छत्तीसगढ़)। समाज सदस्य दिनेश सोमानी की सुपुत्री दिवा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पलक राठी 91.4%

बस्तर (छत्तीसगढ़)। समाज सदस्य संगीदास-सीमा राठी की सुपुत्री पलक ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रेष्ठा मूंधड़ा 93.6%

सदर बाजार, भाटापारा। समाज सदस्य संतोष - अलका मूंदड़ा की सुपुत्री श्रेष्ठा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दीया राठी 95.60%

राम नगर, अकोला। समाज सदस्य रमेश राठी की सुपुत्री दीया ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 95.60% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

दिग्वि माहेश्वरी 94%

सिलचर, असम। समाज सदस्य प्रीति-पवन झंवर की सुपुत्री दिग्वि ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गार्गी पंसारी 99.4%

जैसलमेर, राजस्थान। समाज सदस्य दीपक-मालती पंसारी की सुपुत्री गार्गी पंसारी ने दसवीं सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 99.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रांजल पेडीवाल 91.8%

गाजियाबाद। समाज सदस्य पवन कुमार-अंजु पेडीवाल की सुपुत्री प्रांजल ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 91.8% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

निहारिका बाहेती 94%

कोलकाता। समाज सदस्य नवनीत बाहेती की सुपुत्री निहारिका ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

पूर्वी राठी 96.4%

बस्तर, छत्तीसगढ़। समाज सदस्य नंद किशोर राठी की सुपुत्री पूर्वी ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

प्रणय काबरा 94.4%

चित्तौड़गढ़। समाज सदस्य मदन गोपाल काबरा के सुपुत्र प्रणय ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तनुश्री चांडक 91.4%

नागपुर। समाज सदस्य राखी-प्रकाश की सुपुत्री तनुश्री ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 91.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अन्वेषा करवा 96%

पंचकुला अमरावती। समाज सदस्य अविनाश - सरिता करवा की सुपुत्री अन्वेषा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 96% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

युवी सोमानी 94.2%

गुजरात। समाज सदस्य विवेक-मनोरमा सोमानी की सुपुत्री युवी ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 94.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आरव डागा 97.4%

मुंबई । समाज सदस्य अमित-आशा डागा के सुपुत्र आरव ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 97.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

तृषा बिहानी 99%

कोलकाता। समाज सदस्य राकेश निशा बिहानी की सुपुत्री तृषा ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 99% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आरुष तापड़िया 97.4%

मुंबई। समाज सदस्य सचिन-पूनम तापड़िया के सुपुत्र आरुष ने दसवीं बोर्ड परीक्षा 97.4% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्षा जाजू 96.50%

पुणे। समाज सदस्य रमेश जाजू की सुपुत्री हर्षा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा 96.50% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

स्नेहल चाण्डक 91.83%

पुणे। समाज सदस्य दिनेश-आरती चाण्डक की सुपुत्री स्नेहल ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 91.83% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

लक्षिता मालपानी 91.2%

म.प्र. । समाज सदस्य मुकूंद मालपानी की सुपुत्री लक्षिता ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 91.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सिया लड्ढा 93.6%

भीलवाड़ा (राज.)। समाज सदस्य विजय कुमार-अभा लड्ढा की सुपुत्री सिया ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 93.6% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भूमि झंवर 97.2%

फरीदाबाद। समाज सदस्य रमेश व सीमा झंवर की सुपुत्री भूमि ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा 97.2% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गौरी बाहेती 94.83%

पुणे। समाज सदस्य गोपाल-सीमा बाहेती की सुपुत्री गौरी ने बारहवीं बोर्ड की परीक्षा 94.83% अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सही
जन्म कुण्डली
ही बता सकती है सही
भविष्य

जन्म कुण्डली की सुक्ष्म गणनाओं के लिए विश्वसनीय नाम

भारत के प्रख्यात ज्योतिष विदुषियों द्वारा प्रमाणित सॉफ्टवेयर द्वारा ज्योतिष पत्रिकाओं में अग्रणी

१२ ग्रहों की स्थिति, उनके विवरण, षोड्ष वर्ग, सुदर्शन चक्र, मैत्री चक्र, षडबल एवं भावबल, प्रस्तारक अष्टक वर्ग सारिणी, अष्टक वर्ग सारिणी, विशोंतरी दशा, महादशा, प्रत्यंतर दशा एवं सुक्ष्म दशा सहित, कृष्णमूर्ति पद्धति, ग्रहों के उप स्वामी, ग्रहों की स्थिति लग्नानुसार, वर्षफल, वैदिक ग्रंथों के अनुसार नक्षत्र फल, साढ़े साती विवरण एवं उनके उपाय, रत्न विचार एवं समस्याओं पर उपचार, योग संग्रह, कुण्डली योग का विवरण, परिणाम सहित कुण्डली मिलान।

ऋषि मुनि
वैदिक सॉल्युशन्स

90, विद्या नगर, साँवेर रोड़, उज्जैन (म.प्र.)
94250 91161 rishimuniprakashan@gmail.com

देश में किसी भी समाज से सर्वाधिक सीए देने वाले के रूप में माहेश्वरी समाज देश में सबसे आगे है। समाज की इस परम्परा में इस बार भी सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले में माहेश्वरी विद्यार्थियों की सम्भवतः सबसे अधिक संख्या है।

माहेश्वरी समाज ने दिये सर्वाधिक सीए

अक्षया लाठी

नीमच। समाज सदस्य अनिल लाठी की धर्मपत्नी अक्षया ने तीन वर्ष के बच्चे सहित पारिवारिक जिम्मेदारियाँ सम्भालते हुए सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। अक्षया लेफ्टिनेंट ओमप्रकाश व लेफ्टिनेंट अलका माहेश्वरी की सुपुत्री तथा सत्यनारायण व कृष्णकांता लाठी की पुत्रवधु हैं।

कशिश माहेश्वरी

बठिंडा (पंजाब)। समाज सदस्य मनोज व आरती माहेश्वरी के सुपुत्र कशिश ने सीए फायनल की परीक्षा उत्तीर्ण की।

साक्षी राठी

बेमेतरा, छत्तीसगढ़। समाज सदस्य घनश्याम - अंतिमा राठी की सुपुत्री साक्षी ने सीए अंतिम वर्ष की दोनो ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की।

प्रतिभा सिकावत

सूरत (गुजरात)। समाज सदस्य रामेश्वर लाल सिकावत की सुपुत्री प्रतिभा सिकावत ने जुलाई 2023 में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से सीए परीक्षा उत्तीर्ण की।

अभिषेक मंत्री

हिंडोली (बूंदी राज.)। ग्राम खेरखाटा निवासी रमेशचंद्र मंत्री व अंजू देवी मंत्री के सुपुत्र अभिषेक ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की।

आदित्य परवाल

रतलाम। कर सलाहकार अनिल व शालू परवाल के सुपुत्र आदित्य ने सी ए फाइनल की परीक्षा में सफलता प्राप्त की।

भावेश बंग

श्रीडूंगरगढ़ (राज.)। समाज सदस्य श्यामसुन्दर बंग के सुपुत्र भावेश बंग ने ने सीए अंतिम वर्ष 2023 की परीक्षा उत्तीर्ण की।

हर्ष कचोलिया

जयपुर (राजस्थान)। समाज सदस्य राजेश कुमार कचोलिया के सुपुत्र हर्ष ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

हर्ष भूतड़ा

राजनांदगांव (छ.ग.)। समाज सदस्य घनश्याम व पुष्पा भूतड़ा के सुपुत्र हर्ष ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की।

रविशंकर तोषनीवाल

बीकानेर (राज.)। नोखा निवासी कैलाशचन्द्र तोषनीवाल के सुपुत्र रविशंकर ने सीए फायनल की परीक्षा उत्तीण। की।

गोपाल सारडा

हावड़ा (कोलकाता)। समाज सदस्य नरेंद्र-विद्या सारडा के सुपुत्र गोपाल ने सीए फायनल की परीक्षा उत्तीर्ण की।

प्रेक्षा माहेश्वरी

भीलवाड़ा (राज.)। समाज सदस्य राजेंद्र कुमार गग्गड़ व सुमन माहेश्वरी की सुपुत्री प्रेक्षा ने सीए फायनल की परीक्षा उत्तीर्ण की।

स्मिता तोषनीवाल

मुजफ्फरपुर। समाज सदस्य रमेश - बेला तोषनीवाल की सुपुत्री स्मिता तोषनीवाल ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर चार्टर्ड अकाउंटेंट की डिग्री प्राप्त की।

दीक्षा सोमानी

सरदारशहर। वर्तमान रानीगंज (पश्चिम बंगाल) में निवासरत ओमप्रकाश - दुर्गादेवी सोमानी की सुपौत्री, पंकज-मनीषा सोमानी की सुपुत्री दीक्षा सोमानी ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

आस्था गांधी

दुर्ग। साजा माहेश्वरी समाज के संरक्षक कुंदनम-कमलादेवी गांधी की सुपौत्री व दुर्ग निवासी नंदकिशोर - मीना गांधी की सुपुत्री आस्था गांधी ने सी. एस. (कंपनी सेक्रेटरी) की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहिजनो ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्ष मूंदड़ा

वर्धा (महा.)। उमेश मूंदड़ा के सुपुत्र हर्ष ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

तुषार राठी

पुरुलिया (पश्चिम. बंगाल)। स्व. श्री बिमल कुमार-सीमा राठी के सुपुत्र तुषार ने सीए फाइनल की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रुति अजमेरा

भोपाल (म.प्र.)। समाज सदस्य सुनील-वनीता अजमेरा श्रुति अजमेरा ने सीए इंटर मीडिएट के दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की।

नारायण मोदानी

पालघर। समाज सदस्य बृजगोपाल - सुशीला मोदानी के सुपुत्र नारायण मोदानी ने सीए फायनल की परीक्षा गत मई माह में उत्तीर्ण की।

दीपिका बंग

रेन (राज.)। समाज सदस्य नंदकिशोर - किरण बंग की सुपुत्री दीपिका ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गरिमा काबरा

जयपुर। अनिल-शर्मिला काबरा की सुपुत्री गरिमा ने सीए की अंतिम परीक्षा गत दिनों उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अमन गांधी

दुर्ग। साजा माहेश्वरी समाज के संरक्षक कुंदनमल - कमलादेवी गांधी के सुपौत्र व दुर्ग नंदकिशोर - मीना गांधी के सुपुत्र अमन गांधी ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की।

पार्थ सोनी

सीहोर। पार्थ सोनी ने प्रथम प्रयत्न में सीए इन्टरमीडिएट की परीक्षा में 800 में से 413 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। पार्थ के पिता नवीन सोनी प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं माता रुपाली सोनी प्रसिद्ध कत्थक शास्त्रीय नृत्य कलाकार हैं।

पलक माहेश्वरी

बदनावर (धार)। समाज सदस्य संजय-ममता माहेश्वरी की सुपुत्री पलक ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

अनुज मोहता

हावड़ा। समाज सदस्य आनंद कुमार - संगीता मोहता के सुपुत्र अनुज ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

हर्ष पलोड़

कपासन (चित्तौड़गढ़)। समाज सदस्य मुकेश व मधु पलोड़ के सुपुत्र हर्ष ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की।

अमेय बंग

संभाजीनगर। समाज सदस्य रीता-रूपेश बंग के सुपुत्र अमेय बंग ने पहले प्रयास में ही सीए इंटर के दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की।

आकांशी होलानी

बठिंडा। समाज सदस्य नीरज - ऋतु होलानी की सुपुत्री आकांशी होलानी ने मई 2023 की सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष

धीरज माहेश्वरी

भीलडी। समाज के वरिष्ठ लेखराज और स्व. श्रीमती कमला देवी के सुपुत्र धीरजकुमार ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कौशल मोहता

पुरुलिया (पश्चिम. बंगाल)। समाज सदस्य राजकुमार मोहता के सुपुत्र कौशल ने मई 2023 की सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

नम्रता दम्मानी

पुरुलिया। नारायण व ज्योति दम्मानी की सुपुत्री नम्रता ने सीए फायनल दोनों ग्रुप की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सलोनी लावटी

अहमदाबाद। समाज सदस्य जुगल किशोर - नैना लावटी की सुपुत्री सलोनी लावटी ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गौरव सारडा

चैन्नई। समाज सदस्य कैलाश-कविता सारडा के सुपुत्र गौरव ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

शुभम बजाज

बेमेतरा (छत्तीसगढ़)। समाज सदस्य श्याम सुंदर व निर्मला बजाज के सुपुत्र शुभम ने सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

गौरी को नीट में 685 रैंक

इंदौर। ख्यात चिकित्सक स्व. डॉ. ब्रजमोहन ईनाणी की सुपौत्री एवं डॉ. राम व डॉ. अरुणा ईनाणी की सुपुत्री गौरी ईनाणी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में ऑल इंडिया 685 रैंक प्राप्त की। इसमें उन्होंने कुल 99.95 पर्सेन्टाईल प्राप्त किये।

कनिष्का युनिवर्सिटी टॉपर

कामख्यागुड़ी (प.बं.)। समाज सदस्य राजेश-चन्दना तोषनीवाल की सुपुत्री तथा स्व. श्री तोलाराम - श्रीमती रमादेवी की सुपौत्री कनिष्का तोषनीवाल ने बंगलुरू विश्वविद्यालय से भौतिकी विज्ञान में एम. एससी. की डिग्री विवि में सर्वाधिक अंक लेकर उत्तीर्ण की। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गेहलोत द्वारा कनिष्का का स्वर्णपदक, सम्मानपत्र एवं नगद पुरस्कार से सम्मान किया गया।

प्रणय हांगकांग से बी.ई.

मुम्बई। समाज के वरिष्ठ श्याम सुंदर व शारदा देवी पेड़िवाल के पौत्र तथा संदीप व कुसुम पेड़िवाल के सुपुत्र प्रणय ने हांगकांग विश्वविद्यालय से बी.ई. (कम्प्यूटर साईंस) की उपाधि प्रथम श्रेणी (ऑनर्स) के रूप में प्राप्त की।

माहिया नीट में चयनित

छपरा (बिहार)। समाज के वरिष्ठ मदन मोहन माहेश्वरी की पौत्री तथा राजीव - सुलेखा माहेश्वरी की सुपुत्री माहिया ने नीट परीक्षा 691 अंकों के साथ उत्तीर्ण की। उल्लेखनीय है कि इन्होंने 12वीं की परीक्षा भी 97.25 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की है।

चैतन्य को जेईई में 15वीं रैंक

मुंबई। चैतन्य सुपुत्र मधु महेश माहेश्वरी व पौत्र स्व. हनुमान प्रसाद चरखा, गुवाहाटी ने जेईई एडवांस परीक्षा ऑल इंडिया 15वीं रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

नमन को गेट में 71वीं रैंक

रतलाम (म.प्र.)। समाज सदस्य रवि व सुधा मालपानी के सुपुत्र नमन ने इंजिनियरिंग की आयटी शाखा से बी.टेक. पूर्ण किया। इसके साथ उन्होंने प्रतिष्ठित परीक्षा 'गेट' में भी भाग लिया और इसमें ऑल इंडिया 71वीं रैंक प्राप्त की।

माधव नीट उत्तीर्ण

तेलंगाना। समाज सदस्य निलेश-अंजुश्री मालानी के सुपुत्र माधव ने नीट की परीक्षा में 95.57 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वैभव नीट में चयनित

सांगली। समाज सदस्य ब्रजेश-राजश्री बियानी के सुपुत्र वैभव ने नीट यूजी परीक्षा ऑल इंडिया 50750 रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

तन्मय प्रतियोगी परीक्षा में अव्वल

नासिक रोड। तन्मय नितिन सारदा ने एमएचटी सीईटी परीक्षा - 99.817 पर्सेन्टाईल व जेईई मेन्स - 98.94 पर्सेन्टाईल से उत्तीर्ण की।

प्रियांशी को नीट में 202 वीं रैंक

दिल्ली। प्रियांशी माहेश्वरी ने 12वीं कक्षा विज्ञान बायो से उत्तीर्ण कर नीट परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसमें उन्हें 720 में से 700 अंक व ऑलइंडिया 202 रैंक प्राप्त हुई।

कनिष्क नीट में चयनित

इंदौर। स्वर्गीय श्री ओम प्रकाशजी व पुष्पा ईनानी (बाग़ली/इन्दौर) के पौत्र एवं अमित-मीना ईनानी के सुपुत्र कनिष्क ईनानी ने नीट की परीक्षा में 637 अंक (99.45 परसेंटाइल) प्राप्त किये।

देवेश जेईई में 2433 रैंक

भुवनेश्वर। देवेश चौधरी (मारू) ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा 95 प्रतिशत अंक तथा जेईई एडवांस्ड परीक्षा ऑल इंडिया रैंक 2433 के साथ उत्तीर्ण की। उन्होंने आईआईटी कानपुर में एडमिशन ले लिया है।

विकास नीट में चयनित

नोखा बीकानेर। समाज सदस्य श्याम सुंदर राठी व संगीता देवी के सुपुत्र विकास ने नीट-2023 परीक्षा ऑल इंडिया 5255 रैंक तथा ईडब्ल्यूएस 508 रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

चैतन्य को जीपीएटी में 227 रैंक

छत्तीसगढ़। समाज सदस्य संतोष व सुमन राठी के सुपुत्र चैतन्य ने बी.फार्मा. की परीक्षा डिम्ड युनिवर्सिटी गीतम से टॉपर के रूप में उत्तीर्ण की। इसके साथ ही उन्होंने जीपीएटी परीक्षा ऑल इंडिया 227 रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

युक्ति को बी.टेक. में 82%

बालोद (छ.ग.)। समाज सदस्य कमल-उषा पनपालिया की सुपुत्री युक्ति पनपालिया ने बी.टेक (सीएस) की परीक्षा 82.2 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

दिव्या नीट में चयनित

जगदलपुर (छ. गढ़)। समाज सदस्य जगनलाल-सरोज झंवर की सुपुत्री दिव्या ने नीट की परीक्षा 373479 रैंक के साथ उत्तीर्ण की।

पूजा केला MBBS उत्तीर्ण

जगदलपुर (छ.ग.)। समाज सदस्य सुरेश केला सुपुत्री पूजा ने MBBS की उपाधि प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जान्हवी सीईटी में टॉप

जालंधर। विनोद गट्टानी की सुपुत्री जान्हवी ने एमएचटी-सीईटी परीक्षा 97.14 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

कँवल अमेरिका से पीएचडी

सिंध (पाकिस्तान)। कान्टियों - सिंध निवासी डॉ. जीवराज गोकलानी (माहेश्वरी) की सुपुत्री डॉ.कँवल ने यूएसए की बोस्टन यूनिवर्सिटी से इन्डोडोंटिक्स विषय पर पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

वेदांश जेईई में चयनित

बेमेतरा (छ.ग.)। समाज सदस्य संदीप माहेश्वरी के सुपुत्र वेदांश ने जेईई एडवांस परीक्षा उत्तीर्ण की। इनका चयन आईआईटी, रूड़की के लिए हुआ है।

हर्षिता नीट में चयनित

गोलाघाट (असम)। संजय-सुनीता बजाज की सुपुत्री हर्षिता ने नीट की परीक्षा 570 अंकों से उत्तीर्ण की। इसमें उन्हें 465 राज्य रैंक प्राप्त हुई।

मेघना नीट में 99 पर्सेन्टाईल

ठाणे (महा.)। समाज सदस्य कैलाश-रीता रांदड़ की सुपुत्री मेघना ने 656 अंक अर्थात 99.73 पर्सेन्टाईल अंकों के साथ नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की।

मितुल नीट में चयनित

सांगली। समाज सदस्य डॉ. आनंद मालपानी के सुपुत्र मितुल ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट 720 में से 609 अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

विदुषी प्रवेश परीक्षाओं में अव्वल

चैन्नई (तमिलनाडु)। दीपक व मालती पंसारी की सुपुत्री विदुषी ने कक्षा 12वीं सीबीएसई की परीक्षा 91.6% (विज्ञान समूह) से उत्तीर्ण की। इसके साथ इन्होंने सीयूईटी, जेईई (संयुक्त) तथा एनआईएफटी जीएटी में भी राष्ट्र स्तर पर उल्लेखनीय रैंक प्राप्त की।

अयान जेईई में चयनित

नवी मुंबई। समाज सदस्य विनोद-राजश्री गट्टानी के सुपुत्र अयान ने जेईई एडवांस में ऑलइंडिया 19843 रैंक प्राप्त की। सीबीएसई 12वीं में भी 92.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

राघव जेईई में चयनित

भीलवाड़ा। समाज सदस्य मधु मोदी के सुपुत्र राघव मोदी ने जेईई एडवांस की परीक्षा ऑल इंडिया 589 रैंक के साथ उत्तीर्ण की। सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में भी 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

पर्यावरण दिवस पर अपील

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आईये हम सभी प्रकृति संरक्षण के लिए अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करें। इसके लिए सभी परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य लगाऐं एवं इस पौधे के बड़े होने तक इसके संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी निभाऐं। हमारा यह छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ी को नया जीवन और स्वच्छ पर्यावरण देगा। श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक पर्यावरण पर केन्द्रित होगा। यदि आप पर्यावरण से संबधित लेख, फोटो या जानकारी देना चाहते है तो स्वागत है, कृपया 20 अगस्त के पूर्व भेजने का कष्ट करें।

संपादकः श्री माहेश्वरी टाईम्स

आमतौर पर जनता और पुलिस के बीच एक बड़ी खाई है, विश्वास की कमी। अगर दोनों इस कमी को दूर कर एक दूसरे का सहयोग करें, तो अपराध नियंत्रण की गति अति तीव्र हो जाऐ। इसी सोच के साथ कार्य कर रही है, संस्था पब्लिक पुलिस, जो जरूरतमंदों का संबल भी बनी हुई है। इसकी स्थापना एनजीओ के रूप में नई दिल्ली के सीए राकेश कुमार माहेश्वरी (चाण्डक) के प्रयास से हुई थी। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश सहित कई न्यायवेत्ता व कानूनविद् सहित 100 से अधिक प्रशासनिक अधिकारी इस संस्था से सम्बद्ध है।

■ टीम SMT

जनता और पुलिस की सेतु
पब्लिक पुलिस
NGO

CHAIRMAN
JUSTICE K.G.BALAKRISHNAN
FORMER CHIEF JUSTICE OF INDIA
& FORMER CHAIRMAN - NHRC

VICE CHAIRMAN
MR. DHARMENDRAMISHRA
EX IAS, FORMER CHAIRMAN
BOARD OF REVENUE UP

MEMBER SECRETARY
MR. DEO DATTA - EX
IAS, FORMER CHAIRMAN
AND C.E.O NOIDA, AUTHORITY UP

CHIEF EXECUTIVE OFFICER
RAKESH MAHESHWARI
CA

पुलिस का कार्य जनता को सुरक्षा प्रदान करना और अपराध को रोकना है। वह देश में कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिम्मेदार है। लेकिन पुलिस की वास्तविक सफलता मात्र अपराधियों की गिरफ्तारी ही नहीं है बल्कि अपराधिक गतिविधि की पूर्ण रोकथाम तथा कानून का पालन करवाना है। यह सबकुछ बिना जनता के सहयोग के सम्भव नहीं है, लेकिन स्थिति यह है कि लोग किसी भी अपराध की शिकायत लेकर पुलिस के पास जाने तक से घबराते हैं। कारण है, परस्पर विश्वास की कमी। आम व्यक्ति के सामने पुलिस की सही तस्वीर नहीं है। इसी कमी को दूर कर आम व्यक्ति तक पुलिस की सही छवि पहुँचाने का ही कार्य जनता और पुलिस के बीच सेतु की तरह कर रही है, संस्था पब्लिक पुलिस। इसके लिये संस्था के कार्यकर्ता आम लोगों के बीच जाकर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा उन्हें यह समझाने की कोशिश करते हैं कि पुलिस हमारे लिये और हमारी है तथा पुलिस वाले भी हममें से ही हैं।

ऐसे हुई थी संस्था की शुरुआत

पब्लिक पुलिस की स्थापना की सोच माहेश्वरी समाज के 40 वर्षों से आर्थिक क्षेत्र में चार्टड अकाउण्टेंट के रूप में सेवा दे रहे राकेश कुमार माहेश्वरी की सोच का नतीजा है। इस सोच में ऐसे लोगों की निःशुल्क कानून सहायता करना भी शामिल था, जो अपनी आर्थिक परेशानियों के कारण किसी एडवोकेट तक की सहायता प्राप्त करने में असमर्थ होते हैं। ऐसे लोग मात्र इस कमी के कारण जमानत न मिलने से ही जेल की सलाखों में अपनी उम्र का कीमती समय गवाँ देते हैं। श्री माहेश्वरी को सेवानिवृत्त आईएएस देव दत्ता का एवं अन्य लोगो का साथ मिला, जो अपने कॅरियर के 4 दशक पुलिस एवं अन्य सेवाओं में गुजार चुके थे। बस फिर क्या था, उनकी सोच साकार रूप लेने लगी और उन्होंने इसे दिल्ली में ट्रस्ट (एनजीओ) के रूप में पंजीकृत करवा लिया, जिसका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राष्ट्र था। इस संस्था में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के.जी. बालकृष्णन् चेयरमेन एवं मार्गदर्शक के रूप में हो गये। फिर तो संस्था अपने कार्य को तेजी से गति देने लगी। अब इसमें धीरे-धीरे हाईकोर्ट के पूर्व जज, 100 से अधिक पूर्व वरिष्ठ आईएसएस व आईपीएस अधिकारी, कई पूर्व लॉ सचिव आदि कई हस्तियाँ सम्बद्ध होती चली गईं। वर्तमान में संस्था सेवा के एक वटवृक्ष का रूप ले चुकी है।

आम व्यक्ति की मदद

वर्तमान में संस्था की देशभर में शाखाऐं (चेप्टर) हैं। इनके द्वारा मांगे जाने पर संस्था जरूरतमंद लोगों एवं बंदियों के लिये कानूनी सहायता भी निःशुल्क उपलब्ध करवाती है। विभिन्न आयोजनों द्वारा संस्था द्वारा जनता और पुलिस के बीच की दूरी को पाटने का कार्य किया जाता है। इसके साथ संस्था का प्रमुख लक्ष्य जनता व पुलिस के सहयोग से बैंकिंग क्षेत्र तथा वरिष्ठजनों को सुरक्षा प्रदान करना भी है। अभी तक कई पुलिस स्टेशनों में संस्था द्वारा सीसीटीवी तथा रिकॉर्डिंग मशीनें लगवाने का तथा शारदा यूनिवर्सिटी, 1 करोड़ से अधिक सदस्यों वाले सिक्योरीटी गार्ड्स के संगठन सीएपीएसआई, सरदार वल्लभ भाई पुलिस युनिवर्सिटी जोधपुर (राज.), वर्ल्ड कांस्टीट्यूशन एण्ड पार्लियामेंट एसोसिएशन (डब्ल्यूसीपीए), मणिपाल लॉ स्कूल तथा संस्कृत विश्वविद्याल आदि कई प्रतिष्ठित संस्थाओं से भी पब्लिक पुलिस सम्बद्ध होकर सेवा दे रही है।

जब भी देश के स्वतंत्रता आंदोलन की बात होती है, तो उसमें माहेश्वरी समाज के इतिहास पुरूष सेठ गोविन्ददास मालपानी का नाम एक महानायक के रूप में लिया जाता है। कारण है उनका वह त्याग जो उन्होंने देश के लिये किया। उनका व्यक्तित्व राजनैतिक क्षेत्र के लिये आज भी मिसाल बना हुआ है।

देश भक्ति की अनुपम मिसाल थे सेठ गोविन्ददास मालपानी

सेठ गोविन्ददास न सिर्फ माहेश्वरी समाज के गौरव थे बल्कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन के वे ऐसे इतिहास पुरूष थे, जिन्हें इतिहास कभी विस्मृत नहीं कर सकता। इस आंदोलन में मध्यप्रदेश का उल्लेख ही सेठ गोविन्ददास के बिना अधुरा है। उनका महत्व मध्यप्रदेश के लिये वही है, जो महाराष्ट्र के लिये तिलक, पंजाब के लिये लाला लाजपतराय, बिहार के लिये राजेन्द्र बाबू, गुजरात के लिये सरदार पटेल तथा उत्तरप्रदेश के लिये पं मदनमोहन मालवीय व मोतीलाल नेहरू आदि का है। फिर भी यदि आर्थिक त्याग की बात हो तो शायद सेठ गोविन्ददास का नाम ही शीर्ष पर आऐगा क्योंकि देश के खातिर अपनी अकूत सम्पत्ति को त्यागकर उन्होंने एक सामान्य जीवन बिताया, लेकिन देश से बड़ा किसी को भी न समझा ।

अत्यंत सम्पन्न परिवार में लिया जन्म

सेठ गोविन्ददास का जन्म 16 अक्टूबर 1896 को जबलपुर म.प्र. में राजा गोकुलदासजी के पौत्र के रूप में दीवान बहादुर जीवनदास के यहाँ हुआ। राजा गोकुलदासजी उस समय देश के ऐसे शीर्ष व्यवसायी थे, जिनकी हुण्डियाँ सम्पूर्ण भारत के साथ ही काबुल, कंधार, रंगून, सिंगापुर, कोलम्बो तथा कोआलालम्पुर तक चलती थी। देश-विदेश में उनकी लगभग 375 गादियाँ थीं, जहाँ हजारों मुनीम व गुमाश्ते काम करते थे। गोकुलदासजी सिर्फ व्यवसायी ही नहीं थे, बल्कि मध्यप्रदेश की दो रियासतों जबलपुर व छिन्दवाड़ा के स्वामी भी थे। उनके परिवार के पास कितनी अकूत सम्पत्ति थी, इसका अनुमान सेठ गोविन्ददासजी के विवाह से लगाया जा सकता है। उनके विवाह में अनुमानित रूप से दोनों पक्षों का मिलाकर आज के मान से 2 अरब से भी अधिक रुपया खर्च हुआ था।

ऐसे बदली जीवन की दिशा

किसी ने सोचा भी नहीं था कि सोने की चम्मच से खाना खाने वाला राजकुमार एक दिन आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ छोड़कर कूद पड़ेगा। जलियांवाला बाग हत्याकांड उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ बना। अंग्रेज हूकमत के इशारे पर हुई सैंकड़ों निर्दोष लोगों की हत्या ने इन्हें झकझोर कर रख दिया। पैतृक रूप से तो राजकीय परिवार होने के कारण उनके परिवार के अंग्रेजों से मधुर संबंध थे, लेकिन इन सबके बावजूद भी वे अपने मन में गुलामी के खिलाफ उठ रहे शोले को रोक न सके। सन् 1916 में जब इनकी उम्र मात्र 20 वर्ष थी, तब वे लोकमान्य तिलक के सम्पर्क में आए। तिलक के जबलपुर आगमन पर गोविन्ददास जी ने अपने महल में ही लोकमान्य तिलक का स्वागत किया और उनकी स्वराज पार्टी में शामिल हो गये।

देश के लिये सब कुछ न्यौछावर

इनके इस कार्य से अंग्रेज नाराज हो गये और उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। गोविन्ददासजी ने उत्तर में निर्भिकता से लिखा कि जिस प्रकार हम अपने यहाँ राजा-महाराजाओं का सत्कार करते रहे हैं, उसी प्रकार देश के महान नेता लोकमान्य तिलक का स्वागत करके भी हमने अपने कर्त्तव्य का पालन किया है। अंग्रेजों की दमन-नीति से घबराकर आपके पिता दीवान बहादुर ने आपके समक्ष परिवार की सम्पत्ति के बंटवारे का प्रस्ताव रखा, ताकि सरकार परिवार की सारी सम्पत्ति जब्त न कर सके। इस पर आपने पत्र लिखा- 'पिता-पुत्र के बीच सम्पत्ति का बंटवारा कैसा? वे सारी पारिवारिक सम्पत्ति का ही त्याग करते हैं।' इसके बाद आप सुख-सुविधाओं और ऐशोआराम से युक्त अपने महल को छोड़ अपने परिवार के मंदिर के बगीचे में ही रहने लगे।

कई बार भुगती जेल

सन् 1920 में बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु होने पर स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व पूर्ण रूप से महात्मा गाँधी के हाथों में आ गया। आजादी की आग सीने में लिये सेठ गोविन्ददास राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गये। असहयोग आंदोलन में जबलपुर की बागडोर इन्होंने ही सम्भाली। आपके आह्वान पर देखते ही देखते एक बहुत बड़ी राशि स्वराज फंड में एकत्र हो गई। कांग्रेस कमेटी ने सत्याग्रह आंदोलन का निर्णय लिया, इसमें भावना को जानने के लिए छह सदस्यीय इन्क्वायरी कमेटी गठित हो गई। इस कमेटी के जबलपुर भ्रमण व वहाँ की जानकारी एकत्र करने की जिम्मेदारी भी इन्होंने ही वहन की। गाँधीजी के सत्याग्रह आंदोलन के महाकौशल में संचालन की बागडोर सेठजी ने ही सम्भाली। स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सन् 1923, 30, 32, और 42 में लंबी सजा भुगती। कई बार आपके ऊपर जुर्माना हुआ और उसे न देने पर आपकी कार जब्त कर ली गई। सेठजी के लोकप्रिय व्यक्तित्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आप लगातार 20 वर्ष तक महाकौशल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर आसीन रहे।

धर्मपत्नी भी बनी सहभागी

जब सेठ गोविन्ददास मात्र 12 वर्ष के थे, तभी इनका विवाह सीकर राजस्थान की 8 वर्षीय गोदावरीबाई से सन् 1908 में हो गया था। अतः गोदावरीबाई शिक्षित नहीं थी, लेकिन गोविन्ददासजी की प्रेरणा से वे भी शिक्षा की ओर अग्रसर हुई और उन्होंने भी मूलभूत शिक्षा ग्रहण की। गोदावरीबाई भी स्वतंत्रता आंदोलन सहित अन्य समाज सुधारों में सेठजी के साथ कंधे से कंधे मिलाकर चलीं। पर्दा प्रथा का विरोध करने वालों में भी वे आगे रहीं। इसके लिए समाज व रिश्तेदारों के विरोध का सामना करना पड़ा। जिस समय सेठजी जेल में होते थे, तब गोदावरी बाई स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्भालती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए ही वे महात्मा गाँधी की मुँह बोली बेटी कही जाती थीं।

देश के लिये कोई समझौता नहीं

सेठ गोविन्ददास जिन्होंने देश व सत्य के लिए अपना पैतृक सम्पत्ति छोड़ दी, उन्हें जीवन में कोई भी सत्य के पथ से डिगा नहीं पाया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आप महाकौशल प्रांतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे, लेकिन आजादी के बाद राजनीति से दूर हो गए। सिद्धांतों व आदर्शों से समझौता कर लेते तो संभव है कि मुख्यमंत्री अथवा केन्द्र में कोई वरिष्ठ मंत्री होते लेकिन कुर्सी का मोह उनके सिद्धांतों के सामने नतमस्तक हो गया। फिर भी क्षेत्र की जनता की भावना का सम्मान करते हुए आजीवन लोकसभा सदस्य रहे व कुछ समय के लिये अस्थायी रूप से लोकसभा अध्यक्ष भी रहे। हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिये अपनी ही पार्टी के खिलाफ इस्तीफा देने तक के लिये अड़ गये थे। हिन्दी भाषा व हिन्दी साहित्य के उन्नयन में उनका जो योगदान है वह तो इतिहास के स्वर्णाक्षरों में अंकित है।

सातुड़ी तीज पर्व भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की तृतीया को इस बार 02 सितम्बर को मनाया जाएगा। यह वैसे तो सम्पूर्ण राजस्थान का पर्व है, लेकिन माहेश्वरी समाज के लिये तो यह उसकी उत्पत्ति से सम्बंधित होने के कारण विशेष पर्व का दर्जा ही रखता है। आईये जानें क्यों मनाते हैं इसे और कैसे मनाएं?

माहेश्वरी समाज का ऐतिहासिक पर्व
सातुड़ी तीज

प्राचीन मान्यताओं के माध्यम से प्रतिपादित किया गया है कि श्राप वश 72 उमराव पत्थर की प्रतिमा में परिवर्तित हो गए थे। तब उनकी पत्नियों ने अपनी तपस्या से भगवान शिव व माता पार्वती को प्रसन्न किया। भगवान शिव ने उन उमरावों को पुनः जीवन प्रदान किया। इन उमरावों ने पुनः जीवन पाकर तत्काल तलवार आदि शस्त्रों का त्यागकर तराजू को ग्रहण किया एवं माहेश्वरी समाज की स्थापना की। जिस समय भगवान शिव ने उमरावों को पुनः जीवन दिया, उस वक्त उन्हें भूख लगी। भोजन के लिए अन्य वस्तु वहां उपलब्ध न होने से प्रभु के आदेश पर वहां उपलब्ध बालूरेती के पिण्ड बनाये गए एवं भगवान शिव ने मंत्र द्वारा उन रेत के पिण्ड को ''सत्तु'' के पिंडों में परिवर्तित कर दिया। ये सत्तु पिंड खाकर हमारे पूर्वजों ने अपने पेट की ज्वाला शांत की एवं क्षत्रिय वर्ण से वणिक वर्ण की ओर नई जीवन यात्रा माहेश्वरी के रूप में प्रारंभ की।

अतीत से जुड़ी परम्परा

जिस तरह तलवार एवं कृपाण से पिण्डों को बड़े कर हमारे पूर्वजों द्वारा खाया गया था, उसी तरह आज भी चाकू से पिण्डों को बड़े (काटना) करने की परम्परा चली आ रही है। इस दिन 72 उमरावों के भगवान शिव एवं माता पार्वती के आशीर्वाद से पुनः जीवित होने पर उनकी पत्नियों में हुई असीम खुशी ने एक महोत्सव का रूप धारण कर लिया था। अनेक दिनों से तपस्या में लीन महिलाओं ने अपना उपवास जंगल में उपलब्ध कच्चे दूध, ककड़ी, नींबू एवं प्रभु द्वारा प्रदत्त सत्तु को ग्रहण करके तोड़ा था। ठीक इसी प्रकार आज भी माहेश्वरी महिलाएं तीज के दिन उपवास रखकर शाम को नीमड़ी की पूजा करके, चंद्र दर्शन कर अर्ध्य देती हैं एवं अपना उपवास कच्चे दूध, सत्तु, ककड़ी व नींबू से तोड़ती हैं। इसमें विशेष रूप से चार प्रकार के सत्तु बनाए जाते हैं। परंपरानुसार जिस स्त्री के विवाह के बाद प्रथम सावन आया हो, उसे ससुराल में ही रखा जाता है। अतः पकवान बनाकर बेटियों को सिंधारा भेजा जाता है।

सौभाग्य की कामना से पूर्णाहुति

रात्रि में चंद्रमा उगने के बाद अर्ध्य दिया जाता है। अर्ध्य देते समय बोलते हैं-'सोना को सांकलों, मोत्यां को हार, बड़ी तीज (कजली तीज) का चांद के अरग देवता, जीवो बीर-भरतार।' अर्ध्य देने के बाद पिंडा (सत्तू) पासा बड़ा किया जाता है। पति या भाई चांदी के सिक्के से पिंडे का एक टुकड़ा तोड़ते (बड़ा करते) हैं। पति द्वारा पत्नी को कच्चे दूध के 7 घूंट पिलाकर उपवास खुलवाया जाता है। महिलाएं कलपना निकाल कर सास-ननद को देकर अखंड सौभाग्यवती का आशीर्वाद लेती हैं। इसके बाद पूजा की हुई नीमड़ी का एक पत्ता सत्तू के साथ देकर कहती है, 'नीमड़ी मीठी'। माना जाता है कि ऐसा कहने से वे पीहर ससुराल सभी जगहों पर अपने मीठे व्यवहार से सभी का दिल जीत लेती हैं। इस व्रत का उद्यापन विवाह के बाद प्रथम वर्ष में ही यदि कर सकें तो बहुत अच्छा, नहीं तो जब भी मौका लग जाए तब जरूर करना चाहिए। इसमें 18 पिंडे एवं उसके साथ 18 नीमड़ी बना कर 18 सुहागिनों को बांटते हैं। सासुजी को कपड़े और कलपना भेंट करते हैं।

व्यंग्य

चाय और राय से बच नहीं सकते

पिछले दिनों मैंने चाय संस्कृति पर कई लेख पढ़े। भारत में ''एवरी टाइमइज टी टाइम''। मेहमान आये या मौसम अच्छा हो किसी भी समय चाय हाजिर रहती है। हम इतने आदी हो गये है कि हर समय चाय पीने से बाज नहीं आते। आने वाले को तो चाय की मनुहार से तृप्त करते ही हैं चाहे रात हो या दिन। पर, जैसे चाय हमारे रोम रोम में बसी हुई है, वैसे ही 'राय' भी हर व्यक्ति का अधिकार है। भारत का हर पुरूष व नारी राय देने में माहिर है। आप बीमार हैं, तो आने वाला दस दवाईयाँ बता देगा व डॉ. के नाम तथा तकनीकी राय दे देगा। परहेज भी बता देगा। कोई भी समस्या हो तो आगे होकर कई समाधान बता देंगे। मकान बना रहे हैं तो हर मित्र अपने अपने तरीके से राय देगा। लड़की देखनी है तो साथी राय देने में पीछे नहीं रहेंगे। नौकरी हो या सामाजिक जीवन घर हो या धार्मिक आयोजन आपको इतनी राय मुफ्त में मिल जायेगी कि आप सही निर्णय ही नहीं ले पायेंगे।

जैसे हम दुख-सुख, उत्सव, शोक, तरक्की या कोई भी प्रसंग हो चाय की पूछते हैं वैसे ही राय देने की रस्म भी अदा करने में पीछे नहीं रहते। हम सभी चाय और राय से त्रस्त हैं, पर कोई छुटकारा नहीं है।

डॉ. विनोद सोमानी 'हंस'
अजमेर (राजस्थान)

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी मुंबई

सफलता-असफलता के बीच-झूलती जिंदगी

परीक्षाओं का मौसम गया, रिज़ल्ट का मौसम आ गया। प्रायः सभी परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित हो चुके हैं। हमारे समाज के बहुत से बच्चों ने अप्रतीम उपलब्धियां प्राप्त की। समाज को इन पर गर्व हैं। गर्व स्वाभाविक भी है और आवश्यक भी। ये होनहार समाज की शान हैं, आने वाला भविष्य हैं। सोश्यल मीडिया पर सम्मान समारोहों की तस्वीरें आनंदित कर रही हैं। माहेश्वरी टाइम्स भी अपनी खुशी और सामाजिक जवाबदारी जोशपूर्वक जता रहा है।

सफल चेहरे तो उजागर हो रहे हैं और आने वाला सुनहरा भविष्य बाह फैलाकर उनका अभिनंदन भी कर रहा है परंतु इस दौड़ में जो कुछ कदम पीछे रह गये हैं क्या उनकी जिंदगी में सब कुछ पीछे छूट गया है? क्या सब कुछ खत्म हो गया है? नहीं, कदापि नहीं, हार अंत नहीं होती है। एक और प्रयास की हार आरंभ है। एक नई ऊर्जा और विश्वास की हार मांगती है पुर्नमूल्यांकन। हार की बदली राह टेंशन, फ्रस्ट्रेशन, डिप्रेशन नहीं है। अगला वर्ष फिर परीक्षाएं लेकर आयेगा, 'प्रगति और कार्यों की रफ्तार कभी नहीं थमेगी। अवसर ढूंढने से अनेकों नजर आयेंगे ''गिरते हैं शहशहार ही मैदाने जंग में, जीत के लिये जरूरी है, गिरे तो फिर उठें। धूल झाडें और विचार करें कि कैसे गिर गए, कमी कहां रह गई? उसे बारीकी से ढूंढे। क्यूं, कब, कहां, कैसे, क्या गलत हुआ सोचें। इनके उत्तर ढूंढे और तैयारी करें नई परीक्षा की ।

कुछ महत्वपूर्ण उपचार- अपने आप

▸▸ कागज पेन उठाइये, पिछले कार्य और उचित परिणाम न मिलने के बीच का सारा घटनाक्रम याद कर कर के पेपर पर लिख डालिये। अब इसे बार-बार पढ़िये। सोचिये कहां कमी पड़ गई? कहां तक आपकी क्षमता उतनी ही है, कहां थोड़े प्रयास से आपकी क्षमता और बढ़ सकती है। कसर कहां रह गई और अब उसे असरदार कहां बनाना है?

▸▸ हार कुछ पल के लिये उदास व नाराज करे ये स्वाभाविक है, पर उसे गले का हार मत बना बैठें। मानसिक पीढ़ा को मिटाने के लिये विशेष शारीरिक गतिविधि करें। जिम या कोई खेल इसमें बड़ा सहारा होगा। योग मेडीटेशन भी भरपूर साथ देंगे।

▸▸ जिंदगी में आप पहले नहीं है जिसे हार मिली है। महान लोगों की सैंकड़ों जीवनियां छपी हैं। देश विदेश में हजारो पिक्चरें बनी हैं। ऑडियो बुक्स है। उन्हें पढ़े, सुने या देखें। आपमें नई ऊर्जा का संचार होगा। अपने स्तर पर, अपनी पसंद से सकारात्मकता को ढूंढे। फिल्मी सितारों के स्ट्रगल के वीडियों देखें। अब आप मानसिक और शारीरिक रूप से फिर शक्तिमान हो गये हैं। श्री गणेश करें। विघ्नहर्ता मंगलमूर्ति सब मंगल करेंगे।

उज्जवल भविष्य की शुभ कामनाओं के साथ

योग-मुद्रा

मध्यमा अंगुली आकाश तत्व का प्रतीक है तथा ज्योतिष विद्या में शनि की। जब अग्नि तत्व और आकाश तत्व आपस में मिलते हैं, तो आकाश जैसे- विस्तार का आभास होता है। आकाश में ही ध्वनि की उत्पत्ति होती है और कानों के माध्यम से ध्वनि हमारे भीतर जाती है। अतः आकाश मुद्रा हृदय को विशाल बनाती है।

हृदय को विशाल बनाती है आकाश मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

कैसे करें: अंगुठे के अग्रभाग को मध्यमा उंगुली के अग्रभाग से मिलाएं, शेष तीनों उंगुलियां सीधी रखें।

लाभः

❑ आकाश तत्व के विस्तार से शून्यता समाप्त होती है। खालीपन, निरर्थकता, खोखलापन, मूर्खता दूर होती है।

❑ कानों की सुनने की शक्ति बढ़ती है तथा कान के अन्य रोग भी दूर होते हैं। जैसे - कानों का बहना, कान में झुनझुनाहट, कानों का बहरापन। इसके लिए लम्बे अभ्यास की आवश्यकता होती है।

❑ इस मुद्रा से हृदय रोग, हृदय से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप भी ठीक होते हैं।

❑ हड्डियां मजबूत होती हैं। कैल्शियम की कमी दूर होती है। ओस्टीयोपोरोसिस (OSTEOPOROSIS) अर्थात् अस्थि क्षीणता दूर होती है।

❑ दाएं हाथ से पृथ्वी मुद्रा और बाएं हाथ से आकाश मुद्रा बनाने से जोड़ों का दर्द दूर होता है।

❑ जबड़े की जकड़न इस मुद्रा से दूर होती है।

❑ माला के मनकों को अंगूठे पर रखकर मध्यमा उंगुली के अग्रभाग से माला फेरने से भौतिक सुख मिलता है, ऐश्वर्य प्राप्त होता है। मध्यमा उंगुली शनि की प्रतीक है।

❑ ध्यान अवस्था में यह मुद्रा आज्ञा चक्र एवं सहस्त्रार चक्र पर कम्पन पैदा करती है जिससे दिव्य शक्तियों की अनुभूति होती है तथा आंतरिक शक्तियों का विकास होता है।

❑ आकाश में Cosmic Rays हैं। यही Rays हमें ब्रह्म से मिलने में सहायक होती है।

❑ मानसिक व शारीरिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए यह मुद्रा रामबाण है।

❑ कफ दोष दूर होते हैं। गले में जमा हुआ कफ ठीक होता है। शरीर में कहीं भी दूषित कफ फंसा हो तो वह इस मुद्रा से दूर हो जाता है।

आज की घड़ी में बच्चों की प्रतिभा माता-पिता के लिए स्टेटस सिंबल बन गई है। अपने बच्चे के हम उम्र की प्रगति देखने/सुनने के साथ ही माता-पिता अपने बच्चे की तुलना उसके साथ करने लगते हैं; यह जानते हुए भी कि हर बच्चे में अलग-अलग प्रतिभा होती है, हर बच्चा सर्वगुणसम्पन्न नहीं हो सकता। जिस बच्चे के साथ माता-पिता अपने बच्चे की तुलना कर रहे होते हैं वह बच्चा भी किसी ना किसी क्षेत्र में जरूर पीछे होगा। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से माता-पिता अपने बच्चे को कटघरे में खड़ा कर देते हैं और अपने बच्चे को मानसिक पीड़ा देते हैं, जिसका गहरा असर बच्चे के अंतर्मन पर पड़ता है। कई माता-पिता का इसके पीछे तर्क होता है कि इससे प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है। ऐसे में विचारणीय हो गया है कि अपने बच्चे के हुनर को पहचान कर उसको आगे बढ़ने का अवसर देने के स्थान पर बच्चे को प्रतियोगी बनाये रखना कितना उचित/अनुचित है? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

हमउम्र बच्चों की तुलना करना कितना उचित/अनुचित?

दूसरों के सामने कभी न करें तुलना

बच्चों को उत्साहित करने और समझाने के लिए कभी-कभार अकेले में किसी का उदाहरण देना उचित है पर दूसरों के सामने अथवा बार-बार अपने बच्चे की दूसरे बच्चों से तुलना करने से बच्चों में हीन भावना पनपने लगती है जिसके परिणाम दुखदायी हो सकते हैं। बार-बार अपने बच्चे को परिवार और दोस्तों के बीच अपराधी की तरह कटघरे में खड़े करके बच्चे पर अन्याय करते हैं। कमी और खूबी हर इंसान में होती है। हर कोई सर्वगुणसम्पन्न नहीं होता। माता-पिता में भी कुछ न कुछ कमी तो होगी ही, ऐसे में अगर बच्चा दूसरे माता-पिता के साथ हमारी तुलना कर दें तो हम बड़े होकर भी अपना आपा खो बैठते हैं। तो बच्चे के नाजुक मन पर हमारी तुलनात्मक बातों का क्या प्रभाव होता होगा, हमें विचार अवश्य करना चाहिए। माता-पिता से अधिक बच्चे की अच्छी और बुरी आदत को कोई और नहीं जानता है। बच्चे की बुरी आदतों को समय रहते सुधारने के साथ अपने बच्चे की खूबियों को परखकर उसे बढ़ावा देना भी माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी है। विशेष व्यक्तित्व को बच्चे का मार्गदर्शक अवश्य बनाएं, हमउम्र बच्चों को नहीं। जब तक आप अपने बच्चे की कमियों को दूसरों के समक्ष नहीं खोलेंगे, दूसरों को आपके बच्चे पर ऊँगली उठाने का अवसर नहीं मिलेगा, जो बच्चे को मानसिक कष्ट देता है। अतः अपने बच्चे की खूबियों को उजागर करें, उन पर अपनी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं का बोझ न लादकर उनके निजी व्यक्तित्व और अस्तित्व को पनपने दें।

❒ **सुमिता मूंधड़ा**, मालेगांव (नाशिक)

तुलना से बचें परंतु संघर्षवान बनाऐ

बचपन एक अलग तरीके का समय है, जब आप प्रयास करके प्रशिक्षण देकर नई चीजों को सिखा सकते हैं या सीखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। प्रेरणा देने के लिए आवश्यक नहीं कि हमेशा उदाहरण हम उम्र भाई-बहन, परिवार-रिश्तेदार या अड़ोस-पड़ोस के बच्चों का ही दिया जाए। इसके लिए महापुरुषों के बचपन की कहानियां भी मोटिवेट करने के लिए बेहतरीन कार्य करती है। वर्तमान समय में बच्चों व अभिभावकों के मध्य संवाद की कमी ने बच्चों को और अधिक अंतर्मुखी बना दिया है। इसके चलते वह तनाव की स्थिति में इंटरनेट व अन्य साधन से उपलब्ध प्रॉब्लम तथ्यों को सही मानकर बहुत जल्दी डिप्रेशन की स्थिति में आ जाता है। यह घर, परिवार, समाज सब के लिए हानिकारक ही रहता है। इसके लिए आवश्यक है कि जिस प्रकार चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को बड़ी तपस्या के माध्यम से प्रशिक्षित कर एक कुशल शासक के रूप में तैयार किया था, उसी प्रकार अनेक मोटिवेट करने की कहानियां बच्चों को बचपन से आदत में डालें जिससे उसमे विफल होने पर भी मेहनत करने की क्षमता अधिकाधिक विकसित हो। इन सब के मध्य सबसे जरूरी बात बच्चों की तुलना तो यथासंभव नहीं हो तो अच्छा है परंतु बच्चों को एसी वाले कंफर्ट जोन से बाहर रहने व संघर्ष करने की आदत को विकसित करने का भी हर परिवार को प्रयास करना चाहिए।

❒ **कृष्ण करवा**, संगरिया जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान)

एक दूसरे के पीछे दौड़

आज के प्रतिस्पर्धा के युग में सभी एक दूसरे के पीछे दौड़ रहे है। इसका सबसे बड़ा खामियाजा हमारे बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। प्रत्येक माता-पिता अपने बच्चे को इंजीनियर, डॉक्टर बनाने में लगे हैं। चाहे बच्चे की ये करने की क्षमता या इच्छा हो ही ना। हमारे बच्चे कही सोसायटी में पीछे न रह जायें, या लोग क्या कहेंगे कि बच्चे ने कोई कॉम्पिटिशन परीक्षा ही नहीं दी, ऐसी सोच के साथ बच्चों को अनावश्यक तनावपूर्ण माहौल में हम भेज देते है।जब एक हाथ की पाँचो उंगलिया एक नही हो सकती है तो बच्चों की क्षमता एक कैसे हो सकती है। आज के हालात तो ये है कि कैरियर बनाने के नाम पर बच्चों को बहुत कम उम्र में ही घर से दूर भेजा जा रहा है। यही कारण है कि आये दिन बच्चों के आत्महत्या के समाचार हमें सुनने को मिलते है। आज की पीढ़ी में सहनशीलता वैसे ही कम है, उस पर तनाव और दबाव के कारण छोटी बात पर ही गलत राह की ओर अग्रसर हो जाते है। माता-पिता को ही अपनी सोच को बदलना होगा। बच्चे खुशी और लगन से जो राह चुनें उसके लिए उसे प्रेरित करे ना कि अपनी इच्छाओं को उन पर थोपें। मन से किये हुए कार्य मे हम सफलता की सीढ़ी आसानी से चढ़ जाते है। उम्र से पहले कैरियर का दबाव न बनाये। बच्चों के हुनर को तुलना के तराजू में ना तोलें। आज की पीढ़ी को मानसिक रूप से सुदृढ बनाये।तुलनात्मक सोच से हम पाएंगे तो कुछ नहीं पर हो सकता है, हम अपने बच्चों से दूर हो जाये।

❒ **ज्योति माहेश्वरी**, कोटा (राजस्थान)

तुलना का तरीका सही हो

हमउम्र बच्चों की तुलना करना सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास की प्रक्रिया को समझने का एक तरीका हो सकता है, लेकिन इसे करने का तरीका और प्रयोग महत्वपूर्ण है। बच्चों की तुलना करते समय संदर्भ महत्वपूर्ण होता है। यदि आप उनकी तुलना स्कूली या विकासात्मक मापदंडों के आधार पर कर रहे हैं, तो यह उचित हो सकता है। लेकिन, यदि आप उनकी तुलना मानसिक, आध्यात्मिक या अन्य असामान्य पैमानों पर कर रहे हैं, तो यह अनुचित हो सकता है। हर बच्चा अद्वितीय होता है और समानताओं और विषमताओं का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। बच्चों की तुलना करते समय, उनकी सामरिक, बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विशेषताओं को ध्यान में रखें, और निष्पक्ष रूप से विचार करें। बच्चों को सही मापदंडों पर मुकाबला करने और उनके स्वतंत्र मार्ग को समझने का समर्थन करना चाहिए। अन्यथा बच्चों की तुलना उनके आत्मविश्वास, स्वास्थ्य और समर्थन को प्रभावित कर सकती है। यदि तुलना न्यायसंगत और प्रोत्साहनजनक होती है, तो इससे उनके विकास को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं यदि तुलना अनुचित या न्यायसंगत नहीं है, तो यह उनके स्वाभाविक विकास को रोक सकती है।

❒ **डॉ.राधेश्याम लाहोटी,** नोखा बीकानेर

अपनी आकांक्षा न थोपें

आजकल देखने में आता है माता पिता अपनी सन्तान को बचपन से ही होड़ की दौड़ में रहने की शिक्षा देना शुरू कर देते हैं। दूसरे बच्चों का उदाहरण देते रहते हैं। उसको देख उसको देख। पर कभी अपनी सन्तान की क्षमता का आंकलन नहीं करते, ना ही उसकी रूचि की जानकारी प्राप्त करते हैं। तुम्हें सीए, डाक्टर या इन्जीनियर बनना है। दूसरे बच्चों के साथ तुलना करते हुए एक प्रकार से उसे अपनी आकांक्षाओं के बोझ के तले दबा देते हैं। बस हर हाल में तुम्हें टॉप आना है। लेकिन यह भी देखना चाहिए वह अव्वल है या औसतन। हर माता-पिता चाहते हैं उनकी सन्तान सबसे आगे रहे और यह सोच गलत भी नहीं है। इसका रास्ता प्रतियोगिता में झोंकना नहीं है। इसके लिए कई पहलूओं पर ध्यान देना चाहिए। जिसमें पहला अहम पहलू है उसकी क्षमता। दूसरा पहलू है उसे किस तरह का वातावरण देते हैं। आप देखेंगे कई औसतन बच्चे आगे चलकर उन मुकामों को हासिल कर लेते हैं, जहां से आप द्वारा दिए गए उदाहरणीय बच्चे काफी पीछे रह जाते हैं। ऐसे हजारों उदाहरण हैं। कुछ प्रसिद्ध उदाहरण - श्री नरेन्द्र मोदी, डॉ. अब्दुल कलाम, सचिन तेंदुलकर, वैज्ञानिक आइंस्टीन। इन सभी के जीवन में एक समानता जरूर है कि ये थोपने से ऊंचाईयों पर नहीं पहुंचे बल्कि अपनी ही लगन, मेहनत और इच्छाशक्ति से आगे बढ़े। अगर हम बच्चे को बचपन से ही प्रतिस्पर्धा दिखाते रहेंगे और आगे के जीवन में भी प्रतिस्पर्धा मिलती रहेगी। तो वह धीरे-धीरे अवसाद में घिरने लगेगा, मानसिक स्तर पर टूटने लगेगा। कभी-कभी इस अवसाद का अन्त बड़ा भयावह होता है। सारांश यह है कि बच्चे की क्षमता व रूचि पहचाने। वह कितना सीख सकता है उसकी क्षमता पर निर्भर करता है। आप उसमें लगन जगायें, प्रेरित करें, थोपें नहीं। जिम्मेदारी व व्यवहारिकता की शिक्षा दें।

❒ **बिनोद बिहानी,** फरीदाबाद

तुलना नकारात्मकता का कारण

नाजुक बचपन में यदि बच्चों की हमउम्र के साथ तुलना हुई यानि एक की बड़ी तारीफ करके दूजे को उसकी गलतियों पर टोका गया, दुत्कारा गया तो वह निराश हो जाता है। यदि घर के बड़े लोगों से यही बात बार-बार होती रही, तो उसके मासूम मन पर खरोच आ सकती है। उस बच्चे को अपने हम उम्र भाई बहन या दोस्त जिसके साथ भी तुलना हुए हो उसके प्रति गुस्सा आने लगता है। जिनके साथ मजे में हंसता, खेलता, अपनी चॉकलेट भी आधी तोड़कर खिलाता, उनकी हर बात खटकने लगती है। दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है। कभी-कभी हम उम्र के साथ मारपीट करके भी वह अपनी भड़ास निकालता है। और तो और ऐसे बच्चों को अपने माता-पिता भी अच्छे नहीं लगते। घर के प्रति अपनत्व खत्म हो जाता है और बाहर प्यार ढूंढने लगते है। मैं कुछ नहीं कर सकता ऐसी भावना मन में पनपने लगती है।यह नकारात्मकता बड़े होने पर भी उनका साथ नहीं छोड़ती और एक संयुक्त परिवार में दीवारें खींची जाती हैं।

❒ **कमला कालाणी,** सातारा (महाराष्ट्र)

मित्र की तरह समझाऐं

सिर्फ बच्चों के माता-पिता ही ना बने, उनके अच्छे मित्र (बेस्ट फ्रेंड) भी बनकर रहें। बच्चों की तुलना करना अनुचित के साथ ही बच्चो के लिए घातक भी हो सकता है। सभी माता-पिता कब दूसरे बच्चों से उनकी तुलना करने लगते है, उन्हें भी नहीं मालूम पड़ता है। बाद में यह आदत बन जाती है और दूसरी ओर बच्चा रोज रोज दूसरे की तारीफ सुन सुन कर सामने वाले बच्चे से इर्ष्या और नफरत करने लगता है। माता-पिता की सभी बातों को जिसमें काम की भी जानकारी होती है, उसको भी अनसुना करते है। फिर झगड़ा मारपीट तक की नोबत आ जाती है। परिणाम स्वरूप बच्चे बागी हो जाते है या असामाजिक तत्वों के शिकार हो जाते है और दूसरो में प्यार प्रेम खोजते हैं। इससे कोई तीसरा व्यक्ति भी फायदा उठा सकता है। जब तक माता-पिता को यह समझ आए तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। फिर पछताने के सिवा उनके पास कुछ नहीं होता है। बचपन से ही बच्चें को अहमियत देवें। उसकी सभी अच्छी बातें, एक्टिविटी, पढ़ाई की तारीफ करें। अगर आपको कहीं कोई गलत लग रहा है, तो दूसरे से तुलना ना करके मित्र बनकर किसी कहानी को आधार बनाकर प्यार से समझाएं।

❒ **नीरा मल्ल,** पुरुलिया (पं. बंगाल)

तुलना सर्वथा अनुचित है

एक बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करना सर्वथा अनुचित है। कहते हैं न, पाँचों अंगुलिया बराबर नही होती, कोई छोटी तो कोई बड़ी होती है। पर हर अंगुली का अपना स्थान है, अपनी विशिष्टता है। उसी तरह हर बच्चे की अपनी विशिष्टता है, कोई खेल में आगे है, तो कोई पढ़ने में। ये भी है कि खेल में कोई क्रिकेट अच्छा खेलता है तो कोई बैडमिंटन। पढ़ने में किसी को साइंस पसन्द है तो कोई मेथ्स को एन्जॉय करता है। बच्चों की आपस में तुलना नही करके उनकी प्रतिभा के हिसाब से उस क्षेत्र में आगे बढ़ाऐं। मनचाहे विषय जीवन में खुशी, तरक्की और आत्मिक सुख प्रदान करंगे। अनचाहापन निराशा और पतन का कारण बन सकता है, ऐसे में बच्चे आत्मघाती कदम उठा लेते है।

❒ **शीला अशोक तापड़िया,** नागपुर

बच्चों की तुलना करने से बचें

सामान्यतः संरक्षकों को बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उनकी आपसी तुलना करने से बचना चाहिए। चुंकि भगवान ने इस सृष्टि में प्रत्येकजन को अलग-अलग गुण खासियत प्रदान की है। इस सृष्टि में अरबों की संख्या में मानवजन होते हुए भी रचियता ने व्यक्ति को सबसे अलग बनाया है। उसे अलग-अलग तरह के गुणों - दुर्गुणों से परिपूर्ण किया है। फिर भी व्यवहार में हम बच्चे को सिर्फ उसकी मैकाले जनित स्कूली किताबी शिक्षा ग्रहण के स्तर के पैमाने से जांचने का ही कार्य करते हैं। हालांकि बच्चे की, बाकि क्षमता जानने का यह तरीका पूरी तरह गलत भी नही है। लेकिन हर समय यदि किसी बच्चे की तुलना दूसरे हमउम्र से की जाये तो, बच्चे में निराशा व विद्रोह की भावना उभरने लगती है। पालकों को चाहिए कि उस बच्चे की जो भी विशेषता है, उसे भी वो कभी कभार सबके सामने उभारते हुए उसके लिये प्रशंसात्मक भाव भी प्रकट करते रहें तो उसे उसका तुलनात्मक अध्ययन कभी चुभेगा नहीं। कोई पढ़ाई में अव्वल है तो कोई खेलों में। कोई अन्य कला में यथा-गायन नृत्य या अन्य किसी विधा में। अतः माँ-बापूसा व रिश्तेदारों को हमउम्र बच्चों की तुलना से परहेज करना चाहिये।

❒ **सुरेन्द्र बजाज**, जयपुर

बच्चों की तुलना गलत

हमारे बच्चे डिग्री प्राप्त करने तक लगभग आज भी वो ही करते हैं, जो अभिभावक कहते हैं। क्योंकि बच्चे अपने अभिभावक की आर्थिक दशा भी जानते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण या वास्तव में गलत संगति के कारण भी बच्चे गुमराह हो जाते हैं। इससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा बढ़ती हैं। देखा देखी का नतीजा बच्चों को उठाना पड़ता है जिससे मन अशांत हो जाता हैं और वो अन्य बच्चो के प्रतियोगी बन जाते हैं। फैसला हमें करना चाहिए कि बच्चो को ऐसी संगत दें कि वो पारिवारिक, धार्मिक, राजनीतिक व्यापारिक दृष्टिकोण से मजबूत बनें। हमारा उद्देश्य बच्चों को नवपथ पर अग्रसर करने का होना चाहिए। ना कि उन्हें आपस में एक दूसरे से प्रतियोगिता करवाएं।

❒ **ललित लखोटिया**, सरदारशहर

तुलना बिल्कुल अनुचित

अपने बच्चों की हमउम्र बच्चों से तुलना करना बिल्कुल अनुचित है। हर बच्चा अनुपम होता है। ईश्वर ने सभी में कुछ ना कुछ गुण व अवगुण का मिश्रण किया है। कोई भी सर्वगुण संपन्न नहीं होता। कहते है दीपक तले अंधेरा। यह बात हमारे परिवारों में दिखती है। हमारे नजदीकी लोगों को हमारे गुण नहीं दिखाई देते। वैसे ही माता-पिता को दूसरे के बच्चे ज्यादा समझदार लगते हैं। बच्चे क्या दूसरे की बहू भी अपनी बहू से ज्यादा अच्छी दिखती है। यह तुलना अनुचित के साथ घातक भी है। इससे बच्चों के मन में अवसादहीनता पैदा हो जाती है जो कि उनके विकास में बाधक होते है। हम जिससे उनकी तुलना कर रहे हैं उसके प्रति अनजाने में बच्चों के मन में ईर्ष्या का भाव भी भर देते हैं। कई बार तो माता-पिता अपने ही बच्चों के बीच ईर्ष्या-द्वेष का भाव जगाने का कार्य कर देते है। एक दूसरे की तुलना करके अपने ही परिवारों के विघटन का कारण बनते हैं। दूसरे बच्चे से तुलना करने से आप अपने बच्चों की स्वाभाविक योग्यता भी शनैः- शनैः समाप्त कर देंगे। भगवान की सृष्टि में कौन एक सा है। यहां तक कि इंसान की पांचों उंगलियां भी एक सी नहीं होती फिर बच्चे एक से कैसे होंगे? हमारे बच्चों में जो नैसर्गिक गुण है, उन्हीं का विकास करें। उसे निखारे यदि बच्चा दूसरे बच्चों के मुकाबले कुछ कमजोर है तो उसे हतोत्साहित ना करें उसका आत्मबल बढ़ाएं।

❒ **आशा मानधन्या**, इंदौर

बच्चों क़ी तुलना वास्तव में अन्याय

सृष्टी ने सभी को अलग-अलग रूप, रंग और गुण से अलंकृत किया है। पेड़, पौधे, पशु, पक्षी भी अपनी अलग विशेषता रखते हैं। मछली जल क़ी रानी तो शेर जंगल का राजा है। सबकी श्रेष्ठता के मापदंड अलग हैं इसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य अपने विशिष्ट गुणों को लिये ही पैदा होता है। सबकी अपनी-अपनी क्षमता है, गुण हैं किन्तु आधुनिक समय में हम सिर्फ परसेंट को प्राथमिकता देकर बच्चों क़ी तुलना करते हैं। बच्चे के ऊपर अपनी इच्छा को लाद कर हम उनसे वह कराना चाहते हैं जो हम ना कर सके। अपार गुणों को समेटे बच्चा नंबरों पर आँका जाता है। सिर्फ इतनी सी बात समझिये कि शेर, मछली, हाथी, बन्दर, भालू को हमारी शिक्षा पद्धति में पढ़ाया जाये और बस एक ही लक्ष्य दिया जाये जो पेड़ पर चढ़ेगा वह सफल बाक़ी असफल, तो क्या यह न्याय होगा? तुलना बच्चे को हीन भावना से भर देती है वे जिंदगी से पलायन क़ी बात तक सोच लेते हैं। उसके मौलिक गुणों का सम्मान ना कर के हम उन्हें कुंठित कर रहे हैं। अतः तुलना के जहर से बच्चों को बचाना आवश्यक है। हम सारी सुविधा देकर उन्हें हमारी सोच के अनुसार चलने को विवश करते हैं जो उनके वास्तविक अस्तित्व को ख़त्म कर देता है। अतः हर हाल में तुलना से बचें।

❒ **पूजा नबीरा**, काटोल

स्वभाव देखकर ही तुलना करें

बच्चे के ऊपर निर्भर है कि हम उम्र बच्चे से उसकी तुलना की जाए अथवा नहीं। हमें सबसे पहले अपने बच्चे का स्वभाव जानना होगा। हर माता-पिता अपने बच्चे का स्वभाव बचपन से ही जान जाते हैं। कुछ बच्चों की तारीफ की जाए तो वह आगे बढ़ते हैं, कुछ जरा सी तारीफ पाकर एकदम खुश हो जाते हैं और कार्य को अधूरा छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे तुलना करने के बाद अच्छे कार्य को गति प्रदान करते हैं। कुछ बच्चे तुलना से हताश होकर वह कार्य छोड़ देते हैं। हर बच्चे का मनोविज्ञान अलग होता है। बच्चा यदि तुलना करने के बाद कार्य को अच्छे ढंग से करता है तो हमें निश्चित ही हमउम्र बच्चों से उनकी तुलना करना उचित है। हां अगर बच्चे का मनोविज्ञान तुलना करने की इजाजत नहीं देता तो हमें अपने बच्चे की किसी दूसरे बच्चे से तुलना तुरंत बंद कर देना चाहिए, उसे प्यार और स्नेह से समझाएं। वैसे भी हर बच्चे की रूचि अलग-अलग कार्यों की तरफ प्रवर्त होती है। जहां तक हो सके तुलना से बचना चाहिए।

❒ **सुनीता-महेश मल्ल**, आमगांव, गोंदिया (महाराष्ट्र)

आत्म विश्वास जिंदगी की सबसे खूबसूरत सुबह होती है, जो आपके पूरे दिन को खूबसूरत बनाए रखती है।

प्रेमचन्दजी के गायब होने के कुछ क्षण पश्चात मेरा भय कुछ कम हुआ लेकिन माथे पर अब भी पसीने की बूंदे थी। मैंने रुमाल निकालकर पसीना पोंछा। मुझे समझ आ गया कि आज मैं फंस गया हूँ पर अब विकल्प क्या था? समय तो निकालना होगा। मुझे लगा भारतीय लेखकों को छोड़ो। ये जीते जी तो भूत की तरह घूमते ही हैं मरने के बाद भी भूतयोनि में ही विचरते हैं।

पिंजरे

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
94141-32483

मुझे खुद नहीं मालूम मैं उस म्यूजियम में कब एवं कैसे बंद हो गया? आश्चर्य! जाते-जाते किसी ने कोई आवाज़ भी नहीं दी कि जो अंदर हैं, बाहर चले आएं। इतना तो उनका भी फर्ज़ बनता है कि कोई बेल बजाए, आवाज़ दे अथवा फिर कहीं ऐसा तो नहीं कि मैं म्यूज़ियम के इस सेक्शन में मूर्तियां देखने में ऐसे मशगूल हुआ कि मुझे कोई आवाज ही सुनाई नहीं दी।

मैं एक अज्ञात भय से सिहर उठा। म्यूजियम सात बजे बंद होता था हालांकि दिसंबर की सर्दियों में सात बजते-बजते रात हो जाती है। मैंने नज़रें घुमाई, मूर्ति वाले सेक्शन में पांच वाट का मर्करी बल्ब जल रहा था जिसकी धीमी रोशनी म्यूजियम में चांदनी रात की मानिंद फैली हुई थी। तकरीबन ऐसे ही कुछ अन्य बल्ब यहां-वहां कुछ दूरी पर जल रहे थे। मैंने दूसरे स्विच ऑन किए पर बत्ती नहीं लगी। शायद ये बल्ब जो जल रहे थे बैटरी ऑपरेटेड होंगे जो मैन स्विच बंद करते ही जल जाते होंगे।

मैंने जेब में हाथ डाला, मोबाइल नहीं था। मैंने सर पीटा, अरे! मोबाइल ठीक करवाने ही तो दोपहर चार बजे घर से निकला था। रास्ते में मोबाइल शॉपी पर इसे बताया तो दुकानदार ने कहा इसे ठीक करने में दो-ढाई घण्टे लगेंगे। अब दो घण्टे कैसे पास हों? यहां से आगे एक कि.मी. तक सूना था। इसके बाद शहर का म्यूजियम था जिसके आधे हिस्से में वाचनालय एवं बाकी आधे हिस्से में म्यूजियम था। यकायक मेरे दिल में म्यूजियम देखने का ख्याल आया। मैं यहां आया, टिकट लिया एवं भीतर आ गया। मैनेजर ने मुझे कहा भी कि आज मैं अकेला हूँ, अर्दली एवं दोनों क्लर्क छुट्टी पर हैं, आप यथासमय आ जाना। मैं नहीं भी पहुंचा तो क्या उसने इतना भी पता नहीं किया कि भीतर कोई रह तो नहीं गया है। वैसे भी आधा बावला लग रहा था, बड़ी बात नहीं चढ़ा भी रखी हो।

मेरी छाती फटने लगी। बदहवास मैं मुख्य दरवाजे तक आया। आठ बजने को थे। मैं जोर से चिल्लाया, 'मैं अंदर हूँ। कोई है?' कोई रिस्पांस नहीं मिला। मैं मैनेजर के कमरे के समीप आया, वहीं खिड़की के एक सुराख से देखा, वहां टेलीफोन तो था पर कमरे के मोटे दरवाजे के बाहर एक आयताकार लोहे का ताला लटक रहा था। यह ताला भी जैसे कोई दो-तीन सौ वर्ष पुराना था। अब यह लगभग असंभव था कि मैं बाहर निकल पाऊं। मेरा खून सूख गया, हाथ पांव फूल गए। अब एक रात की कैद तय थी।

हताश मैं वहीं दरवाजे के पास रखी एक लंबी बेंच पर लेट गया। खुदा का शुक्र था मैं कोट एवं टोपी पहनकर निकला था अन्यथा सर्दी में कुल्फी जम जाती। मैं सोचने लगा कि अब क्या किया जा सकता है? वो तो अच्छा है सुरेखा बच्चों के साथ शैक्षिक भ्रमण पर गई हुई थी अन्यथा समय पर न पहुंचने पर वह घर उठा लेती।

अत्यधिक विकट स्थितियों में मनुष्य का हौंसला कभी-कभी आश्चर्यजनक रूप से बढ़ जाता है हालांकि कई तरह की आशंकाएं मुझे घेरने लगी थी जैसे सुबह दरवाजा खुलते ही अर्दली मुझे चोर न समझ ले और मेरी नाहक ठुकाई हो जाए। फिर याद आया वह तो छुट्टी पर है, खोलेगा तो मैनेजर ही एवं वह तो बावला है, चलो उसे भी जस-तस मैनेज करूंगा, यह सोचकर मैं पड़ा रहा। हो सकता है ये दोनों न आए स्वीपर ही सुबह जल्दी आकर दरवाजा खोल ले। खैर! इन नवरे विकल्पों पर खोपड़ी पकाने की बजाय ज़रूरी यह था कि मैं यह सोचूं कि अब किया क्या जाय? तभी एक विचार आया कि यह छोटे शहर का म्यूजियम है क्यों न एक बार वाचनालय एवं म्यूजियम को पुनः ध्यान से देखूं। इसी बहाने मैं मनुष्यता के इतिहास की यात्रा कर लूंगा। म्यूजियम देखना अतीत भ्रमण ही तो है। बीते समय मे विचरना, तत्कालीन समय की कला-शिल्प-संस्कृति के बारे में जानना कितना रोमांचक अनुभव होगा। सरसरी निगाह से देखने एवं धीरे-धीरे समझ कर देखने, हृदयंगम करने में ज़मीन-आसमान का फर्क होता है। ऐसा दुर्लभ अवसर भी तो कभी-कभार सौभाग्य से मिलता है। ऐसा सोचते ही मुझे मेरे पिता का स्मरण हो आया जो बहुधा कहते थे-सुख दुःख को नए सिरे से सोचने के अतिरिक्त कुछ नहीं है। चिंतन के एक पहलू पर आप दुखी हैं, भयभीत हैं, आशंकित हैं जबकि उसी समस्या में अन्य प्रकार से सोचने में आप सुखी हैं, सुकून में हैं, कम से कम बेहतर तो हैं ही। अंधेरा दिया जलाने से दूर होता है।

अब मैं एक अभिनव संकल्प के साथ उठ खड़ा हुआ। पहले वाचनालय की ओर जाना ही उचित होगा।

मैं वाचनालय की ओर बढ़ा, यहां भी उसी दूरी पर पाँच वाट के बल्ब जल रहे थे। इतना भर प्रकाश तो था ही कि मैं पुस्तकों के टाइटल देख सकूं, प्रयास करने पर बल्ब के नीचे बैठ पुस्तक भी पढ़ी जा सकती थी। वाचनालय में साहित्य की पुस्तकें थी, राजनीति, धर्म एवं अन्य विषयों पर भी अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें यहां रखी थी। वाचनालय बहुत बड़ा नहीं था पर इसमें देश-विदेश के असंख्य लेखकों की नई-पुरानी, गत अनेक सदियों की पुस्तकें एवं ग्रंथ आदि रखे थे। ओह! इन लेखकों ने मनुष्यता की अंधेरी राहों को रोशन करने के लिए कितने चिराग जलाए पर आश्चर्य आज भी कितना अंधेरा है।

यह सोचते-सोचते मैंने सामने ड्रावर में रखी एक पुस्तक 'प्रेमचंद की श्रेष्ठ कहानियां' निकाली। प्रेमचंद मेरे पसंदीदा लेखक थे। उनके कथा-संग्रह, उपन्यास मैंने कॉलेज के दिनों में खूब चाव से पढ़े थे। उनके उपन्यास कर्मभूमि, गोदान, गबन एवं कतिपय अन्य उपन्यासों के कथानक, प्रस्तुति इतनी जीवंत थी कि ये उपन्यास अब भी जब कि मैं चालीस पार हूँ, भुलाए नहीं भूलते। उनकी कहानियां तो एक से बढ़कर एक थी। कफ़न, पूस की रात, सद्गति, बूढ़ी काकी आदि कहानियों को कोई क्या एक बार पढ़कर भुला सकता है? यही सोचकर मैं पुस्तक अनुक्रमणिका देखने लगा। क्या ही अच्छा हो एक बार इन कहानियों को पुनः पढ़ा

जाए तो एक पंथ दो काज की तरह कॉलेज दिनों की याद ताजा हो जाएगी एवं इसी बहाने यह पूस की एक और सर्द रात निकल जाएगी।

मैंने पुस्तक निकाली एवं अनुक्रमणिका तक पहुंचा ही था कि सामने एक दृश्य देखकर हैरान रह गया। मुझसे कुछ कदम दूरी पर साक्षात प्रेमचंद खड़े थे। ओह, उनका कैसा सौम्य रूप था। अच्छे लंबे थे। वे खादी का चोला एवं धोती पहने थे। चोले के ऊपर खादी के ही बटन लगे थे एवं वे चुपचाप खड़े थे। नीचे पांव में फटे जूते थे जिनमें आगे से उनका अंगूठा झाँक रहा था। अभी कुछ दिन पहले ही मैंने उनका ऐसा ही एक चित्र देखा था जिसमें जूते के आगे से उनका अंगूठा दिख रहा था। इतने महान लेखक का यह चित्र देख मैं गम्भीर हो गया था।

प्रेमचन्द को सामने देख मैं ऊपर से नीचे तक पसीने में नहा गया, कांपते हुए बोला, 'आपका तो वर्षों पूर्व स्वर्गवास हो गया था, आप यहां कैसे? 'मुझे देखकर वे बोले,' मैं मर गया तो क्या, मेरी पुस्तकों में आज भी जिंदा हूँ। इतना ही नहीं जब-तब इनमें से निकलकर बाहर भी आ जाता हूँ। फिर यकायक वे उदास एवं गम्भीर होकर बोले,' इन पुस्तकों को लिखने के लिए मैंने अपने कलेजे का खून निचोड़ा है। रातों लालटेन की रोशनी में अपनी नींदे खराब कर इनकी सर्जना की है। आसमान के चाँद-तारे मेरी उन रातों के गवाह हैं। तत्कालीन समाज में मेरा तीव्र विरोध भी हुआ पर मैं सत्य से विमुख नहीं हुआ। मेरी श्मशान यात्रा में बीस लोग भी नहीं थे। मैं लिखते हुए बस यही सोचता था कि समाज के नकारे गए वर्ण एवं वर्ग के लोगों पर होने वाले पैशाचिक ज़ुल्म कम हों, समाज की कुरीतियां, आडम्बर हटें, स्त्री को सम्मान मिले एवं लेखक मशाल बनकर समाज की अंधेरी गलियों को रोशन करे। यह जानकर दुःख होता है कि आज भी समाज के इन वर्गों पर अन्याय एवं अत्याचार कम नहीं हुआ है। आज भी इस देश के अधिसंख्य लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। आज भी देश भ्रष्टाचार के दावानल में जल रहा है। मेरे 'नमक का दरोगा' कहानी लिखने का फिर क्या फायदा हुआ? मैंने तो यह तक सुना है कि वर्ष दर वर्ष स्त्रियों पर ज़ुल्म के आंकड़े, बलात्कार बढ़ रहे हैं। मेरी 'ईदगाह' की क्या यह परिणति होगी कि बच्चे मां-बाप से वृद्धावस्था में सब कुछ छीन लें यहां तक कि उन्हें वृद्धाश्रम छोड़ आए। मनुष्य का क्या इतना पतन हो गया है? जिन नीतियों एवं आदर्शों को मैंने अपनी कहानी का बिम्ब बनाया आगे के साहित्यकारों ने उसे कैसे भुला दिया? क्या उन्हें ये भी नहीं पता कि बिना मर्यादा, लक्ष्मण रेखा के समाज गर्त में चला जाएगा? मजबूत नींव के बिना क्या इमारत खड़ी हो सकेगी? क्या यही प्रगतिशीलता है कि फूल से खुशबू निचोड़कर कुचले, निर्गन्ध पुष्प समाज को अर्पित कर दिए जाए? साहित्यकार ये कैसे भूल गए कि समाज की गौरव-पताका में वे दंड के समान हैं? 'कहते-कहते उनकी आंखें लाल होने लगी। मैंने मन ही मन कहा,' प्रेमचन्दजी! जिसे कहना है कहो, मैं तो मात्र आपका पाठक हूँ। मेरी ऐसी-तैसी क्यों कर रहे हो? एक तो पढ़ो फिर सुनो भी। आप बेवजह किसी और का दंड मुझ फकीर को क्यों दे रहे हो? वैसे भी आजकल साहित्य पढ़ने वाले अंगुलियों पर रह गए हैं।' भयभीत मैंने उनकी पुस्तक बन्दकर ड्रावर में रख दी। आश्चर्य! मेरे पुस्तक रखते ही वे गायब हो गए। यह तो गज़ब बात हुई। क्या लेखकों की आत्मा मरणोपरांत उनकी पुस्तकों में समा जाती है? मुझे आश्चर्य इस बात का भी था कि मैं अनेक बार जब पुस्तकें पढ़ता एवं किसी बिंदु पर उद्वेलित होता तो मन में एक विचित्र हूक उठती थी, काश! मैं इस लेखक से प्रत्यक्षतः मिल पाता लेकिन आज तो यह साक्षात घटित हो रहा था।

प्रेमचन्दजी के गायब होने के कुछ क्षण पश्चात मेरा भय कुछ कम हुआ लेकिन माथे पर अब भी पसीने की बूंदे थी। मैंने रुमाल निकालकर पसीना पोंछा। मुझे समझ आ गया कि आज मैं फंस गया हूँ पर अब विकल्प क्या था? समय तो निकालना होगा। मुझे लगा भारतीय लेखकों को छोड़ो। ये जीते जी तो भूत की तरह घूमते ही हैं मरने के बाद भी भूतयोनि में ही विचरते हैं।

मैं थोड़ा आगे बढ़ा एवं इस बार विदेशी लेखकों के वर्ग से टॉलस्टॉय की विश्वविख्यात कृति 'एना करैनिना' निकाली। मानव मनोविज्ञान, प्रेम एवं पारिवारिक रिश्तों के उतार-चढ़ाव पर यह एक अद्भुत उपन्यास था। मैंने इसे पांच वर्ष पूर्व पढ़ा था। इसे खोलते ही सामने टॉलस्टॉय प्रकट हो गए। ऊंचा कद, तीखा नाक, हल्की भूरी नीलिमा लिए आँखें, प्रशस्त ललाट एवं ऊनी चोगा पहने उनका व्यक्तित्व असाधारण लग रहा था। वे भी रोष में भरकर बोले,' अभी-अभी मैंने प्रेमचंद को सुना। उनका क्रोध स्वाभाविक है। आज लेखक मद-मान के बीहड़ वन में खो गया है। उसे क्या पता ये पुस्तकें कितनी रातें काली कर लिखी गई हैं? खाने-पीने तक की सुध नहीं रहती थी। इन्हीं कथानकों को हृदय में लिए अनेक बार हम बावलों की तरह घूमते रहते थे। संभ्रांत एवं कुलीन परिवार से होते हुए भी मैंने समस्त जीवन लेखन एवं समाजसेवा को अर्पित कर दिया । वर्षों साधना कर ये उपन्यास, कहानियां लिखी पर मनुष्य चिकने घड़े की तरह आज भी वैसा का वैसा है। आज लेखक, कलाकार भी उत्कृष्ट सृजन की बजाय पागलों की तरह धन, पद एवं पुरस्कारों की तरफ दौड़ रहे हैं।' जाने क्या सोचकर वे यकायक चुप हो गए। वे रशियन लेखक होते हुए भी निर्बाध हिंदी में बोल रहे थे। यह कैसे संभव है? शायद प्रेमचन्दजी ने सिखा दी होगी। मैं चौंका, मुझे उनके प्रश्न का उत्तर देना था। वे मेरी ओर देख रहे थे।

'तो आप साहित्यकारों को समझाइए ना ! उनकी पगड़ी उनके हाथ है। पाठकों के पीछे क्यों पड़े हैं? आप तो प्रेमचंदजी की तरह मेरी ही क्लास लेने लग गए। एक तो पहले से शामत सर पर है ऊपर से आप नीले-पीले हो रहे हैं। आपकी बात क्या मैं साहित्यकारों को समझाऊंगा कि स्वांग भरने से न अपना भला होता है न समाज का? वे किसी की सुनते हैं क्या?' कहते हुए मैंने उनका उपन्यास भी पुनः ड्रावर के हवाले किया। वे भी क्षणभर में रफूचक्कर हो गए।

अब मेरे हाथ में गांधी की 'सत्य के प्रयोग' पुस्तक थी एवं मेरे सामने बापू खड़े थे। उनके चारों ओर दिव्य ओज था। मुझे देखते ही वे मुस्कराए, वे कुछ कहने ही वाले थे कि मैं फट पड़ा,' बापू ! मुझे पता है देश की दुर्दशा आपसे छिपी नहीं है। जिन मूल्यों के लिए आपने स्वातंत्र्य यज्ञ में अपना सर्वस्व अर्पण कर दिया, वे मूल्य ही आज अंधकूप में जा गिरे हैं। नेता भ्रष्ट एवं रक्षक भक्षक हो गए हैं। आपकी लकड़ी-बकरी ठग उठा ले गए हैं। मेरी तो आपसे आंख मिलाने की भी हिम्मत नहीं है। जिस सत्य के प्रयोग की बात आप कर रहे थे उसे तो राजनेताओं ने रसातल में पहुंचा दिया है। करनी कौए की एवं वेष हंस के हो गए हैं। बापू लेकिन इसमें मेरा कोई दोष नहीं है। जो जैसा करेंगे वैसा भरेंगे।' ऐसा कहते हुए मैंने बापू की पुस्तक भी ड्रावर में रख दी। मैंने सुना था साहित्यकार, समाजसेवियों एवं राजनेताओं को अधिक छेड़ना ठीक नहीं है। ये सभी कुछ-कुछ सनकी होते हैं।

अब मैं धार्मिक सेक्शन में आया। यहां गीता, महाभारत एवं वाल्मीकि रामायण के सभी खण्ड, योगवशिष्ठ एवं तुलसी की रामचरितमानस आदि पुस्तकें रखी थी। मैं नित्य मानस का पारायण करता था। मैंने सावधानी एवं श्रध्दा से मानस बाहर निकाली। अब तुलसीदासजी सामने थे। माथे पर वैष्णवी तिलक एवं सर पर बांधी हुई शिखा से वे ऐसे लग रहे थे जैसे साक्षात देवपुरुष खड़ा हो। उनकी प्रभा, औरा देखते बनती थी। मैंने उन्हें जयरामजी कहा तो उन्होंने भी ऐसा ही कहकर मुझे चिरायु होने का आशीर्वाद दिया। घबराहट मिटाने के लिए मैंने बात छेड़ी, 'आपके राम नाम की महिमा अब अनंतगुनी हो गई है एवं इसमें आपकी मानस का अहम योगदान है।' इतना सुनते ही उनका चेहरा गर्व से आपूरित हो गया। लेकिन मैंने उन्हें आड़े हाथों लिया,' इतना गर्व भी न करिए, आपके राम नाम ने अनेक बार साम्प्रदायिक दंगों की जलती आग में घी का काम भी किया है। इन दंगों में कितने निर्दोष मारे गए हैं।' यह प्रश्न अक्सर मेरे दिमाग में कुलबुलाता था कि धर्म का उद्भव मनुष्यता के सुख, सुकून एवं शांति के लिए हुआ है फिर धर्म के नाम पर हिंसा का तांडव क्यों? स्वयं तुलसी से बेहतर इसका उत्तर कौन दे सकता था।

मेरी बात सुनकर वे गम्भीर हो गए, मेरी ओर देखकर बोले,' मैंने तो सगुण राम को मात्र

भक्ति का बिम्ब बनाया ताकि जनमानस में रामकथा के माध्यम से भक्ति की सरिता बह सके , लोग निर्मल होकर प्रेम के भाव से भरें। मेरे सगुण राम तो उस परम प्रकाश के ही प्रतिनिधि थे जो अजन्मा, निर्गुण एवं निराकार है। मैंने हर प्रसंग में सगुण राम के साथ निर्गुण को भी उतना ही प्रतिष्ठित किया है । अगुनहि सगुनहि नहीं कछु भेदा, नाना भांति राम अवतारा-रामायण सतकोटि अपारा, राम अनंत अनंतगुन अमित कथा विस्तार, नाथ राम नहीं नर भूपाला-भुवनेश्वर कालहु कर काला आदि-आदि मानस की ही तो चौपाइयां हैं जो निर्गुण को सिरे से प्रतिष्ठित करती हैं। जब सगुण-निर्गुण एक ही है एवं हम सब उस एक परमपुरुष परमात्मा की सन्ताने हैं तो फिर कैसा युद्ध? कैसा मतभेद? क्या पानी और बर्फ में कोई भेद है? क्या आग और लकड़ी अलग-अलग है? ओह, मदान्ध भक्तों ने मेरी मानस का सार- तात्पर्य नहीं समझा।' कहते-कहते करुणा विव्हल उनकी आंखों से आंसू बह गए।

मुझे लगा इन कारुणिक स्थितियों में बात बढ़ाना उचित नहीं है। मैंने मानस पुनः ड्रावर में डाली एवं आगे बढ़ गया।

अब मेरे हाथ में प्रसिद्ध मनोविद फ्रायड की विश्वविख्यात कृति 'साइकोपेथोलॉजी ऑफ एवेरीडे लाइफ' थी। इस पुस्तक ने उनकी अन्य पुस्तकों की तरह मानव मन की परतें उघाड़ दी थी।

फ्रायड अब मेरे सामने थे। उनके चेहरे पर भी टॉलस्टॉय की तरह दाढ़ी थी हालांकि यह दाढ़ी टॉलस्टॉय जितनी लंबी नहीं थी। चेहरा-मोहरा कद भी टॉलस्टॉय जैसा ही था। मैं कुछ कहता उसके पहले वे बोल पड़े,' मनुष्य की सुप्त, दमित इच्छाओं की व्याख्या करते हुए मैंने कभी कहा था- हमारा मन समुद्र में तैरते विशाल हिमखण्डों की तरह होता है जिसमें एक तिहाई चेतन मन ऊपर होता है लेकिन अधिक शक्तिशाली दो तिहाई मन नीचे होता है....।' इतने महान ज्ञान को पचाना मेरे लिए कठिन था, मैंने इस पुस्तक को भी पुनः ड्रावर में रख दिया।

मैं जिस लेखक की पुस्तक निकालता वह मेरे सामने आ खड़ा होता। मैं किस-किस से प्रतिवाद करता? मैं चुपचाप वाचनालय क्रॉस कर गैलरी से होकर म्यूजियम में आ गया।

यहां मैंने एक ममी देखी। शायद मिश्र के किसी म्यूजियम से यहां आई होगी। ममी एक कांच के बड़े बॉक्स में बंद थी। मैंने मन ही मन सोचा, ओह! यह ममी भी कभी मेरी तरह मनुष्य रही होगी। मैं तो साधारण व्यापारी हूं ये तो राजा रहा होगा। मैंने ममी के बाहर लिखा विवरण देखा, मेरा अनुमान सही निकला। ये किसी राजा की दो हज़ार वर्ष पुरानी ममी थी। तब इसके क्या ठाट-बाट रहे होंगे पर काल को कौन लांघ सका है? आज वही शरीर जो कभी राजा था, महत्वहीन होकर पड़ा है। हम और हमारा जीवन कितना क्षणभंगुर है, मनुष्य फिर किसका प्रेरा इतने दम्भ एवं अहंकार में जीता है। मैं ऐसा सोच ही रहा था कि ममी में कुछ हरकत हुई। कुछ अप्रत्याशित घटे उसके पहले मैंने यहां से भी किनारा किया। मैं भी कभी-कभी सोचता था - काश! मैं राजा होता पर इस ममी ने तो मूड खराब कर दिया।

आगे पुराने बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण रखे थे। ओह! ये जेवर कभी विभिन्न महिलाओं की अमानत रहे होंगे, वे इन्हें पहनकर गर्व करती होंगी पर आज म्यूजियम की अमानत है। जगत में फिर अपना क्या है? मनुष्य फिर किसका प्रेरा मैं-मेरा करता फिरता है।

यहां से चलकर मैं मूर्ति वाले सेक्शन में आया। राजस्थानी पत्थरों में गढ़ी यह मूर्तियां कितनी मनभावन थी। इस सेक्शन में दस नृत्यांगनाओं की मूर्तियां थी जो लगती तो एक-सी थी पर सबमें किंचित अंतर था। सभी मूर्तियां तत्कालीन स्थापत्य कला का नायाब नमूना प्रस्तुत कर रही थी। यह सभी 14-15 वी शताब्दियों के मध्य की थी। मूर्तियों का शिल्प मुंह चढ़कर बोलता था। ये नृत्यांगनाएं नख-शिख राजस्थानी आभूषण पहने हुए थी। सिर पर बोर, नाक में नथ, कान में झुमके, मणिखचित कण्ठहार, बाजूबंद, कमर पर करघनी, पैरों में पायजेब मानो मूर्तिकार ने जीवित रूपसी यौवनाओं को सांचे में ढाल दिया हो। मैं दूर खड़ा इन मूर्तियों को देख ही रहा था कि मूर्तियों में जुम्बिश हुई एवं वे सभी एक-एक कर जीवित हो उठी। इन नृत्यांगनाओं का रूप-लावण्य देखते बनता था। ऐसा लगता था जैसे साक्षात स्वर्ग की परियां ज़मीन पर उतर आई हों। मुझे देखते ही उन्होंने एक राजस्थानी गीत 'खेलण दो गणगौर....भंवर मानै पूजण दो गणगौर...' गाना प्रारम्भ किया एवं वहीं मेरे चारों ओर वर्तुलाकार घूमने लगी। राजस्थानी गीतों में यह गीत मुझे सर्वाधिक पसंद था। आज मानो मेरी कल्पना मूर्त होकर सम्मुख खड़ी थी।

कुछ देर बाद इनमें से एक नृत्यांगना जो इन सबसे अधिक खूबसूरत थी, ने रुककर मुझे इस तरह देखा जैसे चकोरी चंद्रमा को देखती है। कुछ क्षण बाद वह हंसिनी की तरह चलकर आगे आई एवं मुझे आंखों के इशारे से गलियारे में आने को कहा। उसके इशारा करते ही अन्य मूर्तियां जाने क्या भांपकर पुनः पाषाण में समा गई।

अब वह परमसुन्दरी यौवना और मैं आमने-सामने थे। उसका सौंदर्य ऐसा था मानो रूप के घर में दीये की लौ जल रही हो। ऊंचा कद, तीखा नाक, लंबे काले केश, गूंथी हुई चोटी, गहरी काली आंखें, गदराए उरोज, ऊंचे नितम्ब तथा नीचे पांवों में चांदी की रुनझुन पायल उस पर खूब फब रही थी। आश्चर्य! वह हूबहू उस स्त्री जैसी थी जिसका चित्र मैं मेरे एकांतिक क्षणों में अपनी हृदयभित्ति पर उतारता था। मैंने यह बात किसी को यहां तक कि सुरेखा को भी कभी नहीं बताई पर आज तो वह साक्षात सामने जीवंत खड़ी थी।

'मैं यहां हूँ। आप कहाँ खो गए?' उसकी कोयल जैसी आवाज़ ने मेरे कानों में अमृत घोल दिया। मैं उत्तर देता उसके पहले वह बेख़ौफ़ आगे बढ़ी एवं अपने हाथ जिन पर की बाजूबंद की लड़ियां लटक रही थी एवं आगे चूड़ियां खन-खन कर रही थी, मेरे गले में डाल दिए। यह अंधे के हाथ बटेर लगने जैसी बात थी। मैंने इधर-उधर देखा, मन में आशंका थी कहीं प्रेमचन्दजी, गाँधीजी अथवा तुलसीदासजी देख न लें। तभी वह नृत्यांगना मेरे और करीब आकर कानों में होले से बोली,'मैं तुम्हारी हूँ, सिर्फ तुम्हारी। मैं जानती हूँ मैं तुम्हारे कल्पनाओं की रानी हूँ। आज फिर अवसर मिला है तो मुझे भोग क्यूं नहीं लेते? ऐसा नैकट्य, रतिसुख तो बड़े-बड़े पुण्यात्माओं को भी दुर्लभ होता होगा।'

आग से आग भड़कती है। मेरा नशा सर चढ़ गया। मैंने उसका मुंह अपने हाथों में लिया एवं उस पर चुम्बनों की बौछार कर दी। मैंने उसकी पेशानी, बरौनियाँ, आंखों को पुनः पुनः चूमा, कानो एवं गालों को सहलाया एवं फिर उसके गुलाबी दहकते होठों पर एक गहरा चुम्बन जड़ दिया। उसकी गरमाहट, साँसों का उतार-चढ़ाव, मुंह से निकलने वाले उह-ओह जैसे मादक शब्द मेरी कामाग्नि को हवा दे रहे थे। अब मेरी नज़र उसके मस्त उरोजों पर थी। मैं दोनों हाथ उसकी कमर के पीछे तक ले गया एवं दाएं हाथ से कांचली की डोरी खींच ही रह था कि बारिश आ गई... मैं हैरान रह गया.. इस बंद कमरे में बारिश...?

मैं घबरा गया। कोई मेरे मुंह पर लौटे से पानी छिड़क रहा था।

मैं हड़बड़ाकर उठा। सामने झाड़ू लिए स्वीपर तेज़ आवाज़ में मुझे उठो...उठो कहकर जगा रहा था।

मैंने उसकी ओर रोषपूर्ण दृष्टि से देखा तो वो बोला, 'बाबूजी! आप गहरी नींद में थे अतः पानी छिड़कना पड़ा। रात शायद आप यहीं बंद हो गए थे।'

मैं बेंच से उठा। अब मुझे समझ आया रात बेंच पर लेटे-लेटे मेरी आँख लग गई थी। मैंने वहीं नीचे रखे जूते पहने एवं चुपचाप बाहर पार्किंग में रखे स्कूटर की ओर बढ़ गया।

आज मैंने स्वप्न में वह सब देखा जो मैं अपनी कल्पनाओं में देखा करता था। अवसर पाते ही ये कल्पना-खग पिंजरे से बाहर आकर उड़ गए।

स्वप्न में ही तो हमारे अवचेतन मन के पिंजरे खुलते हैं।

फ्रायड ने रात ठीक ही कहा था।

जीवेत् शरदः शतम्।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के पूर्व सभापति व
समाज के भामाशाह

पद्मश्री श्री बंशीलाल राठी

के सफल जीवन के
14 अगस्त 2023 को
90 वर्ष पूर्ण करने पर
सादर वंदन अभिनंदन
साथ ही
परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है
आप शतायु होकर मानवता की
सेवा का कीर्तिमान स्थापित
करते रहें। मंगलकामनाएं

श्री माहेश्वरी टाईम्स
परिवार

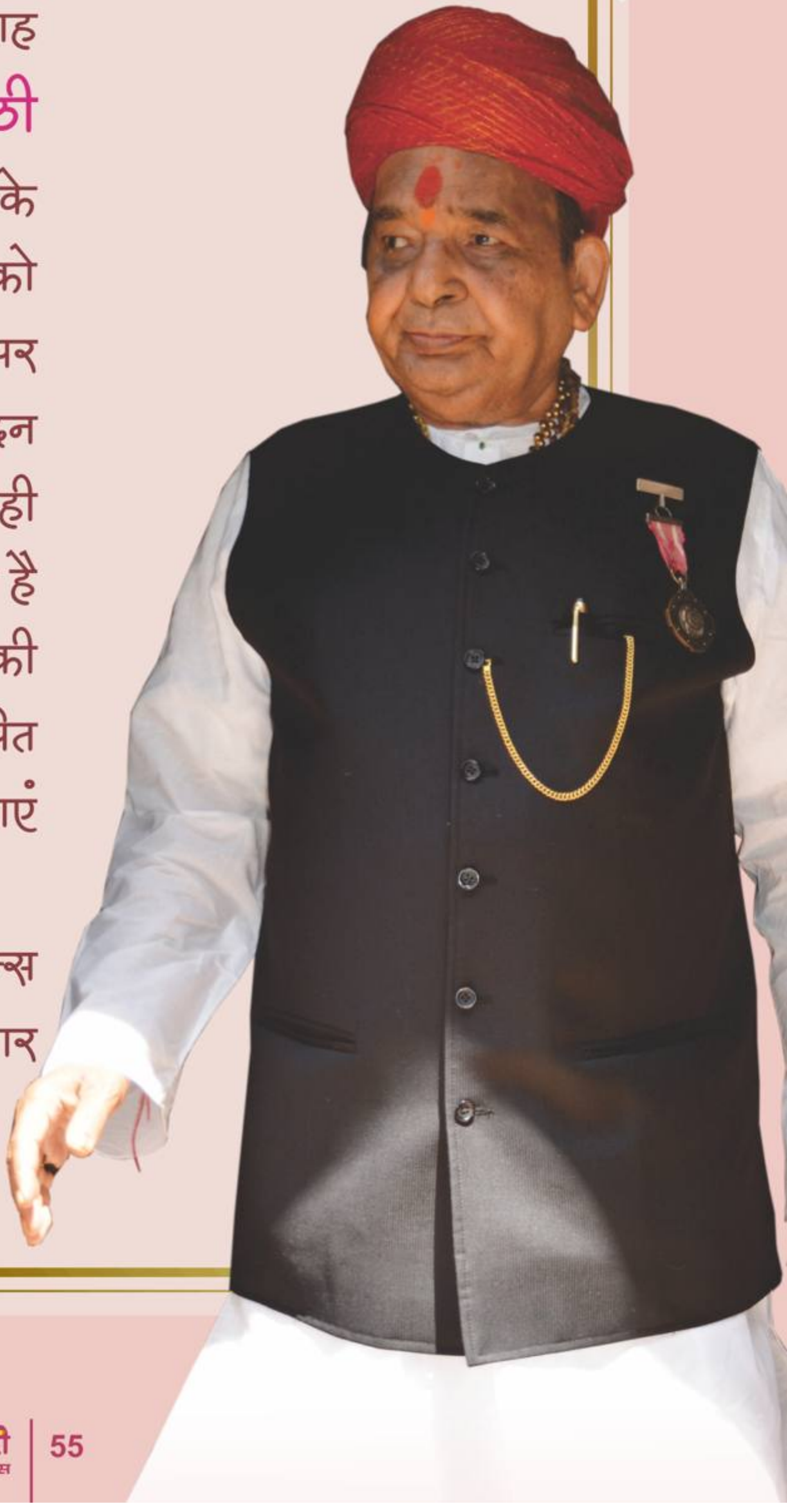

खुश रहें - खुश रखें

सुख-दुख का आना-जाना लगा रहता है, सुख के दिनों में दुख से निपटने की तैयारी रखनी चाहिए

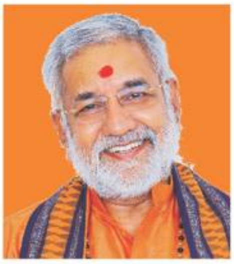

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

कहानी - द्वापर युग में कारागार में श्रीकृष्ण का जन्म हुआ तो देवकी ने बच्चे को गले से लगा लिया। उसी समय वसुदेव ने देवकी से कहा, 'इस बच्चे को मुझे दे दो। मुझे इसे गोकुल छोड़कर आना है।'

देवकी ने कहा- 'मैंने एक-एक करके सभी बच्चे कंस को सौंप दिए और कंस ने उन्हें मार दिया है। मैं इसे नहीं दूंगी।'

उस समय जो व्यवस्था भगवान ने बनाई थी उसके अनुसार वसुदेवजी को भगवान के बाल स्वरूप को गोकुल लेकर जाना था। देवकी के मना करने के बाद भी वसुदेव ने उस बच्चे को उठा लिया और सुपड़े में रखकर गोकुल की ओर चल दिए।

बालकृष्ण ये दृश्य देख रहे थे। देवकी वसुदेव के पैरों में गिरकर कहती हैं- 'मेरा बेटा मुझे लौटा दो। मैंने कंस को वचन दिया था कि मैं सभी बच्चे उसे सौंप दूंगी, लेकिन वह हमें उसी दिन मार देता तो अच्छा होता। रोज-रोज कैसे मरा जाए?'

देवकी रो रही थीं, लेकिन वसुदेव नहीं रुके और कारागार से निकल गए। बालकृष्ण ने जब ये दृश्य देखा तो उन्होंने सोचा, 'मैंने भी क्या व्यवस्था बनाई है। मेरे जन्म के पहले दिन मेरी मां को ऐसे रोना पड़ रहा है।'

सीख - यहां श्रीकृष्ण ने ये संदेश दिया कि जीवन में दुख तो आएंगे। बड़े-बड़े समर्थ व्यक्ति के जीवन में भी दुख आते हैं। देवकी और वसुदेव से बड़ा और कौन होगा, जिनके यहां भगवान खुद संतान बनकर आए, लेकिन उन्हें भी दुखों का सामना करना पड़ा। अब प्रश्न ये है कि दुख का निपटारा कैसे किया जाए? दुख को तीन तरीकों से निपटाया जा सकता है। पहला- दुख को सह लें। दूसरा- दुख को समझ लें और तीसरा- दुख को सुलझा लें। दुख के मामले में तो भगवान अपने माता-पिता की भी मदद नहीं कर पाए तो उनके भक्तों को भी दुखों से निपटने की तैयारी खुद ही रखनी चाहिए।

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.
जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है.
बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ...
इसी के सूत्र बताती है
डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -
- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
aisa kyon

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - **"ऐसा क्यों?"** लेकिन इसका उत्तर देगा कौन?
इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

मावा काजू गोटा

सामग्रीः 100 ग्राम मावा, दो आलू उबाल कर मॅश किए हुआ, 4 ब्रेड स्लाइस काचुरा, अदरक - हरी मिर्ची की पेस्ट स्वादानुसार, हरा धनिया स्वादानुसार, 1 टी स्पून गरम मसाला, आधा टी स्पून चाट मसाला, 1/2 टी स्पून काली मिर्ची पाउडर, आधा नींबू का रस, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए तेल, 1/4 कप दरदरा किया हुआ काजू।

स्टाफिंग के लिएः थोड़े से साबूत काजू और डिब्बा बंद पाइनएप्पल के छोटे पीस कर ले।

विधिः गोटे की सभी सामग्री को मिला ले, इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर काजू और पाइनएप्पल को स्टफ करके गोल गोटे बना ले। और गरम तेल में सुनहरा होने तक तल ले। गरमा गरम मावा काजू गोटा हरी चटनी और इमली की चटनी के साथ पेश करें।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

बोझिल रिश्तों री मार

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हां... बोझिल रिश्ता री.. हुकुम रिश्तों री अहमियत आपा सब जाणा पर... जण ए रिश्ता मिनख पर बोझ बण जावे तो उण रिश्तों में दूरी बना देणी ज्यादा सही है.. यूँ भी सगळा रिश्ता बहुत ही नाजुक अण महत्वपूर्ण हुवे जिने सद्भावना और सहृदयता सूं निभाणों चईजे।

हुकुम इण रिश्तों में टकराव री स्थिति न बणे विनो पुरो ध्यान राखणो चईजे पर जण उणमें आपसी प्रेम और विश्वास खत्म हूँ जावें तो वे बोझ लागण लाग जावें... हुकुम एकतरफा रिश्ता लम्बा नहीं निभ सकें.. वे आगे जानें नासूर बण जावें जिका बहुत कष्टदाई हुवें।

एक कहावत है हुकुम मिनख ने उतो ही बोझ आपरी पीठ पर लादणों चईजे जितो वो आराम सूं उठा सकें.. यां ही बात जीवन पर भी लागू हुवें... जीवन मे वो बोझ भले ही पीठ पर सामान रो हो या रिश्तों रों... आपरी सामर्थ्य सूं ज्यादा बोझ लेने चालण वालौं अक्सर धड़ाम सूं नीचे गिरे और खड़ों भी नहीं हूं पावे.. चालण री बात तो बहुत दूर री हूँ जावें।

हुकुम एक रोटी भी जणें ही अच्छी लागे जणें दोनों तरफ अच्छे सूं सिकियोड़ी हुवें उन्ही तरिके सूं रिश्ता भी जणे अच्छा लागे जण दोनों तरफ अच्छे सूं निभाया जावें।

रिश्तों में एक अहम तत्व प्रेम हुवै हुकुम। प्रेम ही रिश्तों ने पावन बणावे। ओ प्रेम जणे पैदा हुवै आपां एक दूसरे ने समझो। रिश्तों ने एक और चीज बल दैवे वा है मुसीबत में साथ निभावणों। आप दूसरों रे बुरे वक्त में काम आवालो तो दूजो अपने आप आपरी मुसीबत रे समय साथ देवेला। हर व्यक्ति आपरो ऋण चुकावनी चाहवें। यों प्रकृति रो नियम है इण हाथ दे उण हाथ ले। आप रे करम री परछाई ही आपरे लारे चाले हुकम।

रिश्तों में आजकल होड़ाहोड़ भी खूब बढ़गी है। ईर्ष्या जिन्दे ने जलावै हुकुम। लोगों रा ज़ख़्म मत बणों मरहम बणो। ज्यूँ ओला खेती माथे गिरने खुद भी नष्ट हो जावे और खेती भी नष्ट करदे...यां ही गति ईर्ष्यालु लोगों री व्हे। जो आपाणी किस्मत में है उन्हें कोई नहीं छीन सके ,दूजे री तकदीर आपां भी नहीं खा सको हुकुम। इण वास्ते किनै दुख मत दो ।जो मिल्यो उनमे भगवान ने धन्यवाद दैवो। आपाणो सोच ही आपाणे खुश राख सके अर दूजो ने भी हुकम। आज री बात पूरी करूं इन शेर सूं हुकुम..

वे दिल ले के खुश है मुझे ये खुशी है,
कि पास उनके रहता हूँ मैं दूर होकर॥

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- शायर कहकर बदनाम ना करना मुझे दोस्तों,
  मैं तो रोज शाम को दिनभर का हिसाब लिखती हूँ।
- कभी आँखें किताब में गुम हैं,
  कभी गुम हैं किताब आँखों में..।
- कुदरत साथ न दे, तो दुनिया साथ नहीं देती,
  मेरी अपनी ही परछाई, मुझे धूप आने के बाद मिली
- कहां नायाब लिखती हूँ, कहां शफाफ लिखती हूँ..
  मेरा वजूद मिट्टी है, मैं खुद को खाक़ लिखती हूँ..!!
- अनुभव की 'भट्टी' में जो तपकर जलते हैं,
  दुनिया के बाजार में वही 'सिक्के' चलते हैं !!
- बंद लिफाफे में रखी चिट्ठी सी है ये जिंदगी..
  पता नहीं अगले ही पल कौन सा पैगाम ले आये !!
- किस तरह इल्ज़ाम लगाये,बारिश की बौछारों पर,
  हमने खुद तस्वीर बनाई, मिट्टी की दीवारों पर।

कार्टून कौतुक

राशिफल

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस महीने में इस राशि के जातकों को मिले-जुले प्रभाव देखने को मिलेंगे। विचारों में स्पष्टता नहीं रहेगी, धुंध सी छाई रहेगी और अनिर्णय की स्थिति बनेगी। अनायास अचानक खर्च आ जाएंगे। दंपत्ति में मनमुटाव संभावित है। 18 अगस्त के बाद साहसिक निर्णय ले लेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में थोड़ी अनुकूलता महसूस करेंगे, जो जातक जोखिम उठाने के कारोबार में है या सेना या पुलिस में है वह अपने पराक्रम का प्रदर्शन करेंगे। व्यापारी वर्ग को कोई विशेष लाभ नहीं है। हाइपरटेंशन से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं।

वृषभ

आपके लिए अगस्त महीना सामान्य रहने की उम्मीद है। वृषभ राशि के जातकों को कॅरियर में बदलाव होने की संभावना रहेगी। कार्य व्यवसाय से संबंधित बहुत पुरानी योजना इस महीने क्रियान्वित हो सकती है। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों को और अच्छा कार्य मिल सकता है। आध्यात्मिक यात्राओं के योग बनेंगे। पाचन से संबंधित समस्याएं रहेंगी। चुनौतीपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। वाहन सुख की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। धार्मिक कार्यों में खर्च होगा।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों के लिए अगस्त का महीना अत्यंत अनुकूल साबित होने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों को आसानी से सफलता मिलेगी एवं अनायास धन प्राप्ति संभावित है। पाचन संस्थान से संबंधित समस्याएं हो सकती है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। नसों में खिंचाव की समस्या भी हो सकती है। पारिवारिक संबंध एवं दांपत्य संबंध मधुर रहेंगे।

कर्क

इस महीने कर्क राशि के जातकों को मिले-जुले फल मिलेंगे। कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह महीना कुछ चुनौतीपूर्ण रहेगा। राजकीय पक्ष प्रतिकूल रहेगा। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए फर्म बदलने का अवसर मिलेगा। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। बेचैनी की स्थिति बनी रहेगी। दांतों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह महीना कई उपहार लेकर आ रहा है। राजकीय पक्ष अत्यंत अनुकूल रहेगा। रुके हुए कार्य होंगे। नए वाहन खरीदी के योग बनेंगे। परिवार में सुखद वातावरण निर्मित होगा। परिवार में आध्यात्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होगा। धर्म के प्रति रुझान बढ़ेगा, धार्मिक यात्राएं संभावित है। इन सबके साथ-साथ अहंकार के टकराव की संभावना भी है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के कार्यक्षेत्र में अनुकूलता आऐगी। आय में वृद्धि हो जाएगी। इच्छित कार्यों में विलंब होगा, किंतु कार्य अवश्य होंगे। आपका पूरा ध्यान अपने कार्य क्षेत्र की ओर रहेगा। निजी क्षेत्र में आर्थिक स्थिति का ग्राफ ऊपर नीचे होने की संभावना है, सोच समझकर आर्थिक जोखिम उठावे। नवीन कार्य सोच समझकर प्रारंभ करें। उत्तराधिकार संबंधी समस्या हल हो सकती है।

तुला

तुला राशि के जातक इस महीने असुरक्षा की भावना से पीड़ित हो सकते हैं। अज्ञात भय बना रहेगा। इस इस आदत के प्रति सजग रहें। परिवार में शुभ कार्य संभावित है। गैस एसिडिटी की समस्याएं हो सकती है। जीवन में उतार-चढ़ाव रहेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक

आपके लिए यह महीना साहसिक निर्णय लेने का समय है। पुरानी योजनाएं क्रियान्वित होंगी। रुके हुए कार्य हो जाएंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जिनका स्वास्थ्य पहले से खराब चल रहा है, उनके स्वास्थ्य में तेजी से सुधार आऐगा। साहस की भावना बढ़ने से पारिवारिक जिम्मेदारियां भी बढ़ेगी। कॅरियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अहम के टकराव के कारण पारिवारिक शांति के प्रति सजग रहें। जीवनसाथी से मनमुटाव संभावित है।

धनु

अगस्त का महीना धनु राशि के जातकों के लिए अत्यंत अनुकूल होने की संभावना है। धनु राशि के जातकों के लिए आर्थिक मार्ग प्रशस्त होगा। अध्यात्म का भाव बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। यद्यपि धन का प्रवाह तेज रहेगा, किंतु बचाने में सफलता कम ही मिलेगी। नौकरी पेशा जातकों के प्रमोशन के अवसर बन सकते हैं। छोटी यात्राएं अधिक होंगी। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे।

मकर

मकर राशि के जातकों का पारिवारिक खर्च अधिक रहेगा। पारिवारिक कार्यों से भ्रमण अधिक होगा। शरीर को आराम नहीं मिल पाएगा लेकिन यात्राएं लाभप्रद साबित होंगी। धर्म भावना बढ़ेगी। गूढ़ रहस्य के अध्ययन की प्रवृत्ति बढ़ेगी। कार्य में व्यस्तता बनी रहेगी। कार्य रुक-रुक कर होंगे। भविष्य की योजना बनाएंगे एवं उसको क्रियान्वित करने में लगे रहेंगे।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातकों को इस महीने अपने एवं अपने कार्य के ऊपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लेवें, अधिक जोखिम उठाने से बचें एवं विधि सम्मत रास्ते पर ही कार्य करें। अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। विवेकपूर्ण ढंग से खर्च करें। पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा। ऋण लेने एवं देने दोनों में सावधानी बरतें, साझेदारी में कार्य करने में 10 बार सोच कर ही करें।

मीन

मीन राशि के जातकों को इस महीने सेवा कार्य अधिक करना पड़ सकता है। परिवार के वृद्ध सदस्यों के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दूसरों के अनावश्यक कार्य करना पड़ेंगे। स्वयं के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। रिश्तेदारों से मनमुटाव संभावित है। अनावश्यक वाद-विवाद से बचें एवं साथी दूसरों को अनावश्यक सलाह न दें। कोई भी नया कार्य करने से पहले एक बार विचार-विमर्श करके करें। शनि प्रधान कार्यों से परेशानी होने के योग बनते हैं।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना
मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना
₹ 3000
तक बढ़ेगी राशि
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
21 वर्ष से ही मिलेगा लाभ
1 करोड़ 25 लाख बहनों को
हर महीने ₹ 1000
राजकुमारी
चकरपुर गांव, निवाड़ी
"योजना के एक हज़ार मैं अपने परिवार पर खर्च करूंगी। मेरे खाते में पैसा होगा तो जब जरूरत पड़ेगी तब खर्च करूंगी।"
मृदुलेश शुक्ला
बड़ा बाजार, पन्ना
"मुख्यमंत्री जी इस योजना में जो राशि हमें दे रहे हैं उससे बच्चों की पढ़ाई और घर में पौष्टिक खाने के खर्च में मदद मिलेगी।"
मोनालिसा मिश्रा
कुदरा टोला, शहडोल
"हम बहनों के लिए एक सीधी सच्ची योजना की जरुरत थी। सीधे हमारे खाते में पैसे आएंगे। हमारा मान-सम्मान बढ़ेगा।"
अनीता विश्वकर्मा
संकटमोचन कॉलोनी, राजगढ़
"मेरे पास आय का कोई साधन नहीं है। ऐसे कठिन समय में मुख्यमंत्री जी की यह योजना मेरे लिए वरदान से कम नहीं है।"
चाहना
बिरसा मुण्डा वार्ड, कटनी
"मैं अपने बच्चों को पढ़ाना चाहती हूँ। मुख्यमंत्री जी की इस योजना से हमारे पूरे घर में खुशी है।
D16074/23
संपर्क : ग्राम पंचायत, वार्ड कार्यालय और जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, हेल्पलाइन नंबर 0755-2700800

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2023-2025
Despatch Date - 02 August, 2023

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com

https://www.facebook.com/smtmagazine/
https://srimaheshwaritimes.com